नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, शनिवार 20 दिसम्बर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 213 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

हैदराबाद में आयोजित लोक सेवा आयोगों के अध्यक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करती राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

देश में नई प्रेरणा बन रही हैं झारखंड की युवा प्रतिभाएं : हेमंत सोरेन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी जीतकर इतिहास रचने वाली झारखंड क्रिकेट टीम से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने टीम में शामिल खिलाड़ियों को जीत के लिए हार्दिक बधाई देने के साथ उन्हें सम्मानित किया। श्री सोरेन ने कहा कि यह उपलब्धि खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और टीम भावना का परिणाम है। पूरे राज्य को इन खिलाड़ियों पर गर्व है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की युवा प्रतिभाएं देशभर में नई प्रेरणा बन रही हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री की पत्नी एवं विधायक कल्पना सोरेन के अलावा कई लोग मौजूद रहे।

गिग श्रमिक (निबंधन और कल्याण) विधेयक 2025 को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने दी मंजूरी

गिग श्रमिक कल्याण बोर्ड का होगा गठन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। ऑनलाइन मार्केट से मिनटों में घर तक सामान पहुंचाने वाले गिग श्रमिकों की हकमारी अब नहीं की जा सकेगी। राज्य के गिग श्रमिकों को हर कार्य के लिए तय की गयी दूरी व खर्च किए गए समय के आधार पर उन्हें न्यूनतम मजदूरी मिलेगी। यही नहीं दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य बीमा के साथ ही दुर्घटना, आपातकालीन चिकित्सा व अन्य स्वास्थ्य लाभ व मातृत्व लाभ के मामले में तत्काल सहायता दी जाएगी। इससे जुड़े झारखंड प्लेटफॉर्म आधारित गिग श्रमिक (निबंधन और कल्याण) विधेयक 2025 को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंजूरी दे दी। राज्य सरकार ने गिग श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए मानसून सत्र में इस विधेयक को विधानसभा से पारित किया था। इसे मंजूरी के लिए राज्यपाल के पास भेजा था। इस विधेयक के लागू होने से गिग श्रमिकों की पहुंच विशिष्ट सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तक हो सकेगी। एग्रिगेटर को ई- श्रम पोर्टल पर खुद को पंजीकृत करना होगा, साथ ही अपने गिग वर्कर को भी ऑनबोर्ड करना होगा। गिग श्रमिकों को देय सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं उनके अधिकारों की रक्षा को प्लेटफार्म आधारित गिग श्रमिक कल्याण बोर्ड गठित किया जाएगा। अधिनियम के नियमों का उल्लंघन करने पर एग्रीगेटर्स पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। दोषसिद्ध होने के बाद भी उल्लंघन जारी रहने पर सुधार होने तक हर दिन पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। किसी तरह के अपराध पर निदेशक, प्रबंधक, कंपनी सचिव या अन्य अधिकारी को दोषी मानते हुए कानूनी कार्रवाई की जाएगी। निबंधन के बाद गिग श्रमिकों को विशेष आईडी मिलेगी। व्यावसायिक रूप से सुरक्षित परिस्थिति में काम करने का अधिकार मिलेगा। काम की शर्तों या अन्य पैरामीटर पर बोर्ड की सलाह ले सकेंगे। एग्रीगेटर को अपने वर्कर को कम-से-कम साप्ताहिक आधार पर मुआवजा देना होगा। गिग श्रमिकों के लिए शिकायत निवारण तंत्र स्थापित किए जाएंगे। अधिनियम के तहत गिग श्रमिकों के लिए ऋण, बच्चों और उनके लिए शिक्षा योजनाएं, कौशल उन्नयन, अंतिम संस्कार सहायता, वृद्धावस्था सुरक्षा व राज्य द्वारा निर्धारित अन्य लाभकारी योजनाएं तैयार की जाएंगी। राज्य सरकार निबंधित गिग श्रमिकों के लाभ के लिए 'झारखंड प्लेटफॉर्म आधारित गिग श्रमिक सामाजिक सुरक्षा और कल्याण कोष' की स्थापना करेगी। कोष में कल्याण अंशदान और श्रमिकों का योगदान, सरकारी अनुदान आदि से प्राप्त राशियां जमा और भुगतान होगा। अंशदान लागत को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उपभोक्ता या गिग वर्कर्स पर नहीं डालने दिया जाएगा। एग्रीगेटर द्वारा परिचालनों से राज्य में अर्जित वार्षिक टर्नओवर का दो प्रतिशत से अधिक या एक प्रतिशत तक अंशदान लिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

ट्रैक्टर चालक ने बाइक सवार पिता-पुत्री को रौंदा

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। कतरास थाना क्षेत्र में एक ट्रैक्टर चालक ने मामूली विवाद में बाइक सवार को रौंद दिया जिससे उसकी मौत हो गई। बताया जाता है कि कांको मूसा पहाड़ी पुल पर राजगंज महुदा एनएच 32 के पास रॉन्ग साइड से अवैध बालू लेकर आ रहे ट्रैक्टर चालक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। बाइक सवार ने जब इसका विरोध किया तो बाप-बेटी पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया जिसमें बाइक सवार महावीर महतो की मौके पर ही मौत हो गई जबकि मृतक की बेटी बाल-बाल बच गई। घटना से बेटी सदमे में हैं।

ट्रक की चपेट में आने से युवक की मौत

रामगढ़(नबिटा ब्यूरो)। रामगढ़ कोर्ट के पास सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौके पर मौत हो गई जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा तब हुआ जब रामगढ़ से बोकारो की ओर जा रहे एक दस चक्का ट्रक ने पीछे से एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। मृतक की पहचान मूरबंदा निवासी 19 वर्षीय फलदेव महतो के रूप में हुई है। घायलों में 60 वर्षीय सुखदेव महतो और 24 वर्षीय राहुल महतो शामिल हैं। तीनों एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर रामगढ़ में बुजुर्ग सुखदेव महतो का इलाज कराकर घर लौट रहे थे।

हाइटेंशन तार से हाइवा में लगी आग

चतरा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के टंडवा थाना क्षेत्र स्थित शिवपुर रेलवे साइडिंग में कोयला लोडिंग के दौरान एक हाइवा रेलवे के हाईटेंशन विद्युत तार की चपेट में आ गया। इस हादसे में हाइवा में आग लग गई और वह पूरी तरह जलकर खाक हो गया। हालांकि ड्राइवर की सूझ-बूझ से उसकी जान बच गई। जानकारी के अनुसार यह घटना तब हुई जब कोयला परिवहन में लगा एक हाइवा विद्युत प्रवाहित तार के संपर्क में आया। संपर्क में आते ही पूरे वाहन में भीषण करंट दौड़ गया जिससे तुरंत ही हाइवा के टायरों और इंजन में आग लग गई।

तालाब से वृद्ध का मिला शव

जामताड़ा(नबिटा ब्यूरो)। अनुमंडल कार्यालय के पास स्थित तालाब में शुक्रवार सुबह एक 80 वर्षीय वृद्ध का शव उपलाता मिला। बच्चों ने शौच के लिए जाते समय शव देखा और इसकी सूचना स्थानीय लोगों को दी। बाद में शव की पहचान दुलाई मांझी (80) के रूप में की गई। परिजनों के अनुसार दुलाई मांझी बीते 13 तारीख से लापता थे। उनकी तलाश जामताड़ा, करमाटांड़, आसनसोल और आसपास के इलाकों में की गई थी लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद 14 तारीख को जामताड़ा सदर थाना में उनकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई गई थी।

इनामी नक्सली ने किया सरेंडर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लातेहार। नक्सली संगठन पीएलएफआई के इनामी नक्सली आलोक यादव ने शुक्रवार को लातेहार एसपी कुमार गौरव, सशस्त्र सीमा बल के कमांडेंट राजेश सिंह और सीआरपीएफ कमांडेंट यादराम बुनकर के समक्ष हथियार के साथ आत्मसमर्पण कर दिया। आलोक यादव पर एक लाख रुपए इनाम घोषित था। आलोक लातेहार के बालूमाथ बसिया का रहने वाला है। आलोक यादव पर राज्य के विभिन्न थानों में 35 से अधिक मामले दर्ज हैं। इसके आत्मसमर्पण करने से पीएलएफआई नक्सली संगठन को बड़ा झटका लगा है। दरअसल लातेहार पुलिस द्वारा नक्सलियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। नक्सलियों के खिलाफ हो रही लगातार कार्रवाई से लगभग सभी नक्सली संगठन काफी कमजोर हो गए हैं। इसी बीच लातेहार जिले में पीएलएफआई नक्सली संगठन को लीड कर रहे नक्सली आलोक यादव ने भी सरकार की आत्मसमर्पण नीति से प्रभावित होकर आत्मसमर्पण करने के लिए पुलिस अधिकारियों से संपर्क साधा। पुलिस अधिकारियों द्वारा नक्सली को आत्मसमर्पण नीति के विषय में बताया गया और इसके बाद उसे सरकारी प्रावधान के तहत सहयोग करने का भी आश्वासन दिया गया। इसके बाद शुक्रवार को नक्सली आलोक यादव ने एक देसी राइफल तथा चार गोलियों के साथ लातेहार एसपी कुमार गौरव, सशस्त्र सीमा बल के कमांडेंट राजेश सिंह और सीआरपीएफ कमांडेंट यादराम बुनकर के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। लातेहार एसपी कुमार गौरव ने बताया कि शुक्रवार को पीएलएफआई के नक्सली आलोक यादव ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। इस पर एक लाख रुपए का इनाम भी घोषित था। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा नक्सलियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। मार्च 2026 तक पूरे जिले को नक्सली मुक्त बना दिया जाएगा। नक्सलियों के पास अंतिम अवसर बचा है कि वह सरकार की नई दिशा कार्यक्रम का लाभ लेते हुए आत्मसमर्पण कर दें। उन्होंने कहा कि पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

रंगदारी के लिए फायरिंग करने वाला नक्सली गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। जिले के मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र में सक्रिय उग्रवादी संगठन टीएसपीसी के एक नक्सली सलमान को पुलिस ने लोडेड देसी कट्टा और जिंदा गोली के साथ गिरफ्तार किया गया है। चतरा से सटे रांची बार्डर पर सलमान के द्वारा दहशत फैलाने के लिए 16 दिसंबर को फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया गया था। रांची पुलिस द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई 16 दिसंबर को खलारी क्षेत्र में लेवी के लिए की गई फायरिंग की घटना के बाद चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान की गई। रांची पुलिस के अनुसार 16 दिसंबर को चतरा जिला की सीमा से सटे खलारी क्षेत्र में उग्रवादियों ने कोयला कारोबारियों और ईंट-भट्ठा मालिकों के बीच दहशत फैलाने तथा लेवी वसूली के उद्देश्य से फायरिंग की थी। इस घटना की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक रांची के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम में खलारी और मैक्लुस्कीगंज थाना के पदाधिकारियों एवं सशस्त्र बल के जवानों को शामिल किया गया। अभियान के क्रम में 18 दिसंबर की रात छापामारी दल को गुप्त सूचना मिली कि टीएसपीसी सीमांत जोन पिपवार-खलारी-बुढ़मू के सब जोनल कमांडर आदिल अंसारी उर्फ देवाजी के दस्ते के सदस्य मोटरसाइकिल से धमधमिया क्षेत्र में लेवी वसूली के लिए आने वाले हैं। इसके बाद पुलिस टीम ने धमधमिया के जंगली इलाके में एंबुश लगाकर घेराबंदी की और एक उग्रवादी को हथियार के साथ दबोच लिया जबकि घने जंगल और अंधेरे का फायदा उठाकर दो अन्य उग्रवादी फरार हो गए। गिरफ्तार उग्रवादी की पहचान सलमान खान के रूप में की गई है जो प्रतिबंधित संगठन टीएसपीसी के सब जोनल कमांडर आदिल अंसारी उर्फ देवाजी के दस्ते का सक्रिय सदस्य है।

टुंडी में हाथियों ने दो घरों को किया क्षतिग्रस्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। जिले के टुंडी प्रखंड में गुरुवार देर रात पांच जंगली हाथियों के झुंड ने भारी उत्पात मचाया। इस झुंड में एक बच्चा हाथी भी शामिल था। हाथियों का यह झुंड गिरिडीह जिले के पीरटांड़ क्षेत्र से होते हुए धनबाद जिले के पश्चिमी टुंडी प्रखंड में प्रवेश कर गया। देर रात डंडाटांड़ के रास्ते दलुगोड़ा गांव पहुंचते ही हाथियों ने रिहायशी इलाके में आतंक फैला दिया। हाथियों ने दलुगोड़ा गांव निवासी रामलाल मुर्मू के घर को क्षतिग्रस्त कर दिया। उन्होंने घर में रखी धान की फसल खा ली और शेष अनाज को इधर-उधर बिखेर दिया। हाथियों ने दीवार तोड़कर घर के अंदर प्रवेश किया। उस समय घर में रामलाल मुर्मू की पत्नी चंदोली मुर्मू और उनकी तीन बेटियां संजोती कुमारी, सेवान्ती कुमारी और समिता कुमारी सो रही थीं। गनीमत रही कि सभी सुरक्षित बच गए। घटना के समय घर के मुखिया रामलाल मुर्मू रोजगार के सिलसिले में बाहर गए हुए थे। घटना की सूचना मिलते ही मशालचियों की टीम मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद हाथियों के झुंड को गांव से खदेड़ते हुए चीना पहाड़ी की ओर भेजा गया। शुक्रवार सुबह भाजपा टुंडी मंडल अध्यक्ष गोविन्द टुडू पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। उन्होंने वन विभाग एवं प्रशासन से संपर्क कर पीड़ित परिवार को शीघ्र मुआवजा देने की मांग की।

दम घुटने से नानी-नातिन की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू जिले के हुसैनाबाद थाना अंतर्गत फुलडीहा गांव में बोरसी के धुएं से दम घुटने से दो लोगों की मौत हो गई जबकि एक की हालत गंभीर है। तीनों एक ही परिवार के हैं। मृतकों में 70 वर्षीय सुनहरा उर्फ मुरैना देवी और 15 वर्षीय माया कुमारी शामिल है। दोनों रिश्ते में नानी-नातिन हैं। वहीं घटना में मृतका माया कुमारी की 40 वर्षीय मां किरण देवी गंभीर है। उन्हें बेहतर इलाज के लिए मेदिनीनगर रेफर कर दिया गया है। किरण देवी के पति बीएसएफ में हैं। घटना के संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सुनहरा उर्फ मुरैना देवी अपनी बेटी किरण देवी के घर फुलडीहा आई थी। ठंड अधिक होने की वजह घर के एक कमरे में बोरसी जलाकर रात्रि में सभी सो रहे थे। कमरा बंद होने की वजह से कमरे में धुआं भर गया और मां-बेटी और नातिन सोए रह गए। परिजनों और ग्रामीणों ने तीनों को कमरे से निकाला और तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद पहुंचाया जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉ पीएन सिंह ने सुनहरा उर्फ मुरैना देवी और माया कुमारी को मृत घोषित कर दिया जबकि किरण देवी को प्राथमिक उपचार कर मेदिनीनगर रेफर कर दिया है। इधर घटना की सूचना मिलने के बाद हुसैनाबाद पुलिस अनुमंडलीय अस्पताल पहुंची और डॉक्टरों और परिजनों से जानकारी ली। अस्पताल में ग्रामीणों की भीड़ जमा है। घटना को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। वहीं घटना के बाद गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया है। इस संबंध में हुसैनाबाद थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने बताया कि दोनों शवों का पोस्टमार्टम अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया जाएगा। प्रथम दृष्टया मामला बोरसी के धुएं से दम घुटने का ही प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत की असली वजह सामने आएगी।

झारखंड में 42.18 प्रतिशत नल-जल योजना का काम लंबित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल पहुंचाने की कोशिश पर ग्रहण लगा हुआ है। नल जल योजना का हाल बेहाल है। केंद्र और राज्य सरकार के बीच तालमेल के अभाव में योजनाएं अधर में लटक गईं हैं। राज्य सरकार ने इसके लिए सीधे तौर पर केंद्र सरकार को जिम्मेवार ठहराया है। विभागीय मंत्री ने जो डाटा साझा किया है, वो चौंकाने वाले हैं। दावा है कि केंद्रांश नहीं मिलने से योजनाएं प्रभावित हुई हैं। इसकी वजह से जरूरतमंदों तक नल से जल पहुंचाना मुश्किल हो रहा है। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद का दावा है कि केंद्र सरकार की बेरुखी के कारण योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। इसकी वजह से बड़ी संख्या में जरूरतमंदों तक नल से जल पहुंचाना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने बताया कि झारखंड में नल जल की 97,535 योजनाएं संचालित हैं। इनमें से 56,386 योजनाओं का काम पूरा हो चुका है। शेष योजनाएं निर्माणाधीन हैं। इस योजना में केंद्रांश 50 प्रतिशत और राज्यांश 50 प्रतिशत है। केंद्रांश के रूप में 24,665 करोड़ रुपये स्वीकृत हैं। इसकी तुलना में राज्य सरकार ने 6,874 करोड़ रुपये जारी किए हैं लेकिन केंद्र सरकार ने महज 5,987 करोड़ रुपये दिए हैं। विभागीय मंत्री का दावा है कि केंद्र से पिछले वित्तीय वर्ष में 2,114 करोड़ रुपये मिलना था। इसकी तुलना में सिर्फ 70 करोड़ रुपये मिले हैं जबकि वित्तीय वर्ष 2025-26 समाप्त होने जा रहा है। आज भी वर्तमान वर्ष का एक पैसा नहीं मिला है जबकि करीब 6,500 करोड़ आज भी केंद्रांश के रुप में लेना है। इसकी वजह से योजनाएं शुरू नहीं हो पा रही हैं। इसको लेकर राज्य सरकार गंभीर है। विभागीय मंत्री का कहना है कि राज्य सरकार ने पहल कर वित्तीय वर्ष 2024-25 में अपने राज्यांश से 1,231 करोड़ जारी कर योजनाओं को चालू कराने की दिशा में पहल की। इस वित्तीय वर्ष में भी राज्यांश की राशि से योजनाओं को पूर्ण कराने की कोशिश की जा रही है। इधर, काम करने के बावजूद संवेदकों का भुगतान नहीं हो रहा है। वहीं ज्यादातर विधायकों का आरोप है कि योजनाओं में धांधली हुई है। हालांकि विभागीय मंत्री योगेंद्र प्रसाद का दो टूक कहना है कि अगर कहीं कोई गड़बड़ी हुई है तो लिखित शिकायत मिलने पर जांच कर गड़बड़ी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बिहार-झारखण्ड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

आवश्यकता

1. बोकारो जिला मुख्यालय के अलावा प्रत्येक प्रखंड के लिए संवाददाता चाहिए।

2. नवबिहार टाइम्स के बोकारो कार्यालय के लिए उप सम्पादक/कार्यालय संवाददाता की आवश्यकता है। हिन्दी में समाचार लिखने और समाचार की समझ रखने वाले अनुभवी संवाददाता ही सम्पर्क करें। मानदेय-योग्यतानुसार।

3. बोकारो कार्यालय के लिए एक चतुर्थवर्गीय कर्मचारी की आवश्यकता है। बोकारो, चास या आस-पास का ही निवासी होना अनिवार्य है

सम्पर्क करें:-

7295863300/8210783623

'नवबिहार टाइम्स' कार्यालय, 31 कॉपरेटीव कॉलोनी बोकारो (झारखण्ड) मो0- 7004247547/6206165107

E-mai : nbtimesbihar@gmail.com

बढ़ती ठंड व शीतलहरी से बचाव जिला प्रशासन की प्राथमिकता : उपायुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ उपायुक्त के निदेर्शानुसार प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी, बगोदर के द्वारा प्रखंड के बुढ़ाचाच बिरहोर टोला का निरीक्षण किया, जहां निवासरत बिरहोर परिवारों के बीच कंबल वितरित

गिरिडीह। गिरिडीह जिले में कड़कड़ाती ठंड एवं बढ़ती शीतलहरी को देखते हुए जिला उपायुक्त रामनिवास यादव के द्वारा नगर निगम सभी अनुमंडल पदाधिकारी सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि गिरिडीह जिला मुख्यालय, प्रखंड मुख्यालयों, पंचायत भवन परिसरों, ग्रामीण हाट-बाजारों, धार्मिक स्थलों के पास, मजदूर चौकियों तथा बेघर एवं दिहाड़ी मजदूरों व जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण सुनिश्चित कराएं। साथ ही साथ यह भी सुनिश्चित करें कि कंबल वितरण में किसी भी प्रकार की कोई अनियमितता न हो, जरूरतमंद असहाय लोगों को अच्छी क्वालिटी की कंबल उपलब्ध हो।

इसके साथ ही उपायुक्त ने बढ़ते शीतलहर और तापमान में लगातार हो रही गिरावट को देखते हुए जिला प्रशासन ने पूरे जिले में जरूरतमंद लोगों के लिए बड़े पैमाने पर अलाव की व्यवस्था की है। जिला प्रशासन की इस विशेष मुहिम के तहत न केवल शहर के सभी प्रमुख चौक-चौराहों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन परिक्षेत्र एवं रात में खुली जगहों पर सोने वाले लोगों की बस्तियों में अलाव जलाए जा रहे हैं, बल्कि जिले के सभी प्रखंडों में भी व्यापक स्तर पर यह व्यवस्था की गई है प्रखंड मुख्यालयों, पंचायत भवन परिसरों, ग्रामीण हाट-बाजारों, धार्मिक स्थलों के पास, मजदूर चौकियों तथा बेघर एवं दिहाड़ी मजदूरों की अधिक संख्या वाले स्थानों पर नियमित रूप से अलाव जल रहे हैं। उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों एवं प्रखंड विकास पदाधिकारियों को पहले से ही सख्त निर्देश दिया है कि लकड़ी, कोयला की कमी किसी भी हाल में न हो। साथ ही मौसम की स्थिति को देखते हुए जरूरत पड़ने पर तुरंत अतिरिक्त अलाव की व्यवस्था की जाए। ठंड के इस मौसम में किसी भी नागरिक, विशेषकर बेघर, दिहाड़ी मजदूर, रिक्शा-ठेला चालक एवं रात में ड्यूटी करने वाले लोगों को परेशानी न हो, यह जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है वहीं उपायुक्त रामनिवास यादव के निदेर्शानुसार आज प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी, बगोदर के द्वारा प्रखंड के बुढ़ाचाच बिरहोर टोला का निरीक्षण किया, जहां निवासरत बिरहोर परिवारों के बीच कंबल वितरित किया गया। ताकि ठंड के प्रकोप से बिरहोर परिवारों को राहत मिल सकें।

बरही में बढ़ती ठंड को देखते हुए मुखिया शमशेर आलम ने की अलाव की व्यवस्था

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही। कड़ाके की ठंड को देखते हुए मुखिया शमशेर आलम ने अपने निजी खर्च से आमजन की सुविधा हेतु विभिन्न चौक-चौराहों पर अलाव की व्यवस्था कराई। ताकि ठंड के कारण लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। मुखिया ने शांति नगर मोड़ के पास, भामाशाह करू चाय दुकान, गया रोड स्थित प्रकाश चाय दुकान, मल्हा टोली मोड़, आरा मिल के पास, महाराज सु हॉर्स के समीप, मछली मंडी, हजारीबाग रोड स्थित पानी टंकी के पास, प्रहलाद कांच जांच घर के पास एवं वारिधि मोड़ सहित कई स्थानों पर अलाव जलवाया गया। इस पहल से राहगीरों, मजदूरों, दुकानदारों और जरूरतमंद लोगों को ठंड से काफी राहत मिली। स्थानीय लोगों ने मुखिया की इस मानवीय पहल की सराहना की। इस दौरान टिकू आलम, समाजसेवी कैलाशपति सिंह, आदित्य राणा, पंकज पासवान, कौशिक पासवान, राकेश कुमार सिंह सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

कोर्रा थाना पुलिस को बड़ी सफलता : डकैती की साजिश में शामिल दो और अभियुक्त गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। कोर्रा थाना क्षेत्र में डकैती जैसी जघन्य घटना को अंजाम देने की साजिश रच रहे अपराधियों के विरुद्ध पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। गुप्त सूचना के आधार पर 18 अक्टूबर 2025 को कनहरी हिल फॉरेस्ट एरिया के आसपास योजना बना रहे अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया था, जबकि कुछ अभियुक्त मौके से फरार हो गए थे।

इस संबंध में कोर्रा थाना कांड संख्या-185/2025 (दिनांक 18/10/2025) अंतर्गत धारा 310(4) बीएनएस एवं 25(1-इ) ˙/26/35 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार सघन छापेमारी अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में 18 दिसंबर 2025 को इस कांड में शामिल दो अन्य अभियुक्तों—अंकित कुमार (उम्र 23 वर्ष, पिता अशोक कुमार) एवं विक्की कुमार (उम्र 18 वर्ष, पिता महेन्द्र प्रसाद), दोनों निवासी कोरियाडीह, थाना बरही, जिला हजारीबाग—को विधिवत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार दोनों अभियुक्तों ने अपने स्वीकारोक्ति बयान में अपराध में संलिप्तता स्वीकार की है।गिरफ्तार अभियुक्तों की निशानदेही पर अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा लगातार सघन छापेमारी की जा रही है।

बरामद सामान

पुलिस ने अभियुक्तों के पास से एक पांच कड़ी सोने जैसी सिकड़ी का टुकड़ा एवं हुक (वजन लगभग 9.50 ग्राम) के अलावा सैमसंग एस-23 अल्ट्रा, रेडमी, ओप्पो, वनप्लस नॉर्ड एवं आईक्यू कंपनी के स्मार्टफोन बरामद कर जब्त किए हैं।

छापेमारी दल

इस कार्रवाई में कोर्रा थाना प्रभारी पु.अ.नि. अजीत कुमार, पु.अ.नि. बिड्डु रजक एवं कोर्रा थाना पुलिस रिजर्व गार्ड शामिल थे।

बरकट्ठा थाना में तैनात एएसआई जूलियस मरांडी की ठंड से मौत

बरकट्ठा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बरकट्ठा थाना परिसर में शुक्रवार को एक दुखद घटना सामने आई, जहां एएसआई जूलियस मरांडी (45 वर्ष) की ठंड लगने से मौत हो गई। जूलियस मरांडी वर्तमान में सीसीआर हजारीबाग में पदस्थापित थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वह गुरुवार को बरकट्ठा थाना में लंबित कांडों का प्रभार सौंपने के लिए आए थे। रात में थाना परिसर में भोजन करने के बाद वह सोने चले गए। शुक्रवार सुबह जब वे नहीं उठे तो सहकर्मियों को संदेह हुआ। जांच करने पर उनकी मौत की पुष्टि हुई। इसके बाद उन्हें तत्काल बरकट्ठा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सक डॉ. कार्तिक उरांव ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

झारखंड विस की सभापति दशरथ गागराई की अध्यक्षता में योजनाओं की समीक्षा बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड विधानसभा की आवास समिति के सभापति श्री दशरथ गागराई की अध्यक्षता में परिसदन भवन में विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के साथ सरकारी भवनों एवं आवासों की वर्तमान स्थिति तथा निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

समीक्षा के दौरान भवन निर्माण विभाग, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता, जल संसाधन, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, ग्रामीण कार्य विभाग, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता, वाणिज्यकर, उत्पाद एवं मद्य निषेध, परिवहन, खान एवं भूतत्व, पथ प्रमंडल, आपूर्ति शाखा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, नियोजन विभाग एवं जिला ग्रामीण विकास शाखा सहित अन्य विभागों के अंतर्गत पूर्व में निर्मित सरकारी भवनों व आवासों की स्थिति पर चर्चा की गई। बैठक में भवनों एवं आवासों की मरम्मति व नवनिर्माण की आवश्यकता, संबंधित विभागों के साथ पत्राचार की स्थिति, निर्माण कार्यों में अग्नि सुरक्षा एवं तड़ित चालक जैसे सुरक्षा मानकों के अनुपालन, पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था, सौर ऊर्जा आधारित विद्युत सुविधा, शौचालय एवं स्वच्छता व्यवस्था सहित अन्य बिंदुओं पर जानकारी ली गई। सभापति ने सभी विभागों को योजनाओं के समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के निर्देश दिए। बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, निदेशक डीआरडीए, सभी अनुमंडल पदाधिकारी गिरिडीह जिला, सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

'गुड गवर्नेंस वीक शुरू : प्रशासन गांव की ओर' अभियान, 25 तक लगेंगे शिविर

■ उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों और अंचल अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए कार्यक्रम का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव के द्वारा जानकारी दी गई कि आज से गुड गवर्नेंस वीक- प्रशासन गांव की ओर" अभियान की शुरूआत हुई, जो कि आगामी 25 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान जिला मुख्यालय समेत सभी प्रखंडों में शिविर आयोजित किया जाएंगे।

"प्रशासन गांव की ओर" अभियान का मुख्य उद्देश्य जन कल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना और उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करना, ग्रामीण क्षेत्रों में जन शिकायतों का प्रभावी समाधान करना, प्रशासन के करीब लाकर जमीनी स्तर पर पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित करना तथा सुशासन को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि प्रखंड और पंचायत स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन कर आम जनता की शिकायतों एवं आवेदनों का ऑन-स्पॉट समाधान किया जाएगा। अभियान की दैनिक प्रगति की जानकारी संबंधित पोर्टल पर नियमित रूप से अपलोड की जाएगी। उन्होंने बताया कि पोर्टल पर अपलोड की जाने वाली जानकारी में मुख्य रूप से विशेष शिविरों में प्राप्त और निपटाई गई जन शिकायतों की संख्या, सीपीग्राम्स व राज्य पोर्टलों पर निपटाई गई शिकायतों का विवरण, ऑनलाइन सेवा वितरण के लिए जोड़ी गई सेवाओं की संख्या, निपटाए गए आवेदनों की संख्या, सुशासन प्रथाओं का संकलन, प्रचार-प्रसार और शिविरों के फोटोग्राफ, जन शिकायतों के समाधान से जुड़ी सफलता की कहानियां और आयोजित जागरूकता प्रचार कार्यशालाओं का विवरण अपलोड किया जायेगा। उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों और अंचल अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए कार्यक्रम का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

बिरहोर छात्राओं में 58 कंबलों का किया गया वितरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। बगोदर प्रखंड के अलगडीहा पंचायत के बालक में आदिम जनजातीय आवासीय बालिका प्राथमिक विद्यालय में बिरहोर छात्राओं को 58 कंबल का वितरण किया गया है। बगोदर- सरिया अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी बगोदर उप प्रमुख के द्वारा किया गया।

एचजेडबी आरोग्यम अस्पताल में निःशुल्क मेगा ब्रेन, स्पाइन व नस रोग जांच शिविर का आयोजन

नवीन सिन्हा

हजारीबाग। एचजेडबी आरोग्यम अस्पताल की ओर से आमजन को उन्नत एवं विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निःशुल्क मेगा ब्रेन, स्पाइन एवं नस रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श एवं समय पर जांच सुविधा पहुंचाना रहा।

अस्पताल प्रबंधन की ओर से जानकारी देते हुए हर्ष अजमेरा ने कहा कि समाज के हर वर्ग तक विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवा पहुंचाना हमारा संकल्प है। ऐसे निःशुल्क शिविरों के माध्यम से गंभीर ब्रेन, स्पाइन एवं नस संबंधी रोगों की समय रहते पहचान संभव हो पाती है, जिससे मरीजों को समय पर उचित इलाज मिल सके। वहीं जया सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता ही बेहतर जीवन की कुंजी है। यह शिविर आमजन को विशेषज्ञ परामर्श उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जिससे लोग अपनी स्वास्थ्य समस्याओं को गंभीर होने से पहले समझ सकें।

शिविर के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा ब्रेन, स्पाइन एवं न्यूरोलॉजिकल समस्याओं से पीड़ित मरीजों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने शिविर का लाभ उठाया और अस्पताल प्रबंधन के इस जनहितकारी प्रयास की सराहना की।

निर्मल जैन ने 99वीं बार रक्तदान कर रक्तदान शिविर का किया उद्घाटन

नवीन सिन्हा

हजारीबाग। थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों एवं रक्त की कमी से जूझ रहे जरूरतमंद मरीजों के लिए वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन की ओर से 19 दिसंबर को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक डॉ. अनुकरण पूर्ति एवं एसोसिएशन के अध्यक्ष, प्रसिद्ध 'ब्लड मैन' निर्मल जैन ने संयुक्त रूप से किया।

शिविर का शुभारंभ निर्मल जैन द्वारा 99वीं बार संपूर्ण रक्तदान कर किया गया। इसके पश्चात नियमित रक्तदाता अशोक मलिक (पिता), आस्था मलिक (पुत्री), सनोज महतो, रवि रंजन वर्मा, दशरथ कुमार, कुंदन राणा, ऋतिक, कृष्ण अग्रवाल, मोहम्मद साहिल, अनिल कुमार, बिट्टू खान, आयुष दास, नितेश यादव, निलेश जैन सहित अनेक रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मानवता का परिचय दिया।

रक्तदान के उपरांत निर्मल जैन ने सभी रक्तदाताओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके इस नेक कार्य के लिए हृदय से साधुवाद दिया। मुख्य अतिथि डॉ. अनुकरण पूर्ति ने निर्मल जैन के निस्वार्थ भाव से किए जा रहे निरंतर रक्तदान की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए उन्हें बुके भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर स्थानीय सांसद मनीष जायसवाल, विधायक प्रदीप प्रसाद, सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार, ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. नीरज कुमार, डॉ. प्रणित सहाय एवं एसोसिएशन के उपाध्यक्ष डॉ. एम.के. सिंह ने भी निर्मल जैन को उनके अद्वितीय योगदान के लिए बधाई दी।

एसोसिएशन के महासचिव विनीत छाबड़ा, कोषाध्यक्ष विनीता अग्रवाल, संयुक्त महासचिव पुष्कर पुष्प, कार्यालय सचिव संकेत चौधरी, गौरव यादव एवं राजेश सेठी ने कहा कि हमें ऐसे अध्यक्ष पर गर्व है, जो स्वयं रक्तदान कर समाज को प्रेरणा देते हैं। थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के प्रति उनका समर्पण और स्नेह अनुकरणीय है। बीते 45 वर्षों से वे निस्वार्थ भाव से रक्तदान के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं और हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

वहीं निर्मल जैन ने कहा कि सभी के प्रेम, आशीर्वाद एवं सहयोग से ही वे इस मुकाम तक पहुंचे हैं और भविष्य में भी इसी प्रकार का सहयोग और स्नेह मिलता रहे, यही उनकी कामना है।

16 जनवरी को बेंगाबाद में जन संघर्ष संकल्प दिवस मनाएग फॉरवर्ड ब्लॉक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बड़कीटांड़ से शुरू किया गया जनसंपर्क सह धान संग्रह अभियान

गिरिडीह। ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक आगामी 16 जनवरी को शहीद कॉमरेड महेंद्र सिंह के संघर्ष की विरासत को आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ 'जन संघर्ष संकल्प दिवस' मनाते हुए संगठन का पहला प्रखंड सम्मेलन आयोजित करेगी।

इसकी तैयारी को लेकर आज बेंगाबाद प्रखंड के बड़कीटांड़ गांव से जनसंपर्क सह धान संग्रह अभियान शुरू किया गया। मौके पर बड़कीटांड़ के ग्रामीणों के साथ एक मीटिंग कर उनके साथ मौजूद समस्याओं सहित केंद्र एवं राज्य सरकार की जन विरोधी नीतियों पर भी चर्चा की गई। मौके पर उपस्थित किसानों ने अपने विभिन्न सवालों को रखा और खुलकर उसपर चर्चा की। पंचायत में धान खरीदी केंद्र नहीं होने के कारण वे बिचौलियों के हाथों धान बेचने को मजबूर हुए। पंचायत क्षेत्र में कोई अस्पताल नहीं है। सरकारी स्कूलों की हालत भी बदतर है। राशन वितरण की प्रणाली दुरुस्त नहीं, लोगों को दूर-दराज से राशन लाना पड़ता है। प्रखंड, अंचल और थाना की मनमानी से लोग परेशान हैं लोगों की बातों को सुनकर पूर्व जिप सदस्य एवं फॉरवर्ड ब्लॉक के जिला संयोजक राजेश यादव ने कहा कि, किसान मजदूरों सहित तमाम जनता को अपने सवालों पर संगठन बनाकर संघर्ष शुरू करना ही वक्त की मांग है। उन्होंने लोगों से पार्टी के जनसंघर्ष की मुहिम का साथ देने की अपील की। कहा कि, प्रखंड के सभी पंचायतों में यह अभियान चलेगा मौके पर पार्टी नेता शिवनंदन यादव, शंभू ठाकुर, शंभू तुरी सहित स्थानीय दरबारी महतो, बाजो महतो, प्रभाकर यादव मुकेश यादव, रामेश्वर यादव, सोनू यादव, मुकेश यादव, सहदेव यादव, किशुन यादव, मुंशी महतो, शंभू यादव, रंजू यादव, लाली यादव, पंकज यादव एवं अन्य मौजूद थे।

हजारीबाग के विस्थापितों को न्याय दिलाने के लिए सांसद ने केंद्रीय मंत्री नाईक से की मुलाकात

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

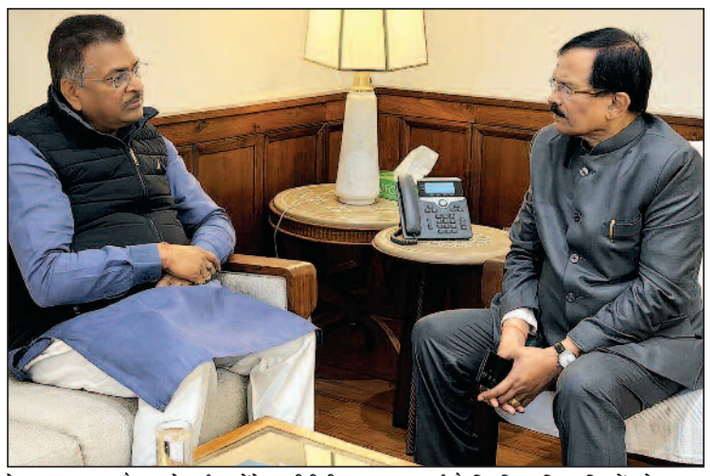

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के विस्थापित परिवारों के अधिकारों और न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल का निरंतर प्रयास जारी हैं। इसी कड़ी में उन्होंने संसद सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद नाईक से मुलाकात की और हजारीबाग ज़िले में एनटीपीसी द्वारा संचालित कोयला खनन परियोजनाओं से प्रभावित विस्थापित परिवारों की ज्वलंत समस्याओं पर विस्तार से उनसे चर्चा की।

सांसद मनीष जायसवाल ने केंद्रीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद नाईक से आग्रह किया कि इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर त्वरित और प्रभावी निर्णय सुनिश्चित करने के लिए संबंधित सभी विभागों की एक संयुक्त बैठक शीघ्र आयोजित की जाए। यह पहला अवसर नहीं है जब सांसद मनीष जायसवाल ने विस्थापितों के मुद्दों को केंद्रीय मंत्री के समक्ष उठाया है। इससे पूर्व उन्होंने एनटीपीसी के चेयरमैन से व्यक्तिगत मुलाकात की थी और साथ ह केंद्रीय ऊर्जा मंत्री शमनोहर लाल खट्टर के समक्ष भी इन विषयों को प्रमुखता से रखा था। यह दशार्ता है कि विस्थापित परिवारों को उनका अधिकार दिलाने के लिए उनका हर संभव उच्च स्तरीय प्रयास जारी है। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि वह हर स्तर पर विस्थापित परिवारों के अधिकारों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री श्रीपद नाईक के समक्ष विस्थापित परिवारों से संबंधित भूमि अधिग्रहण मुआवजा राशि को 24 लाख रुपए प्रति एकड़ से बढ़ाकर 40 लाख रुपए प्रति एकड़ किए जाने , पुनर्वास लाभ के लिए लगाई गई कट-ऑफ डेट की शर्त समाप्त किए जाने और लाभार्थियों का निर्धारण वास्तविक भूमि अधिग्रहण तिथि के आधार पर कराने, 18 वर्ष से अधिक आयु के पात्र सदस्यों की पुनर्वास राशि को 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 15 लाख रुपए किए जाने, भूमि रिकॉर्ड में दर्ज उन प्रभावितों को भी पूरा मुआवजा और पुनर्वास लाभ देने, क्षेत्र के किसानों की उपजाऊ जमीनों को अधिग्रहण न करने सहित अन्य मांगों को उनके समक्ष रखा। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि विकास के नाम पर किसी भी परिवार के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। विस्थापित परिवारों को उनका पूरा हक, सम्मान और न्याय दिलाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

अशफाकउल्ला खान का शहादत दिवस मनाया गया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। अशफाकउल्ला खान की शहादत दिवस मनाया गया जिसमें मुख्य रूप से एसडीपीओ जितवाहन उरांव मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे और उनके जीवनी के बारे में प्रकाश डाला जिन्होंने भारत के लिए अपनी जान तक निछावर कर दिया हिंदू मुस्लिम की एकता के प्रतीक वह हमेशा रहते थे।

22 अक्टूबर 1900 मैं उनकी पैदाइश हुई थी और 19 दिसंबर 1927 को वह शहीद हो गए इन्हीं सब विचारों के साथ आज उनकी याद में उनकी पुण्यतिथि मनाई गई यानी यौमे शहादत दिवस के रूप में मनाया गया मुख्य आयोजन करता हमारे अभिभावक वह कांग्रेस अल्पसंख्यक के प्रदेश सचिव साबिर अहमद खान उन्होंने भी अपनी वक्ता में उनके जीवनी पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा अशफाकउल्ला खान काकोरी कांड में मुख्य भूमिका में था जब क्रांतिकारियों का पास पैसा नहीं था हथियार खरीदने के लिए उन्होंने अंग्रेजों के चलते हुए ट्रेन को लूटा और हथियार को अपने कब्जे में ले लिया क्योंकि उसे समय हमारे क्रांतिकारी लोगों के पास पैसे की कमी और हथियार नहीं थी राम प्रसाद बिस्मिल के साथ मिलकर यह घटना को अंजाम दिया फिर उन्होंने नेपाल चले गए नेपाल से जब वह दिल्ली लौटे तब एक मुखबिर की मदद से अंग्रेजों ने उन्हें पकड़ लिया और उन्हें फैजाबाद की जेल में डाल दिया 19 दिसंबर 1927 को उन्हें फांसी पर चढ़ा दिया इस तरह अशफाकउल्ला खान और रामप्रसाद बिस्मिल अमर हो गए उसी को याद में 19 दिसंबर को शहादत दिवस के रूप में मनाया जाता है मुख्य अतिथि के रूप में एसडीपीओ सर व अन्य लोग मौजूद रहे इसमें मुख्य रूप से इरफान अली, गुलाम मुस्तफा टार्जन, अमीन अकेला कल्लू खान, सिकंदर अंसारी मोहम्मद शमशेर तैयब हुसैन इत्यादि मौजूद रहे।

रोजगार मेला में ऑफर लेटर पाकर खिले बेरोजगारों के चेहरे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखंड सरकार के निर्देश के आलोक में जिला नियोजनालय-सह-मॉडल कैरियर सेंटर, खूँटी द्वारा कचहरी मैदान, खूँटी में एक दिवसीय दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया, उप विकास आयुक्त आलोक कुमार, अपर समाहर्ता परमेश्वर मुंडा, जिला नियोजन पदाधिकारी आनंद कुमार तथा सहायक निदेशक, नेशनल कैरियर सर्विस ऑफ इंडिया, रांची के योगेश पारिक सहित अन्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।

रोजगार मेले में विभिन्न नियोजक कंपनियों द्वारा लगाए गए स्टॉल का उक्त अतिथियों द्वारा निरीक्षण किया गया। साथ हीं मौके पर कई बेरोजगार युवक-युवतियों का चयन कर उन्हें मंच पर आमंत्रित कर ऑफर लेटर प्रदान किया गया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा रोजगार मेले में आए युवक-युवतियों को संबोधित किया गया। जिला परिषद

28 नियोजक कंपनियां हुईं थी शामिल
युवक-युवतियों को मिला ऑफर लेटर

अध्यक्ष मसीह गुड़िया ने कहा कि रोजगार मेला क्षेत्र के बेरोजगार ग्रामीण युवक-युवतियों के लिए रोजगार प्राप्त करने का एक सशक्त मंच एवं सुनहरा अवसर प्रदान करता है।

उप विकास आयुक्त ने कहा कि कई बार योग्यता के बावजूद हुनर के अनुसार रोजगार नहीं मिल पाता है। इस प्रकार के आयोजनों से बेरोजगारों को उनकी योग्यता एवं कौशल के अनुरूप विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने का अवसर मिलता है। उन्होंने युवाओं से स्वरोजगार अपनाने की अपील करते हुए सरकार द्वारा संचालित विभिन्न रोजगारपरक योजनाओं की जानकारी दी।जिला नियोजन पदाधिकारी आनंद कुमार ने अपने स्वागत संबोधन में नियोजनालय के माध्यम से बेरोजगारों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने रोजगार मेले एवं भर्ती कैंपों के माध्यम से युवाओं को उपलब्ध रोजगार के अवसरों पर प्रकाश डालते हुए झारखंड नियोजन पोर्टल पर पंजीकरण की प्रक्रिया एवं नियोजनालय में निःशुल्क उपलब्ध सेवाओं से अभ्यर्थियों को अवगत कराया।

मेले में उपस्थित अतिथियों द्वारा विभिन्न कंपनियों के स्टॉल का निरीक्षण किया गया तथा उपलब्ध रिक्तियों, सेवा शर्तों एवं चयन प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की गई। चयनित अभ्यर्थियों के बीच जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया, उप विकास आयुक्त आलेक कुमार, अपर समाहर्ता परमेश्वर मुंडा सहित अन्य अतिथियों द्वारा नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। मेले में कुल 28 नियोजक कंपनियों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे। इनमें उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक खूंटी, रानी हेल्थ केयर खूंटी, नमरा फाइनेंस लिमिटेड रांची, सर इंडिया लिमिटेड जमशेदपुर, निम्सन हर्बल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड अयोध्या, क्वांटम

निट्स प्राइवेट लिमिटेड कोयंबटूर, डब्लूसीएसएफ चैरिटी स्पिरिट फाउंडेशन चतरा, इ’ल्ल’३ प्राइवेट लिमिटेड, देव ऑटोमोबाइल खूंटी, राज ऑटोमोबाइल खूंटी, छ&ळ कंस्ट्रक्शन (कंस्ट्रक्शन स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट), गुडविल इंडिया मैनेजमेंट ग्रुप ऑफ कंपनी नई दिल्ली, सिपेट रांची, प्रेझा फाउंडेशन रांची, ट/र रांची सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड, कवेस कॉर्प वेस्ट बेंगाल, एयरटेल पेमेंट बैंक रांची, प्रगति फिनसर्व हैदराबाद, मोहन मेडिकल खूँटी, अङ इंडस्ट्रीज नोएडा, रोहित सिक्योरिटी एंड सर्विसेज रांची, रत्क्ष्र हॉस्पिटल अनिगड़ा खूँटी, निर्मल मार्ट खूंटी, मारुति मोड मोबाइल खूँटी, नेशनल करियर सर्विस फॉर एसटी/एससी गवर्नमेंट ऑफ इंडिया रांची एवं नेशनल करियर सर्विस फॉर डिफरेंटली एबल्ड रांची गवर्नमेंट ऑफ इंडिया समेत अन्य शामिल है। 800 से अधिक युवक युवतियों ने रोजगार मेला में भाग लिया, जिनमें 149 को शॉर्टलिस्ट किया गया।

अवैध वसूली के आरोप में छह पुलिसकर्मी निलंबित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। एसडीपीओ डीएन आजाद ने बीते बुधवार की रात नगर थाना क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गश्ती दल द्वारा लापरवाही बरतने का मामला सामने आया। साथ ही औचक निरीक्षण में शीतला मंदिर टीओपी में पुलिसकर्मियों को सोते हुए पाया। एसडीपीओ ने संबंधित पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखा।

पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गुरुवार की रात नगर थाना के एएसआइ विपिन कुमार, शीतला मंदिर टीओपी प्रभारी मुद्रिका प्रसाद, गश्ती दल में शामिल हवलदार सुखदेव मंडल, आरक्षी मो. निसार अहमद, तारणी महतो तथा शीतला मंदिर टीओपी में पदस्थापित हवलदार वीर बहादुर साह को निलंबित कर दिया है।

एसडीपीओ ने बताया कि गश्ती दल की जांच के लिए शहरी क्षेत्र में निकले थे। इस दौरान देखा कि रात्रि गश्ती दल बाइपास ओवरब्रिज के निकट इकट्ठा होकर आग ताप रहे थे। साथ ही वाहनों से अवैध वसूली भी कर रहे थे। चेतावनी देने के बाद आगे निकल गए। वापस लौटने के क्रम में देखा कि पुनः गश्ती दल में शामिल पुलिसकर्मी आग ताप रहा है और वाहनों से अवैध वसूली भी की जा रही है। इसके बाद एसडीपीओ

गश्ती के दौरान कर रहे थे वसूली

शीतला मंदिर टीओपी पहुंचे। यहां आवाज लगाने के बाद भी पुलिसकर्मियों की नींद नहीं खुली। टीओपी प्रभारी मुद्रिका प्रसाद तथा हवलदार वीर बहादुर साह सो रहे थे। सोते हुए दोनों पकड़े गए।

एसडीपीओ ने गश्ती दल द्वारा लापरवाही बरतने और शीतला मंदिर में कर्तव्य के दौरान लापरवाही बरतने का रिपोर्ट पुलिस अधीक्षक को सौंप दिया। इसके बाद एसपी ने संबंधित सभी पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है।

शहर में चोरी की घटना बढ़ी है। चोरी रोकने और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस अधीक्षक काफी गंभीर है। चोरी की घटना पर अंकुश लगाने के लिए एसडीपीओ, पुलिस निरीक्षकों के अलावा कार्यालयों में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारियों को भी रात्रि ड्यूटी में लगाया है। इस स्थिति में गश्ती दल द्वारा लापरवाही बरतना गंभीर मामला है।

शहर में चर्चा है कि गश्ती में निकलने वाले पुलिस पदाधिकारी और कर्मी सुरक्षा पर कम और अवैध वसूली पर अधिक ध्यान देते हैं। शहरवासियों का कहना है कि अगर पुलिसकर्मी ईमानदारीपूर्वक शहरी क्षेत्र में गश्ती करते तो शायद इतनी चोरियां नहीं होती।

रिम्स परिसर में चला बुलडोजर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। रिम्स डीआईजी ग्राउंड क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने का अभियान गुरुवार को भी जारी रहा। प्रशासन ने सख्ती बरतते हुए अवैध पक्के मकानों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें तोड़ा।कार्रवाई के दौरान प्रभावित परिवारों की ओर से विरोध भी किया गया, लेकिन दंडाधिकारी की मौजूदगी में पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद रहा और अभियान निर्बाध रूप से चलता रहा।

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, कुछ बड़े और मजबूत निर्माण अभी पूरी तरह नहीं गिराए जा सके हैं। ऐसे निमार्णों को हटाने के लिए भवन निर्माण विभाग की तकनीकी मदद ली जा सकती है। वहीं, आनंदम अपार्टमेंट को मजदूरों की सहायता से चरणबद्ध तरीके से तोड़ा जा रहा है।

गौरतलब है कि पिछले एक सप्ताह से रिम्स के नार्थ और साउथ क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई लगातार चल रही है। पुरानी इमरजेंसी वार्ड के पास बनाए जा रहे बाउंड्री वाल का कार्य अब लगभग पूरा हो चुका है। इस स्थान पर भी शुरूआत में कड़ा विरोध देखने को मिला था, लेकिन प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए निर्माण कार्य को आगे बढ़ाया।

अतिक्रमण की पुनरावृत्ति रोकने के लिए डीआईजी ग्राउंड के चारों ओर बाउंड्री वाल निर्माण की दिशा में कदम उठाया गया है। इसके लिए नींव खोदने का कार्य शुरू कर दिया गया है। प्रशासन का कहना है कि निर्धारित सरकारी भूमि पर किसी भी तरह का अवैध निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी अभियान जारी रहेगा।

प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अतिक्रमण करने वालों में बैचेनी दिख रही है।

अब ओएमआर शीट पर होगी 9वीं और 11वीं की परीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक) ने राज्य के लाखों छात्र-छात्राओं के लिए कक्षा 9वीं व 11वीं से जुड़ा बड़ा और महत्वपूर्ण फैसला लिया है।

जैक ने सत्र 2025-27 के लिए कक्षा 11 में अध्ययनरत नियमित एवं स्वतंत्र विद्यार्थियों के पंजीयन और परीक्षा आवेदन की प्रक्रिया शुरू करने की अधिसूचना जारी कर दी है।

यह पंजीयन वर्ष 2026 में आयोजित कक्षा व 11वीं की परीक्षा और वर्ष 2027 की इंटरमीडिएट परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगा। साथ ही कक्षा नौंवी और 11वीं की परीक्षा ओएमआर शीट के माध्यम से आयोजित की जाएगी और सभी प्रश्न बहुविकल्पीय प्रकृति के होंगे।

इससे परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता आएगी और मूल्यांकन प्रक्रिया अधिक सरल होगी। जैक का मानना है कि इस व्यवस्था से विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी मदद मिलेगी।

परिषद की ओर से जारी पत्र के अनुसार ऑनलाइन पंजीयन आवेदन बिना विलंब शुल्क के 18 दिसंबर से 2 जनवरी 2026 तक भरे जा सकेंगे। इस अवधि में

जैक ने लिया कड़ा निर्णय

चालान 2 जनवरी तक जनरेट किया जा सकेगा, जबकि ऑनलाइन माध्यम से शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 5 जनवरी निर्धारित की गई है।

वहीं, विलंब शुल्क के साथ पंजीयन की सुविधा 3 जनवरी से 9 जनवरी तक उपलब्ध रहेगी और इस श्रेणी में शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 12 जनवरी तय की गई है।

जैक ने स्पष्ट किया है कि 2 जनवरी के बाद जनरेट होने वाले सभी चालान विलंब शुल्क के साथ ही मान्य होंगे। निर्धारित तिथि के बाद पंजीयन फार्म भरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अलावा आठवीं बोर्ड परीक्षा 2026 के लिए आवेदन पत्र भरने की 12 दिसंबर से 16 जनवरी तक रखी गई है।

जिन छात्र-छात्राओं का पंजीयन काल अधिकतम तीन वर्ष की अवधि पूरी कर चुका है, अर्थात जिनका पंजीयन वर्ष 2021 (सत्र 2021-23) या उससे पहले का है, उन्हें नए सिरे से फ्रेश रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा। ऐसे विद्यार्थी कक्षा 11 की परीक्षा 2026 में उत्तीर्ण करने के बाद ही इंटरमीडिएट परीक्षा 2027 में शामिल होने के पात्र होंगे।

परिषद ने यह भी स्पष्ट किया है कि विद्यार्थियों को उसी विषय में पंजीयन की अनुमति दी जाएगी, जिस विषय के शिक्षक संबंधित 2 विद्यालय या इंटर कॉलेज में नियुक्त हों या जहां उस विषय का पठन-पाठन कराया जा रहा हो।

पंजीयन एवं परीक्षा आवेदन में किसी भी प्रकार की त्रुटि की पूरी जिम्मेदारी संबंधित विद्यालय या महाविद्यालय के प्राचार्य एवं नोडल पदाधिकारी की होगी।

अंजलि ने बढ़ाया क्षेत्र का मान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा (सारण)। सारण जिले के एकमा प्रखंड के परसागढ़ गांव की बेटी अंजलि कुमारी ने बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड में चयनित होकर परिवार, गांव के साथ-साथ क्षेत्र का नाम रोशन कर मान-सम्मान बढ़ाया है। अंजलि ने प्रथम प्रयास में ही पत्राचार लिपिक पद की परीक्षा उत्तीर्ण करते हुए बालिकाओं के बैच में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।अंजलि कुमारी, परसागढ़ बाजार निवासी रामजी प्रसाद कुशवाहा की नतिनी व ज्ञान प्रकाश कुशवाहा की पुत्री हैं। उनकी इस सफलता से गांव में खुशी का माहौल है। परिजनों सहित ग्रामीण उन्हें बधाईयां दे रहे हैं। बताया गया है कि अंजलि के पिता ज्ञान प्रकाश कुशवाहा, परसागढ़ बाजार में फोटो स्टूडियो की दुकान संचालित करते हैं।पटना स्थित विद्युत भवन में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व उपमुख्यमंत्री क्रमशः विजय कुमार सिन्हा व सम्राट चौधरी द्वारा संयुक्त रूप से अंजलि कुमारी को ज्वाइनिंग लेटर प्रदान किया गया।

अपनी सफलता का श्रेय देते हुए अंजलि ने कहा कि उन्होंने घर पर रहकर नियमित अध्ययन किया। इस दौरान माता-पिता के सहयोग व मार्गदर्शन से यह मुकाम हासिल कर सकीं।

ठगी का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवगछिया। नवगछिया थाना क्षेत्र में जमीन के नाम पर लाखों रुपये की ठगी, रजिस्ट्री से इंकार और बाद में अपहरण का झूठा मामला दर्ज कराने का गंभीर आरोप सामने आया है।

डोरिया, खारीक निवासी अमित कुमार साह (पिताझ्र भूसी साह) ने मुख्यमंत्री, आयुक्त (कमिश्नर), जिला पदाधिकारी भागलपुर, एसपी भागलपुर, नवगछिया एसडीपीओ व नवगछिया थाना को लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है

पीड़ित के अनुसार 11 अगस्त 2023 को उन्होंने कोडचक्का, नवगछिया निवासी सरकारी शिक्षिका विभा सिंह (पतिझ्र विमलेंदु बिमल) से मोजा तेतरी-39 स्थित 22.89 डिसमिल जमीन 32.55 लाख रुपये में खरीदने का एग्रीमेंट किया था। अग्रिम के रूप में 5.11 लाख रुपये दिए गए।

तय समय पर शेष राशि लेकर रजिस्ट्री कराने पहुंचे तो जमीन का रेट बढ़ने की बात कहकर रजिस्ट्री से इंकार कर दिया गया।शिकायत पर हुई पुलिस जांच के दौरान आपसी सहमति बनी कि पहले राशि जमा करने के बाद रजिस्ट्री होगी।

कृषि विश्वविद्यालयों के लिए नहीं मिले योग्य शिक्षक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची के अंतर्गत संचालित कृषि महाविद्यालयों में सह प्राध्यापक सह वरीय वैज्ञानिक के बैकलॉग पदों पर नियुक्ति के लिए योग्य अभ्यर्थी नहीं मिले।

इस कारण झारखंड लोक सेवा आयोग ने लगभग ढाई वर्ष बाद इस नियुक्ति प्रक्रिया को रद कर दिया। एसटी के लिए आरक्षित छह पदों पर नियुक्ति के लिए मई 2003 में ही विज्ञापन जारी कर आवेदन मंगाए गए थे।

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत जिन कृषि महाविद्यालयों में नियुक्ति होनी थी, उनमें कृषि महाविद्यालय, गढ़वा, तिलका मांझी कृषि महाविद्यालय, गोड्डा तथा रबींद्रनाथ टैगोर कृषि महाविद्यालय, देवघर सम्मिलित हैं।

इन कृषि महाविद्यालयों में छह विभागों प्लांट ब्रीडिंग एंड जेनेटिक्स, प्लांट पैथोलॉजी, एंटेमोलॉजी, एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग, एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स तथा एग्रोनॉमी में एक-एक पदों पर नियुक्ति होनी थी। इनमें एग्रोनॉमी विभाग के लिए एक अभ्यर्थी ने आवेदन किया था, जो योग्य नहीं पाया गया।

इधर, झारखंड लोक सेवा आयोग ने सहायक लोक अभियोजक (एपीपी) नियुक्ति प्रारंभिक परीक्षा का माडल उत्तर प्रकाशित कर दिया है। आयोग ने इसपर अभ्यर्थियों से 24 दिसंबर तक आपत्तियां मांगी हैं।

यह प्रारंभिक परीक्षा 13 दिसंबर को रांची जिले के विभिन्न केंद्रों पर आयोजित की गई थी। इसकी नियमित नियुक्ति की प्रारंभिक परीक्षा 20 दिसंबर को होनी है। इसके लिए भी रांची में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

चुनाव शांतिपूर्ण कराने को ले एकमा थाना के पुलिसकर्मी हुए सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा (सारण)। बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान सारण जिले के एकमा विधानसभा क्षेत्र में भयमुक्त एवं शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने में एकमा थाना के पुलिस कर्मियों की भूमिका सराहनीय रही है। चुनाव अवधि में बेहतर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सारण के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष ने एकमा थानाध्यक्ष ध्रुव प्रसाद सिंह को जिला मुख्यालय में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया था। इसी क्रम में चुनाव के दौरान एकमा थाना क्षेत्र में तैनात पुलिस पदाधिकारियों, चौकीदारों व दफदारों ने सजगता व जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया था। उनकी सक्रियता व अनुशासन के कारण क्षेत्र में चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न हो सका।

प ु लि ा स ा

अधीक्षक की ओर से सभी संबंधित कर्मियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रशस्ति पत्र एकमा थाना में भेजे गए थे। शुक्रवार को एकमा थाना परिसर में आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में थानाध्यक्ष ध्रुव प्रसाद सिंह ने पुलिस पदाधिकारियों, चौकीदारों एवं दफदारों के बीच प्रशस्ति पत्र वितरित किए।

सम्मान प्राप्त करने पर कर्मियों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान भविष्य में और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

एनिमल बर्थ कंट्रोल को ले जिलास्तरीय बैठक

उपायुक्त ने एबीसी नियमों के शत प्रतिशत अनुपालन का दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आज एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) से संबंधित माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित न्यायदेश के आलोक में मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत उपायुक्त आर० रॉनिटा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिले में कुत्तों के काटने की घटनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस क्रम में खूंटी जिले के विभिन्न अस्पतालों में उपलब्ध एआरभी (एंटी रेबीज वैक्सीन) एवं आरआईजी की उपलब्धता की समीक्षा की गई तथा आवश्यकता अनुसार समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही चिकित्सकों के नियमित प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में कुत्तों के टीकाकरण, डिवर्मिंग एवं नसबंदी कार्य हेतु एजेंसी चयन को लेकर चर्चा की गई। इसके लिए होप एनिमल ट्रस्ट, रांची एवं स्वास्थ्य सेवा मिशन, बसिया (गुमला) सहित अन्य संस्थाओं के साथ विचार-विमर्श करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

नगर पंचायत एवं पंचायती राज विभाग को डॉग शेल्टर निर्माण हेतु भूमि चिन्हित करने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त फीडिंग जोन के चिन्हितिकरण तथा वैसे क्षेत्र जहां डॉग बाईट हाई रिस्क जोन अधिक है, उन्हें चिन्हित कर प्रतिवेदन समर्पित करने को कहा गया।

पुलिस विभाग को इस विषय से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना अथवा घटना पर 247 सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी करने का निर्देश दिया गया। साथ ही पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के शत-प्रतिशत अनुपालन को सुनिश्चित करने पर बल दिया गया।

बैठक में एबीसी कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु नोडल समन्वय समिति का गठन किया गया। समिति में पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, सिविल सर्जन, कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत खूंटी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जीव-जंतु कल्याण बोर्ड के प्रतिनिधि, पशु शल्य चिकित्सक एवं पशु कल्याण से संबंधित एनजीओ को शामिल किया गया है।

उपायुक्त ने पशुपालन विभाग को सभी संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए एबीसी नियमों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्य रूप से जिला पंचायती राज पदाधिकारी, डीएसपी मुख्यालय, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद, जिला पशुपालन पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

राजद को लगा झटका

खगड़िया। इस कंपकंपाती ठंड में भी खगड़िया जिले की राजनीति शुक्रवार को गर्म रही। यहां के विभिन्न दलों के कई दिग्गज नेताओं ने शुक्रवार को पटना स्थित कांग्रेस पार्टी के प्रदेश कार्यालय सदाकत आश्रम में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, राष्ट्रीय सचिव डॉ. चंदन यादव और खगड़िया जिला कांग्रेस के जिलाध्यक्ष डॉ. अविनाश कुमार अविनाश मौजूद रहे। कांग्रेस के खगड़िया जिलाध्यक्ष ने कहा कि शुक्रवार को पटना में एक इतिहास लिखा गया। उन्होंने कहा कि सभी ने जननायक राहुल गांधी, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा कांग्रेस पार्टी की विचारधारा से प्रभावित होकर यह सदस्यता ली।इस मौके पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्षने सदस्यता ग्रहण करने वाले सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि आप सभी राहुल गांधी जी की संविधान बचाओ लड़ाई को जनता के बीच मजबूती से रखें। आज लोकतंत्र पर खतरा मंडरा रहा है। कांग्रेस पार्टी इस लड़ाई को सड़क से सदन तक लड़ेगी और आप सभी के सहयोग से लोकतंत्र को फिर से मजबूत किया जाएगा।डॉ. चंदन यादव ने कहा कि खगड़िया जिले की चारों विधानसभा सीटों पर जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को मजबूती से आगे बढ़ाया जाएगा तथा संगठन को और धारदार बनाया जाएगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय जनता दल के पूर्व जिला अध्यक्ष कुमार रंजन, युवा राजद के पूर्व प्रदेश महासचिव संजय कुशवाहा, स्वराज इंडिया के खगड़िया जिला प्रवक्ता विप्लव रणधीर, स्वराज इंडिया के जिलाध्यक्ष संजय गुप्ता, यूथ फोर स्वराज के खगड़िया जिला संयोजक अभिमन्यु शाह सहित कई मौजूद रहे।

दक्षिण पूर्व रेलवे – निविदा

शुद्धिपत्र

पूर्व में, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/क.च. स्टा. विद्युत लोको शेड, बोकारो स्टील सिटी द्वारा दिनांक 12.12.2025 को पीआर नंबर 941 के माध्यम से समाचार पत्र में प्रकाशित कार्य के नाम को एतद्द्वारा संशोधित किया गया है और अब इस प्रकार से पढ़ा जाएगा– “कैलिब्रेशन सेवाएँ –मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, थर्मल, फ्लूइड फ्लो, रेडियोलॉजिकल कैलिब्रेशन, ऑप्टिकल कैलिब्रेशन; डाइमेंशन, द्रव्यमान और आयतन, प्रेशर और वैक्यूम, गति और त्वरण, कठोरता और प्रभाव, डेंसिटी और विस्कोसिटी, वोल्टेज, करंट, पावर...”। तथापि, निविदा के अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी। (PR-983/C)

दक्षिण पूर्व रेलवे – निविदा

निविदा सूचना सं.: ईएलएसबी–25–टीपीआई–13/टीएन, दिनांक 19.12.2025, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (क.च.स्टा.), बोकारो स्टील सिटी द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा संख्याः जीईएम/2025/बी/7016771 दिनांक 18.12.2025 के तहत ई–निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** तृतीय–पक्ष निरीक्षण एजेंसी की नियुक्ति – विभिन्न प्रकार के स्लिंग, चेन, डी शैकल, लिफ्टिंग टैकल, कंप्रेसर रिजर्वायर आदि। **अवधि:** 03 वर्ष। **अनुमानित मूल्य:** रु.5,93,152/–, **ईएमडी:** रु.11,870/–, **निविदा प्रपत्र की लागत:** शून्य। निविदा कागजात सरकारी ई–मार्केटप्लेस (जीईएम) वेबसाइट यानी **www.gem.gov.in** पर दिनांक 12.01.2026 को 11.00 बजे तक उपलब्ध होगा। **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि/समय:** दिनांक 12.01.2026 को 11.00 बजे तक। **निविदा के खुलने की तिथि/समय:** दिनांक 12.01.2026 को 11.30 बजे। सभी भरोसेमंद, अनुभवी और इच्छुक निविदाकार इस कार्य के लिए आवेदन कर सकते हैं। (PR-982)

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल अभियंता/2, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के नज़दीक, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के पास पंजीकृत समेत समरूप प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं आवश्यक वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से ऑनलाइन के जरिए निम्नलिखित ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **[वरिष्ठ डीईएन/2/हावड़ा]: ई-निविदा संख्या: 233_2025-26, दिनांक: 17.12.2025। कार्य का विवरण:** वरिष्ठ मंडल अभियंता/2/हावड़ा के अधीन शक्तिगढ़, बारुईपाड़ा तथा बेलानगर स्टेशनों की प्लेटफॉर्म सतह को ऊँचा करना। **अनुमानित लागत:** ₹ 9,01,97,747.43। **बयाना राशि:** ₹ 6,01,000। **निविदा प्रपत्र की कीमत:** शून्य। **पूरा करने की अवधि:** 12 महीना। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित बंद होने की तारीख को किसी कारणवश छुट्टी/बंद/हड़ताल घोषित होने पर ऑनलाइन निविदा के बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में आवेदन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि, ऑनलाइन निविदा को अगले कार्य दिवस में खोला जाएगा। **निविदा बंद होने की तारीख और समय:** 07.01.2026 को दोपहर 2:00 बजे। निविदा का सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अनुरोध है कि वे उपर्युक्त वेबसाइट पर अपने प्रस्ताव ऑनलाइन जमा करें। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

(HWH-469/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइट: **www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

डीडब्ल्यूओ व नाजिर चढ़े निगरानी के हत्थे

1800 रुपये ले रहे थे रिश्वत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने गुरुवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला कल्याण पदाधिकारी कार्यालय में रिश्वत लेते एक नाजिर समेत जिला कल्याण पदाधिकारी को रंगेहाथ गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार अभियुक्तों में जिला कल्याण पदाधिकारी कार्यालय के नाजिर जीवेंद्र कुमार सिंह तथा जिला कल्याण पदाधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल शामिल हैं। दोनों को कार्यालय परिसर में 1,800 रुपये रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया।

जानकारी देते हुए निगरानी डीएसपी शिव कुमार साह ने बताया की बछवाड़ा थाना क्षेत्र के निवासी मुकेश राम ने निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना में शिकायत की थी।

इस शिकायत में आरोप लगाया गया था कि जिला कल्याण पदाधिकारी, अपने कार्यालय में बिल भुगतान के एवज में रिश्वत की मांग कर रहे हैं। शिकायत के सत्यापन के दौरान आरोप सही पाए जाने पर निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के पुलिस उपाधीक्षक शिव कुमार शाह के नेतृत्व में धावादल का गठन किया।

गुरुवार की देर शाम कार्रवाई करते हुए दोनों को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद दोनों अभियुक्तों से परिसदन में पूछताछ की जा रही है।

इन दिनों बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। निगरानी की छापेमारी से विभाग में हड़कंप मच गया है।

सीओ फरार, नाजिर गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। मोतीपुर अंचल में शुक्रवार की सुबह निगरानी की टीम ने छापेमारी की। टीम ने आठ हजार रुपये घूस लेते अंचल नाजिर श्याम को गिरफ्तार कर लिया।

टीम को देखते ही सीओ तरूण कुमार फरार हो गए। टीम नाजिर को गिरफ्तार कर फिलहाल परिसदन में रखी है। इसके बाद उसे कोर्ट में प्रस्तुत किया जाएगा। इसी तरह केसरिया आंगनबाड़ी कार्यालय से महिला पर्यवेक्षिका अंबालिका कुमारी को निगरानी अन्वेषण ब्यूरो पटना की टीम ने रिश्वत के चार हजार रुपयों के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया चल रही है।

स्पेशल ट्रेनें भगवान भरोसे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। स्पेशल ट्रेनों को रेलवे ने भगवान भरोसे छोड़ दिया है। ट्रेनों के विस्तार होने के बाद भी रेलवे टिकट बुकिंग शुरू कराना भूल गई। टिकट बुकिंग नहीं होने से गुरुवार को चंडीगढ़-धनबाद एसी स्पेशल ट्रेन रद कर दी गई। चंडीगढ़ से रद होने के कारण शुक्रवार की रात धनबाद से चंडीगढ़ जानेवाली एसी स्पेशल ट्रेन भी रद करनी पड़ी।

दिल्ली से धनबाद के बीच चलने वाली एसी स्पेशल ट्रेन में टिकट बुकिंग शुरू नहीं होने के कारण बिना यात्रियों के ही ट्रेन चलाई गई। मध्य जनवरी तक चलने वाली दोनों ट्रेनों में टिकट बुकिंग शुरू नहीं होने से हजारों यात्री परेशान हैं। धनबाद से दिल्ली और चंडीगढ़ के लिए टिकट बुक हो रहे हैं, पर वापसी में जनवरी तक किसी भी तिथि में टिकट बुक नहीं हो रहे हैं।

सहकारिता मंत्री का अभिनंदन समारोह आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टिकारी। सूबे के सहकारिता तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रमोद कुमार चंद्रवंशी के स्वागत में शुक्रवार को अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शहर के शांति पैलेस में टिकारी चंद्रवंशी समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में श्री चंद्रवंशी का भव्य स्वागत किया गया। आयोजकों द्वारा बड़ा माला पहना समाज की ओर से स्वागत की गई। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए श्री चंद्रवंशी ने कहा कि अतिपिछड़ा समाज की समस्या का हल हम सबों को मिलकर करना होगा। समस्या के समाधान में एनडीए की सरकार हम सबों के साथ खड़ी है। समाज के लोगो से शिक्षा में भागीदारी बढ़ाने की अपील की व कहा कि भागीदारी बढ़ेगी तभी विकास हो सकेगा। शिक्षा पर जोर देते हुए श्री चंद्रवंशी ने कहा कि अतिपिछड़ा समाज को मिले आरक्षण का फायदा वही उठा सकता है जो शिक्षा ग्रहण कर सकता। बाबा साहेब को याद करते हुए कहा कि उनकी बात हथियार से तुम्हारा भाग्य नही बदलेगा शिक्षा से तुम्हारा भाग्य बदलेगा को आत्मसात करने की अपील की। साथ ही साथ समाज के लोगो से समझ व समझदारी विकसित करने, सामर्थ्यवान बनने, एकजुट रहने व संघर्ष करने के लिए मनोबल को आगे रखने की अपील की। इसके अलावा श्री चंद्रवंशी ने भाजपा की विचारधारा से लोगो को अवगत कराया। मौके पर पंकज चंद्रवंशी, प्रभाष आनंद, अनुराग चंद्रवंशी, बेचन चंद्रवंशी, नीरज चंद्रवंशी, सुनील चंद्रवंशी, चंदन सिंह, अवधेश सिंह, संजय जैन, ध्रुव, धर्मेंद्र सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल थे। सहकारिता मंत्री के आगमन पर पंचानपुर के समीप हम नेताओं ने स्वागत किया। हम नेता बुलबुल शर्मा के नेतृत्व में नेताओं ने मंत्री का स्वागत माला पहना किया। कार्यक्रम के उपरांत श्री चंद्रवंशी जमुआरा में एबीवीपी नेता पुरुषोत्तम कुमार के घर आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में भाग लिए जहां एबीवीपी के कार्यकताओं ने श्री चंद्रवंशी का स्वागत किया।

बिहार सीएम के विरूद्ध थाने में शिकायत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

इटकी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान महिला डॉक्टर के हिजाब को हटाने की कोशिश का मामला अब कानूनी मोड़ लेता दिख रहा है।

झारखंड की राजधानी रांची के इटकी निवासी सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता मो. मुरतेजा आलम के अगुवाई में एक प्रतिनिध मण्डल ने इस संबंध में इटकी थाने में मुख्यमंत्री के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने हेतु आवेदन दिया है।

शिकायतकर्ता मुरतेजा आलम के अनुसार, हाल ही में बिहार में आयोजित एक सरकारी नियुक्ति पत्र वितरण समारोह के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंच पर मौजूद एक मुस्लिम महिला डॉक्टर के हिजाब के साथ सार्वजनिक रूप से हस्तक्षेप किया।

आरोप है कि मुख्यमंत्री ने कैमरों और भारी जनसमूह के सामने महिला के हिजाब को छूने और उसे हटाने का प्रयास किया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया और न्यूज चैनलों पर वायरल हो चुका है।

आवेदन में मुख्यमंत्री के इस कृत्य को असंवैधानिक और अपमानजनक बताते हुए इसे धार्मिक और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हनन बताया साथ ही कहा है हिजाब मुस्लिम महिलाओं की धार्मिक आस्था और निजता का अभिन्न अंग है।

बिना सहमति इसे छूना अनुच्छेद 25 (धार्मिक स्वतंत्रता) का उल्लंघन है। सार्वजनिक मंच पर किसी महिला के परिधान के साथ ऐसा व्यवहार उसकी लज्जा और शारीरिक स्वायत्तता पर सीधा आघात है।

शिकायतकर्ता का कहना है कि एक मुख्यमंत्री से संविधान के रक्षक होने की अपेक्षा की जाती है, लेकिन इस आचरण ने समाज में असुरक्षा और अपमान की भावना पैदा की है।

आंगनबाड़ी केंद्र में गड़बड़ी उजागर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टिकारी। संडा पंचायत में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 152 का निरीक्षण एसडीएम प्रवीण कुंदन ने किया। आंगनबाड़ी केंद्र पर कई तरह की गड़बड़ी उजागर हुई। तमाम गड़बड़ियों को लेकर एसडीएम ने आंगनबाड़ी सेविका चंद्रमुखी कुमारी को तलब किया है।

निरीक्षण के क्रम में आंगनबाड़ी केंद्र में पंजीकृत 40 में से 36 बच्चों की उपस्थिति बनी हुई थी जबकि भौतिक सत्यापन में मात्र सात बच्चे केन्द्र पर उपस्थित पाये गये। 15 बच्चों का नाम सत्यापित नहीं पाया गया। बच्चों ने पूछताछ में बताया कि रोस्टर के अनुसार भोजन / खाद्य सामग्री का वितरण नहीं किया जाता है। रसोईघर मे साफ-सफाई का भी अभाव पाया गया। एसडीएम को सेविका की ओर से खाद्य सामग्री की उपलब्धता के संबंध में संतोषजनक जबाव नहीं दिया गया। टेक होम राशन से सबंधित रजिस्टर प्रस्तुत नहीं किया गया। केन्द्र संचालन में गड़बड़ी आदि मामले में एसडीएम ने सेविका से 48 घंटों के भीतर जवाब मांगा है।

फिर धराई कछुओं की बड़ी खेप

दून एक्सप्रेस से 102 जिंदा कछुए बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने वन्यजीव तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन विलेप के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। गया जंक्शन पर गश्त के दौरान आरपीएफ की संयुक्त टीम ने दून एक्सप्रेस से 102 जिंदा कछुओं की खेप बरामद की है। बरामद किए गए सभी कछुओं को सुरक्षित रूप से वन विभाग को सौंप दिया गया है। इन कछुओं की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 51 लाख रुपये आंकी जा रही है।

यह कार्रवाई गुरुवार की रात करीब 10:30 बजे की है। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर आरपीएफ पोस्ट गया के निरीक्षक प्रभारी बनारसी यादव और अपराध आसूचना शाखा गया के निरीक्षक चंदन कुमार के नेतृत्व में रेलवे स्टेशन परिसर में संयुक्त गश्त की जा रही थी। इसी दौरान प्लेटफार्म संख्या तीन पर खड़ी ट्रेन संख्या 13010 दून एक्सप्रेस के कोच एस-3 की सघन जांच की गई।

जांच के दौरान कोच में रखे पांच पिठू बैग और एक झोला संदिग्ध अवस्था में पाए गए। जब आरपीएफ टीम ने इन बैगों को खोलकर देखा तो उनमें कुल 102 जिंदा कछुए मिले। इसके बाद टीम ने कोच में मौजूद यात्रियों से पूछताछ की, लेकिन किसी भी यात्री ने इन बैगों पर अपना दावा नहीं किया। स्थिति को देखते हुए आरपीएफ ने सभी बैगों को जब्त कर कछुओं को सुरक्षित रूप से आरपीएफ पोस्ट गया लाया।

आरपीएफ के निरीक्षक प्रभारी बनारसी यादव ने बताया कि कछुआ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत संरक्षित प्रजाति है और इसकी तस्करी गंभीर अपराध की श्रेणी में आती है। प्रारंभिक जांच में यह मामला अंतरराज्यीय वन्यजीव तस्करी से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। उन्होंने कहा कि तस्कर अक्सर रेल मार्ग का इस्तेमाल करते हैं, क्योंकि इसमें निगरानी से बचने की कोशिश की जाती है, लेकिन आरपीएफ की सतर्कता से उनके मंसूबों पर पानी फिर गया।

घटना की सूचना तुरंत गया वन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही वन विभाग की रेंज अधिकारी आरती कुमारी आरपीएफ पोस्ट पहुंचीं। आवश्यक औपचारिकताओं के बाद सभी 102 जिंदा कछुओं को संरक्षण और आगे की कार्रवाई के लिए वन विभाग को सुपुर्द कर दिया गया। वन विभाग की ओर से कछुओं को सुरक्षित स्थान पर रखने और उनके स्वास्थ्य परीक्षण की प्रक्रिया शुरू की गई है।

इस संयुक्त कार्रवाई में आरपीएफ के सहायक उप निरीक्षक पवन कुमार, सहायक निरीक्षक अनिल कुमार चौधरी, उप निरीक्षक मुकेश कुमार, प्रधान आरक्षी महेश ठाकुर, आरक्षी राकेश कुमार सिंह, अमित कुमार, देवेंद्र प्रसाद, विपिन कुमार सहित सीपीडीएस टीम गया की अहम भूमिका रही। अधिकारियों की तत्परता और टीमवर्क से यह बड़ी खेप पकड़ी जा सकी।

आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि रेलवे सुरक्षा बल केवल रेल यात्रियों और रेलवे संपत्ति की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि वन्यजीव संरक्षण और अवैध तस्करी पर रोक लगाने में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इस तरह की कार्रवाइयों से तस्करों के नेटवर्क को तोड़ने में मदद मिलती है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी बीते सोमवार को आरपीएफ ने नेताजी एक्सप्रेस के जनरल कोच से 76 जिंदा कछुओं को बरामद किया था।

उस मामले में अज्ञात तस्करों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। लगातार हो रही बरामदगी से यह स्पष्ट है कि रेल मार्ग से वन्यजीव तस्करी का नेटवर्क सक्रिय है, जिस पर आरपीएफ और वन विभाग संयुक्त रूप से कड़ी नजर बनाए हुए हैं।

गांधी स्मृति यात्रा के अगले चरण को ले बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। 2026 के गांधी स्मृति यात्रा का अगला चरण निर्धारित करने के लिए बिहार आर्थिक अध्ययन संस्थान पटना में डॉक्टर प्यारेलाल निदेशक की अध्यक्षता में 19 दिसंबर को 11 बजे दिन से यात्री दल के सदस्य प्रोफेसर मनोज कुमार तथा बिहार सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष चंद्रभूषण तथा राजीव कुमार(अऊफ़) की उपस्थिति में बैठक संपन्न हुई। सर्व सेवा संघ के मंत्री विजय कुमार (आरा), प्रमोद शर्मा (पटना)तथा मनोज मीता (भागलपुर) ऑनलाइन उपस्थिति थे।

सर्वप्रथम प्रोफेसर मनोज कुमार ने बताया कि बिहार में गांधी पुस्तक के प्रकाशक के पास भेज दी गई है।भारत में गांधी की पांडुलिपि का सदस्यों ने अवलोकन किया। भारत आगमन के बाद गांधी की विदेश यात्रा गोलमेज पाकिस्तान बांग्लादेश और रंगून पर अलग पुस्तक बनाने का निर्णय हुआ। पुस्तक के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए सदस्यों ने स्वीकार किया कि राज्य स्तरीय कार्यक्रम संचालन और गांधी के स्मृतियों को पुनर्जीवित करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम होगा।

18 जनवरी से 23 जनवरी 2026 को बिहार में अगली यात्रा आयोजित करने का निर्णय लिया गया। 18 जनवरी को आरा छपरा 19 जनवरी को सिवान गोपालगंज 20 और 21 जनवरी को पश्चिमी और पूर्वी चंपारण 22 जनवरी को सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर होते हुए 23 जनवरी को हाजीपुर सोनपुर का यात्रा कार्यक्रम निर्धारित किया गया। यात्री दल का छपरा, गोपालगंज, बेतिया, मोतिहारी, सीतामढ़ी में रात्रि ठहराव होगा।

दीप नारायण सिंह स्वतंत्रता सेनानी भागलपुर के 150 वे जन्मदिन पर भागलपुर में उनके जन्मदिन के पूर्व संध्या पर 25 जनवरी 2026 को गांधी विचार विभाग और गांधी शांति प्रतिष्ठान में कार्यक्रम के अलावा घंटाघर स्थित उनके आदम कद प्रतिमा को पुष्पांजलि अर्पित किया जाएगा। ज्ञातव्य हो कि इनके कृतियों को याद करने में सरकार और जनता ने अपने जिम्मेदारियां का निर्वहन नहीं किया है। उनके आवास को जिला जज भागलपुर का आवास बना दिया गया है। एकमात्र घंटाघर में उनकी आदम कद प्रतिमा कमल जायसवाल के जिद्दों जहद के बाद कुछ दिन पूर्व लगाए गए हैं।भागलपुर का लाजपत पार्क श्रीदीप नारायण सिंह ने गांधी जी का बिहपुर और भागलपुर में स्वागत किया था। रामगढ़ कांग्रेस अधिवेशन 1940 में उनके नाम से गेट बनाया गया था।

21 फरवरी से 4 मार्च तक की यात्रा उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा के विभिन्न स्थानों पर किया जाएगा। उत्तर प्रदेश के बनारस, प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, फैजाबाद जौनपुर आजमगढ़ गाजीपुर गोंडा बाराबंकी मैनपुरी आदि स्थानों पर जाएगी। उत्तर प्रदेश में गांधी से जुड़े स्मृति स्थलों की स्थिति का अध्ययन, वहां के लोगों से संपर्क, स्थानीय इतिहास संकलन के लिए स्थानीय समिति का गठन किया जाना है। 26- 27 फरवरी को उदयपुर के सर्व सेवा संघ सम्मेलन मैं भाग लेने के उपरांत 28 फरवरी को चलकर 4 मार्च तक यात्रा पटना पहुंचेगी। इसका संयोजन विजय कुमार करेंगे। यात्री दल में विजय कुमार के अलावा चंद्रभूषण, सीमा कुमारी और प्रोफेसर मनोज रहेंगे।

भागलपुर और बांका के संस्था तथा संगठन के साथ मिलकर छोटी नदियों के अद्यतन स्थिति का अध्ययन मार्च के प्रथम सप्ताह किया जाना है। विशेषज्ञ साथियों से संपर्क की जिम्मेदारी राजीव कुमार को दी गई है।

कोर्ट के आदेश पर 11 वर्षों बाद दर्ज हुई प्राथमिकी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। 2014 में हुई मारपीट के एक मामले में दायर कोर्ट परिवाद पर अब जाकर घटना के 11 साल बाद नगर थाना में प्राथमिकी हुई है।

इतने लंबे समय तक कोर्ट का आदेश नगर थाने की किसी फाइल में पड़ा धूर फांकता रहा। इस मामले में जब उच्च न्यायालय की नजर पड़ी, तब जाकर मामला संज्ञान में आया और आनन-फानन में पुलिस ने प्राथमिकी की है। मारपीट की यह घटना 17 मार्च 2014 की है। नगर थाना के कोइरपुरवा अंतर्गत मौजूद अंग्रेज कब्रिस्तान के समीप निवासी आवेदिका रिजवान बेगम पति शराफत हुसैन के घर में घुसकर सोहनीपट्टी निवासी राजा मुराद अंसारी, अफसाना बेगम समेत छह लोगों के मारपीट करने का आरोप है। घटना के समय पुलिस को सूचना देने के बाद तत्कालीन नगर थाना के किसी दारोगा ने मारपीट में घायल पति-पत्नी को इलाज के लिए भेज दिया। इलाज कराकर आने के बाद तत्कालीन नगर पुलिस ने जब आवेदिका की प्राथमिकी नहीं की, तब आवेदिका ने कोर्ट में जाकर अपना परिवाद दायर किया।

परिवाद दायर होने के बाद कोर्ट द्वारा नगर थाना को प्राथमिकी करने का आदेश देते हुए आवेदन नगर थाना भेज दिया गया। बावजूद तत्कालीन पुलिस की लापरवाही के कारण कोर्ट से भेजा गया आवेदन किसी फाइल में दबा रह गया।

घटना के 11 साल बाद जब उच्च न्यायालय ने इस मामले में संज्ञान लिया, तब आनन-फानन में आवेदन तलाश कर परिवाद पर प्राथमिकी की गई। इस मामले में थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि 11 साल पहले आवेदन कैसे फाइल में दबकर रह गई, इसके बारे में वे नहीं बता सकते हैं। उनके संज्ञान में मामला आते ही आवेदन को तलाश कर प्राथमिकी करते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

स्मैक, कैश व गोल्ड बरामद

दो धराये

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। बेगूसराय पुलिस ने रतनपुर थाना क्षेत्र के वार्ड 20 गणेश दत्त नगर निवासी सुधा देवी के मकान में किराएदार बनकर स्मैक का कारोबार करने वाले गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस टीम ने मकान के तीसरी मंजिल पर बंद किराए के कमरे से 3.34 किलो स्मैक बरामद किया।

वहीं वीपी स्कूल के समीप स्मैक डिलेवरी कर रहे दो तस्करों को धर दबोचा है। उक्त जानकारी सदर डीएसपी वन आनंद पांडे ने गुरुवार को अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित प्रेस वार्ता के क्रम में दी है।

डीएसपी ने बताया कि तस्करों की पहचान प्रमिला चौक निवासी कन्हैया सिंह के पुत्र शिवम कुमार व भारद्वाज नगर निवासी स्व. रंधीर कुमार के पुत्र कुमार आर्यन उर्फ कार्तिक के रूप में हुई है। इस दौरान गिरोह का सरगना खगड़िया जिला के मुफस्सिल थाना क्षेत्र स्थित मथार निवासी वाल्मिकी यादव के पुत्र रामवृक्ष कुमार फरार हो गया। पुलिस ने गिरफ्तार तस्करों की निशानदेही पर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भारद्वाज नगर स्थित आर्यन के घर से 20.47 लाख रुपये नकद बरामद किया है। डीएसपी आनंद पांडे ने बताया कि बुधवार को रतनपुर पुलिस को जिला आसूचना इकाई से उक्त मकान के तीसरी मंजिल स्थित एक कमरे से खगड़िया निवासी रामवृक्ष द्वारा स्मैक का कारोबार संचालित किए जाने व भारी मात्रा में स्मैक लाने संबंधी सूचना मिली थी।

सूचना की जानकारी वरीय अधिकारी को दी गई और इसके बाद सदर डीएसपी के नेतृत्व में रतनपुर, नगर व मुफस्सिल पुलिस टीम ने गणेशदत्त नगर स्थित महिला के मकान में उनके दामाद की उपस्थिति में तलाशी ली। कमरे में ताला बंद होने पर दंडाधिकारी की मौजूदगी में ताला तोड़ कर तलाशी के क्रम में नशीला पदार्थ बरामद किया गया।

इसी क्रम में जिला आसूचना इकाई को सूचना मिली कि वीपी स्कूल के समीप स्मैक तस्कर गिरोह का सरगना लेन-देन कर रहा है। पूछताछ में गिरफ्तार तस्करों ने सोनू महाकाल, सचिन, राजा, निलेश, आभास के माध्यम से लंबे समय से स्मैक खरीद बिक्री किए जाने की बात स्वीकार की है।

डीएसपी आनंद पांडे ने बताया कि वीपी स्कूल के समीप से गिरफ्तार दोनों तस्करों का आपराधिक इतिहास है। शिवम कुमार 12 मार्च 2020 में लोहियानगर गुमटी के समीप गोली मार रवीश उर्फ नीतीश की हत्या में संलिप्त था। वहीं आर्यन 24 अप्रैल 2021 में सुभाष चौक के समीप पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया जा चुका है। तलाशी के क्रम में शिवम के गले व कलाई व अंगुली से करीब 100 ग्राम सोने के चेन, बासलेट, अंगूठी जैसे जेवरात व एपल का फोन मिला है। इस संबंध में रतनपुर थाना में एक अज्ञात समेत नौ तस्करों के विरूद्ध प्राथमिकी अंकित की गई है।स्मैक तस्करों के विरुद्ध छापेमारी का नेतृत्व सदर डीएसपी वन आनंद पांडे ने किया। वहीं जिला असूचना इकाई के प्रभारी वैद्यनाथ कुमार, सतीश कुमार हिमांशु, नगर थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार, मुफस्सिल थानाध्यक्ष दिवाकर कुमार, रतनपुर थानाध्यक्ष राजीव रंजन, रतनपुर थाना के पुअनि प्रभुनाथ शुक्ला व अनुप्रिया, जिला आसूचना इकाई के पुअनि राजीव रंजन, सअनि राजेश कुमार समेत चीता बल शामिल रहे।

आयुक्त कार्यालय के समक्ष आत्मदाह करने की चेतावनी

नगर निगम की अवैध उगाही से परेशान हैं संजय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। गया नगर निगम के कर्मचारी एवं पदाधिकारी के द्वारा लगातार पिछले तीन सालों से पीड़ित किए जाने एवं अवैध उगाही किए जाने से तंग आकर डेल्हा थाना के निवासी संजय कुमार के द्वारा प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय के समक्ष आत्मदाह करने की घोषणा की है। बताया जाता है कि श्री कुमार का मकान किसी विभागीय गलती से नोट फाइनल सर्वे में नगर निगम के नाम से चढ़ गया। सर्वे के इस आदेश के खिलाफ संजय कुमार ने व्यवहार न्यायालय में सिविल वाद दायर कर रखा है जिसकी सुनवाई चल रही है। इस दौरान नगर निगम के कर्मी एवं पदाधिकारी इनके मकान माप एवं जांच करने के नाम पर पिछले 3 सालों से अवैध उगाही कर रहे हैं। इस उगाही के खिलाफ संजय कुमार ने जिलाधिकारी गया एवं आयुक्त मगध प्रमंडल को भी शिकायत पत्र दिया है लेकिन 3 महीने बीत जाने के बाद भी कोई कार्यवाही अभी तक नहीं हो पा रही है। अब नगर निगम गया ने फिर से व्हाट्सएप के माध्यम से श्री कुमार कोई एक नोटिस जारी किया है और नगर निगम के कर्मचारी इस नोटिस को रोकने के लिए अवैध रकम की वस्तु मांग कर रहे हैं .इस संबंध में संजय कुमार का कहना है कि वह एक किडनी पेशेंट व्यक्ति 60 वर्षीय व्यक्ति हैं। उनके बच्चे पढ़ाई के कारण बाहर रहते हैं 3 सालों की इस प्रताड़ना से तंग आकर अब उनके पास आत्मदाह करने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा है। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने नगर निगम के बढ़िया पदाधिकारी से संबंध में बात की तो उनका कहना है कि वह कुछ नहीं कर सकते क्योंकि जिले में बड़े भाजपा बड़े नेता की परवी है।

घने कोहरे में वाहन की चपेट में आने से एक की मौत, जाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेरघाटी। थाना क्षेत्र के अंतर्गत नेशनल हाइवे-2 पर पथलकट्टी के पास शुक्रवार की सुबह घने कोहरे के बीच एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया।

सड़क पार करने के दौरान तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से देवकुमार यादव (55 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और आक्रोशित स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर दिया, जिससे एनएच-2 पर दोनों ओर आवागमन पूरी तरह ठप हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह के समय घना कोहरा छाया हुआ था, जिससे दृश्यता काफी कम थी। इसी दौरान देवकुमार यादव सड़क पार एनएचएआई पर गार्ड के ड्यूटी करने जा रहे थे, तभी तेज गति से आ रहे वाहन ने उन्हें कुचल दिया। उन्होंने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग जमा हो गए और सड़क जाम कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही शेरघाटी थानाध्यक्ष मोहन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालने में जुट गए।

थानाध्यक्ष ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों को समझा-बुझाकर जल्द ही सड़क जाम हटाया जा रहा है ताकि यातायात बहाल किया जा सके। साथ ही मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की जा रही है।

पुलिस द्वारा आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इधर, हादसे के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

25.98 करोड़ की लागत से बनेगा भोजपुरी हाट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डेहरी आन सोन। पर्यटन हाट के निर्माण को इंद्रपुरी बराज के पास दस एकड़ भूमि की मापी करा दिया गया है। पर्यटन विभाग ने 25.98 करोड़ की लागत से निर्माण होने वाले पर्यटन हाट की निविदा कर दिया है। मुख्यमंत्री ने इस भोजपुरी हाट का शिलान्यास गत 24 सितम्बर को किया था।

जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव एस के मल्ल ने मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरा को ले प्रस्तावित हाट के लिए विभाग की दस एकड़ भूमि देने का निर्देश दिया है। पूर्व में विभाग ने भूमि देने को हाथ खड़े कर दिया था।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरा में पर्यटन हाट स्थल स्थल का निरीक्षण व साइट प्लान का अवलोकन व निरीक्षण भी शामिल है। जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव श्री मल्ल ने हाट के प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया। विभाग ने भूमि मापी कराई। भूमि पर झंडे लगाए गए।

बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड प्रस्तावित स्थल पर निर्माण होने वाले हाट डिजाइन ,गेस्ट हाउस, पर्यावरण अनुकूल कुटिया से सम्बंधित बैनर व सजावट करने का कार्य प्रारंभ कर दिया है। प्रस्तावित हाट का निर्माण बराज से सटे पच्छिमी मुख्य नहर के किनारे होगा। डेहरी से इसकी दूरी आठ किमी व डेहरी रोहतास राष्ट्रीय राजमार्ग से एक किमी की दूरी पर यह हाट बनेगा।

इस हाट का मुख्य उद्देश्य इंद्रपुरी बाराज पर आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करना है' इसके निर्माण से स्थानीय कला, संस्कृति और उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होगा। हाट का निर्माण कार्य 2026 में पूरा होगा।

इसके बन जाने से यह स्थान न सिर्फ एक बड़ा पर्यटन केंद्र बनेगा बल्कि रोहतास किला, तुतला भवानी आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधा मिलेगी। साथ ही स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र भी होगा। यह मिथिला हाट के बाद बिहार का दूसरा सबसे बड़ा पारंपरिक हाट होगा। यहां घूमने फिरने के साथ रेस्टोरेंट में भोजपुरी व्यंजन लिट्टी चोखा, मडुआ की रोटी, अदौरी, तिलौरी, अचार का स्वाद ले सकेंगे' वहीं गेस्ट हाउस व पर्यावरण अनुकूल कुटिया भी बनेगी। भोजपुरी संस्कृति पर आधारित भंसा घर भी बनेगा' जहां गांव का थीम नजर आएगा। तालाब में बोटिंग की सुविधा भी मिलेगी। परिवार विभिन्न प्रकार का झूला बच्चो व बडो के लिए आकर्षण का केंद्र होगा।

एसडीओ व एएसपी ने किया औचक निरीक्षण

अवैध गिट्टी लदा ट्रक को किया गया जब्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेरघाटी। डोभी चेकपोस्ट पर अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने को लेकर शेरघाटी अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार एवं एएसपी शैलेन्द्र सिंह ने देर रात औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चेकपोस्ट पर तैनात कर्मियों की कार्यप्रणाली की गहन समीक्षा की और भारी वाहनों की सघन जांच कराई। निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों ने अवैध कोयला ढुलाई, ओवरलोडिंग एवं बिना वैध कागजात के परिचालन करने वाले वाहनों पर कड़ी कार्रवाई करने का स्पष्ट निर्देश दिया।

एसडीओ मनीष कुमार ने कहा कि डोभी चेकपोस्ट गया-चतरा और झारखंड को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है, जहां से होकर भारी संख्या में

मालवाहक वाहन गुजरते हैं। ऐसे में अवैध खनन सामग्री, कोयला और ओवरलोड वाहनों की आवाजाही पर सख्त निगरानी जरूरी है।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी वाहन को बख्शा न जाए और नियमानुसार जुमार्ना एवं कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान डोभी-चतरा रोड पर अवैध रूप से खनन की गई गिट्टी से लदे एक ओवरलोडेड वाहन को जब्त किया गया। वाहन के पास आवश्यक वैध कागजात नहीं पाए गए, जिसके बाद खनन एवं परिवहन नियमों के तहत आवश्यक कार्रवाई की गई।

एएसपी शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि अवैध खनन न केवल सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि सड़क सुरक्षा और पर्यावरण के लिए भी गंभीर खतरा है।

अधिकारियों ने चेकपोस्ट कर्मियों को 24 घंटे सतर्क रहने, रजिस्टर संधारण दुरुस्त रखने और संदिग्ध वाहनों की विशेष जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी इस तरह के औचक निरीक्षण जारी रहेंगे, ताकि अवैध ढुलाई पर पूरी तरह से रोक लगाई जा सके।

बयान को तोड़ मरोड़कर पेश किए जाने पर केंद्रीय मंत्री ने व्यक्त की प्रतिक्रिया

मेरे बयान को तोड़ मरोड़कर गलत तरीके से पेश किया गया ◻ लोकतंत्र में जनता मालिक होती है, इस सच्चाई को सभी जानते हैं◻ ◻चुनावी प्रक्रिया में आयोग ही सर्वोपरि होता है◻बिहार में अब लालू यादव का दौर नहीं रहा जब मतपेटी से जिन्न निकलता था

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया जी। चुनावी प्रक्रिया को लेकर दिए गए बयान को तोड़ मरोड़कर पेश किए जाने पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम माँझी ने कड़ी आपत्ति जतायी है। श्री माँझी ने कहा है कि उन्होंने अपनी पार्टी के उम्मीदवार और प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार के मनोबल को लेकर बयान दिया था जिसे तोड़ मरोड़कर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है यह बेहद ही दुर्भाग्यपूर्ण है। बिहार समझ से परे हैं कि कुछ लोग मेरे बयान को नासमझी व गलत तरीके से परिभाषित कर रहे हैं या फिर किसी साज़िश के तहत ऐसा किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री श्री माँझी ने कहा कि देश के अंदर रहने वाले सभी व्यक्ति को यह सच्चाई मालूम है कि लोकतंत्र में जनता ही मालिक होती है लेकिन जनादेश जब तक अंतिम तौर पर सामने न आ जाए उम्मीदवारों को मनोबल बनाए रखना चाहिए। मैंने इसी संदर्भ की चर्चा करते हुए 2020 के विधानसभा चुनावों का ज़िक्र किया था। हालिया विधानसभा चुनावों में बेहद कम वोटों के अंतराल से चुनाव हारने वाले अपने प्रदेश अध्यक्ष

के मनोबल को लेकर मैंने जो बयान दिया उससे गलत तरीके से पेश किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री श्री मांझी ने कहा कि देश के अंदर चुनावी प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराने का श्रेय निर्वाचन आयोग को हो जाता है। क्या यह बात किसी को बताने की आवश्यकता है कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान अधिकारियों की भूमिका बेहद सीमित होती है और सभी निर्वाचन आयोग के प्रति जवाबदेह होते हैं। मैंने तत्कालीन जिलाधिकारी अभिषेक सिंह जी की चर्चा चुनाव से पूर्व सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुँचाने में उनकी कुशल भूमिका को लेकर की थी। यह बेहद दुखद है कि मेरे इस बयान को भी गलत तरीके से पेश किया जा रहा है।

अगर सत्ता में रह कर चुनावों को प्रभावित किया जा सकता तो फिर देश में सर्वाधिक समय तक शासन करने वाली कांग्रेस आज विपक्ष में नहीं बैठी होती है। 2014 के आम चुनावों में बड़ी जीत के बाद केंद्र की सत्ता में आयी एनडीए, 2015 के बिहार विधान सभा चुनाव में हार का सामना नहीं करता है। बिहार में वह दौर खत्म हो चुका है जब वह राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष और तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव मतपेटी से जिन्न निकाल दिया करते थे। अब जनता ही जिन्न निकालती है और जिसे जनादेश मिलता है वह जनता की सेवा करता है।

एसडीओ ने अल्ट्रासाउंड सेंटर बन्द करने का दिया आदेश, किया सील

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डोभी/गयाजी। शेरघाटी एसडीओ के आदेश पर डोभी में संचालित लाइफ लाइन अल्ट्रासाउंड सेंटर को शुक्रवार को सील कर दिया गया। अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को सील करने का आदेश गुरुवार को दिया। जिसके आलोक में अंचल अधिकारी अरुण कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ.शिव शंकर झा और प्रभारी थानाध्यक्ष सुकरात कुमार ने चतरा मोड पहुंचकर अल्ट्रासाउंड को सील कर दिया। बताते चलें कि गुरुवार को एसडीओ ने चतरा मोड स्थित दो अल्ट्रासाउंड सेंटर की जांच की थी। जिसमें दोनों जगहों पर चिकित्सक नहीं पाए गए थे। दोनों अल्ट्रासाउंड सेंटर से कागजात कि जांच के लिए जब्त किया गया था। इधर प्रशासन के द्वारा एक ही तरह के मामले में एक को सील किया जाना और दूसरा को छोड़ देना प्रशासन के कार्यप्रणाली पर उंगली उठ रहा है। प्रशासन के एक पक्षीय कारवाई की चर्चा पूरे दिन चौक चौराहे पर होता रहा। दूसरे तरफ अन्य सेंटर संचालक अपना सेंटर बंद करके फरार हो गया है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा एक अल्ट्रासाउंड के जांच रिपोर्ट के आधार पर कारवाई करने का निर्देश दिया गया था।

घटिया निर्माण सामग्री उपयोग का आरोप, लोगों में रोष

गुरुआ। प्रखंड अंतर्गत काज पंचायत के चटकबीघा गांव में जिला पार्षद द्वारा अष्टम योजना से पुस्तकालय भवन का निर्माण कराया जा रहा है। आरोप है कि निर्माण कार्य में भारी अनियमितता बरती जा रही है और घटिया किस्म की सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, जब निर्माण स्थल पर कार्यरत मजदूरों से बातचीत की गई तो उन्होंने बताया कि दस कड़ाही बालू में मात्र दो कड़ाही सीमेंट का प्रयोग किया जा रहा है। वहीं, भवन निर्माण में दो नंबर की ईंटों का उपयोग किया जा रहा है। इसके अलावा पिलर निर्माण में 10 एमएम छड़ का इस्तेमाल किए जाने की भी बात सामने आई है, जो मानकों के अनुरूप नहीं है। इसको लेकर ग्रामीणों में ठेकेदार के प्रति भारी नाराजगी देखी जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते जांच नहीं हुई तो भवन की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े होंगे। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराकर गुणवत्तापूर्ण भवन निर्माण सुनिश्चित कराया जाए।

आरोपित गिरफ्तार, भेजा गया जेल

गुरारू। थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार ने शुक्रवार को पिछले साल प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय पर हंगामा करने और रोड़ेबाजी करने का मुख्य अभियुक्त रौशन कुमार पिता रवि कुमार को बगडिहा मोहल्ला से गुरूवार की रात्रि गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया। गौरतलब है कि पिछले वर्ष पैक्स चुनाव में वर्तमान पैक्स अध्यक्ष नवल यादव पर आरोप लगाते हुए संभावित उम्मीदवार बुटाली सिंह का नाम पैक्स वोटरों से काट दिए जाने के विरोध में प्रखण्ड कार्यालय पर धरना -प्रदर्शन एवं रोड़ेबाजी किया गया था। इस अप्रत्याशित घटनाक्रम में निवर्तमान रेवेन्यू ऑफिसर प्रिति कुमारी का सर फट गया था। इस संबंध में पूछे जाने पर थानाध्यक्ष ने कहा कि जल्द ही अन्य आरोपियों की भी गिरफ्तारी कर ली जाएगी। वहीं घटेरा गांव से रवि पासवान पिता सुनील पासवान एवं सुबोधकांत सुमन पिता विजय चौधरी को शराब पीकर हंगामा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

एसडीओ की कार्रवाई से हड़कम्प

शेरघाटी। शुक्रवार की सुबह शेरघाटी अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) मनीष कुमार ने आमस टोल प्लाजा पर औचक निरीक्षण करते हुए ओवरलोडिंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। इस दौरान एक ओवरलोड ट्रक को पकड़ा गया, जिसे मौके पर ही प्रोजेक्ट (जब्त/रोका) कर दिया गया। कार्रवाई से टोल प्लाजा क्षेत्र में हड़कंप मच गया। एसडीओ मनीष कुमार ने बताया कि नियमित जांच अभियान के तहत आमस टोल प्लाजा पर वाहनों की सघन जांच की जा रही थी। इसी क्रम में एक संदिग्ध ट्रक को रोका गया। जांच के दौरान पाया गया कि ट्रक निर्धारित क्षमता से अधिक भार लेकर चल रहा था। इसके साथ ही वाहन से संबंधित आवश्यक कागजात भी सही नहीं पाए गए। चालक ट्रक के वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने में असमर्थ रहा। अनुमंडल पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि ओवरलोडिंग न केवल सड़क सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि इससे सड़कों को भी गंभीर नुकसान पहुंचता है। नियमों की अनदेखी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नदी किनारे अज्ञात लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेरघाटी। थाना क्षेत्र अंतर्गत श्रीरामपुर फील्ड के पास उस समय सनसनी फैल गई, जब एक अज्ञात व्यक्ति का शव नदी के पानी में गड़ा हुआ अवस्था में पाया गया। घटना की जानकारी उस वक्त सामने आई जब स्थानीय बच्चे नदी किनारे क्रिकेट खेल रहे थे। खेल के दौरान गेंद नदी की ओर चली गई, जिसे लाने के लिए बच्चे जब पानी के पास पहुंचे तो उन्हें वहां कुछ संदिग्ध दिखाई दिया। पास

जाकर देखने पर पता चला कि नदी के पानी में एक व्यक्ति का शव आंशिक रूप से गड़ा हुआ है।

इसकी सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। लोगों ने तुरंत इसकी जानकारी शेरघाटी थाना को दी। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष मोहन कुमार दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन मृतक की पहचान तत्काल नहीं हो सकी।

पुलिस के अनुसार शव काफी समय से पानी में होने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि मृत्यु के कारणों का स्पष्ट पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। प्रारंभिक जांच में किसी प्रकार की पहचान से जुड़ा कोई दस्तावेज शव के पास से बरामद नहीं हुआ है। थानाध्यक्ष मोहन कुमार ने बताया कि शव को पहचान एवं चिकित्सीय परीक्षण के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल, गया भेजने की तैयारी की जा रही है। साथ ही आसपास के थाना क्षेत्रों में सूचना भेजकर मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए हर पहलु की जांच कर रही है। घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है।

शराब पीकर हंगामा कर रहा युवक गिरफ्तार

नवबिहारटाइम्स संवाददाता

कोंच। कोंच थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर शराब पीकर बाजार में हंगामा कर रहे एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष सुदेह कुमार ने बताया कि ददरेजी बाजार में एक युवक द्वारा शराब के नशे में शोरगुल मचाने की सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर उक्त युवक को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार युवक की पहचान श्रीकांत मिस्त्री, ग्राम कुसमी फेसरा, थाना पौथु, जिला औरंगाबाद निवासी के रूप में की गई है, जो अपने ससुराल आया हुआ था। वह शराब पीकर ददरेजी बाजार में उत्पात मचा रहा था। थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध कोंच थाना कांड संख्या 892/25 दर्ज कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई। कोविड जांच के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

डीआरएम से वार्ता को ले किसान मोर्चा ने सौंपा ज्ञापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोंच। उत्तर कोयल नहर किसान संघर्ष मोर्चा, मगध के बैनर तले 11 सूत्री मांगों को लेकर किसानों का संघर्ष तेज हो गया है। मोर्चा ने 30 दिसंबर 2025 को डीआरएम के साथ शिष्टमंडल वार्ता करने हेतु इसमाइलपुर रेलवे स्टेशन अधीक्षक के माध्यम से शुक्रवार दोपहर तीन बजे आवेदन सौंपा है। बताया गया कि इससे पूर्व 20 अगस्त 2025 को इसमाइलपुर रेलवे स्टेशन परिसर में एकदिवसीय धरना दिया गया था। मांगों में अंगरा शाखा नहर पर इसमाइलपुर में तथा कोटवारा शाखा नहर पर देवरोड हाल्ट के पास रेल पुल निर्माण, इसमाइलपुर में निमार्णाधीन ओवरब्रिज को शीघ्र चालू कराने, डेहरीझगया रेलखंड में 11:30 पूर्वाह्न से 1:30 अपराह्न के बीच पैसेंजर ट्रेन चलाने सहित अन्य प्रमुख मांगें शामिल हैं। मोर्चा के सचिव एवं गुरारू उत्तरी के जिला पार्षद बालेश्वर प्रसाद ने बताया कि मांगों को लेकर लगातार आंदोलन किया जा रहा है, बावजूद इसके अब तक सरकार की ओर से कोई ठोस पहल नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि यदि शिष्टमंडल वार्ता में मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो मोर्चा बड़े और लंबे आंदोलन के लिए तैयार है। आवेदन सौंपने के दौरान मोर्चा के मुख्य संरक्षक जयनंदन शर्मा के अलावा मुन्ना प्रसाद, राम पुकार विश्वकर्मा, भोला कुमार और कृष्णा गुप्ता उपस्थित थे।

जीतन राम मांझी का वीडियो वायरल, सियासी पारा हाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोंच। केंद्रीय मंत्री एवं हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के संरक्षक जीतन राम मांझी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। वीडियो में मांझी 2020 के विधानसभा चुनाव में टिकारी सीट से जीत को लेकर कथित तौर पर ह्यउपायह्ल किए जाने का किस्सा सुनाते नजर आ रहे हैं। दरअसल, 14 दिसंबर को बाराचट्टी विधानसभा क्षेत्र में नवनिर्वाचित विधायक ज्योति मांझी के अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया था, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जीतन राम मांझी शामिल हुए थे। मंच से संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि इस बार विधानसभा चुनाव में हम पार्टी ने छह में से पांच सीटें जीतीं, जबकि टिकारी सीट वह मामूली अंतर से हार गए। मांझी ने अपने भाषण में कहा कि 2020 के चुनाव में मतगणना के दौरान वह करीब 2700 वोट से पीछे चल रहे थे और उस समय ह्यउपायह्ल के बाद जीत हासिल हुई थी। उन्होंने तत्कालीन डीएम अभिषेक सिंह का भी उल्लेख किया। इस बार 1600 वोट से हार जाने की बात कहते हुए उन्होंने इसे अपना दुर्भाग्य बताया। वीडियो वायरल होते ही राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। राजद ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए चुनाव प्रक्रिया में कथित हेराफेरी का आरोप लगाया है। टिकारी प्रत्याशी सुमंत कुमार ने बताया कि मेरे वश में सिर्फ कर्म है; परिणाम नहीं। निष्काम कर्म करते रहेंगे। इस संबंध में राजद के टिकारी विधायक अजय दांगी से बातचीत की गई।

उन्होंने कहा कि इस बार हमने 2058 मतों से जीत दर्ज की है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी जैसे वरिष्ठ नेता द्वारा इस तरह की बातें कहना शोभा नहीं देता। उनके भाषण से यह स्पष्ट होता है कि पिछली बार अनिल सिंह को 2700 मतों से जिताया गया था और यदि इस बार भी ऐसा होता, तो हमारे जैसे छोटे कार्यकर्ता को भी हराया जा सकता था।

अजय दांगी ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का सपना था कि चाहे राजा हो या फकीर, सभी को एक समान वोट का अधिकार मिले। लेकिन एक कॉल पर दो-दो हजार वोटों में हेराफेरी कर किसी को हराना और किसी को जिताना लोकतंत्र की आत्मा के खिलाफ है। उन्होंने आगे कहा कि एक-एक वोट की कीमत होती है। एक वोट से सरकार बनती है और एक वोट से सरकार गिर भी जाती है। जिस तरह से वोट की चोरी की बातें सामने आ रही हैं, वह बिहार ही नहीं बल्कि पूरे देश के लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। गौरतलब है कि 2020 के विधानसभा चुनाव में टिकारी सीट से हम पार्टी के डॉ. अनिल कुमार विजयी हुए थे।

नौकरी के नाम पर 14 लोगों से लाखों की ठगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। नौकरी दिलाने के नाम पर दो ठगों द्वारा की गई बड़ी ठगी का मामला सामने आया है। सिविल कोर्ट, पंचायती राज विभाग, नगर निगम व विद्युत विभाग में नौकरी का झांसा देकर 14 युवकों से करीब 36 लाख रुपये वसूल लिए गए।

जब वर्षों बाद भी न नौकरी मिली और न ही पैसा वापस हुआ, तो ठगी का शिकार हुए एक युवक ने मानसिक तनाव में आकर विषपान कर लिया। पीड़ित युवक की पहचान राजेंद्र नगर निवासी करीब 30 वर्षीय संदीप कुमार के रूप में हुई है, जिसका सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पीड़ित संदीप कुमार ने बताया कि वह लंबे समय से बेरोजगार था और नौकरी की तलाश में भटक रहा था। इसी दौरान उसकी मुलाकात दो युवकों से हुई, जिन्होंने सरकारी विभागों में नौकरी दिलाने का दावा किया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सिविल कोर्ट, पंचायती राज विभाग, नगर निगम और विद्युत विभाग में उसकी नियुक्ति करवा देंगे। इसके लिए उन्होंने अलग-अलग किस्तों में रुपये की मांग की।

ठगों ने यह भी कहा कि यदि वह अन्य नौकरी के इच्छुक लोगों को भी लाएगा तो उसका पैसा उसी में समायोजित कर दिया जाएगा। उनके झांसे में आकर संदीप ने अपने कई दोस्तों को इस बारे में बताया। वर्ष 2022 से सितंबर 2025 तक संदीप सहित कुल 14 युवकों से करीब 36 लाख रुपये नौकरी के नाम पर वसूल लिए गए।

लंबे समय तक इंतजार के बावजूद जब किसी को नौकरी नहीं मिली तो पीड़ित युवकों ने अपनी राशि वापस मांगनी शुरू की। इस पर आरोपी टालमटोल करते रहे और कभी नौकरी लगने तो कभी प्रक्रिया चलने का भरोसा देते रहे। इधर, जिन युवकों ने पैसा दिया था, वे संदीप पर लगातार दबाव बनाने लगे कि वह पैसा वापस दिलाए।

22 वर्षों से लगातार लोगों की जिंदगियां बचा रहे गालिब

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लातेहार। लातेहार की रातें अक्सर शांत रहती हैं, लेकिन जैसे ही एंबुलेंस की सायरन गूंजती है, वह खामोशी टूट जाती है। उस आवाज में डर भी होता है, दुआ भी और उम्मीद भी।

इसी सायरन की हर पुकार पर 22 वर्षों से मो. गालिब अपनी थकान, भूख और नींद छोड़कर निकल जाते हैं। वह जानते हैं कि हर काल के पीछे किसी की जिंदगी टंगी होती है। स्टेयरिंग थामते वक्त उनके हाथ नहीं कांपते, लेकिन दिल जरूर भारी हो जाता है।

सदर अस्पताल लातेहार में चालक के रूप में 22 वर्षों की सेवा में मो. गालिब ने सिर्फ किलोमीटर नहीं गिने, उन्होंने धड़कनें गिनी हैं। कई बार मिनटों की देरी ने मौत को मात दी, और कई बार समय हाथ से फिसल गया। गालिब कहते हैं हर मरीज मेरे लिए नया इम्तिहान होता है।

कुछ दिन पहले एंबुलेंस का पीछे का दरवाजा टूट गया। सिस्टम की रफ्तार सब जानते हैं फाइलें चलतीं, आदेश आते, वक्त गुजरता। लेकिन गालिब ने इंतजार नहीं किया। उन्होंने अपनी जेब से पैसे निकाले और मरम्मत करा दी। उनका साफ कहना है, अगर एक भी मरीज उस दरवाजे की वजह से घायल हो जाता, तो मेरी नौकरी बेमानी होती।

गालिब एंबुलेंस को मशीन नहीं मानते। वह उनके लिए सांसों की जिम्मेदारी है। ड्यूटी पर पहुंचने से पहले वे ब्रेक, सायरन, लाइट, स्ट्रेचर सब कुछ खुद देखते हैं। सहकर्मी कहते हैं, कि गाड़ी गालिब की नहीं हो तो भी देखभाल वही करेंगे।

इमरजेंसी में एंबुलेंस तेज होती है, लेकिन लापरवाही से नहीं। उबड़-खाबड़ रास्तों पर ऐसे गाड़ी चलाते हैं कि मरीज को कम से कम झटका लगे। कई डॉक्टर मानते हैं कि मरीज को स्थिर हालत में पहुंचाने का बड़ा कारण गालिब की समझदारी भरी ड्राइविंग होती है।

लातेहार के दर्जनों गांवों में इमरजेंसी के वक्त एक ही नंबर घुमाया जाता है मो. गालिब का। लोग अस्पताल से पहले उन्हें फोन करते हैं। वे गांव पहुंचते हैं, मरीज को संभालते हैं, स्वजनों को हिम्मत देते हैं। कई लोगों के मोबाइल में उनका नाम एंबुलेंस भैया एवं जीवन रक्षक सेव है।

वे स्ट्रेचर उठाते हैं, मरीज को पानी पिलाते हैं, रोते स्वजनों को ढांढस देते हैं। कई बार वे रास्ते भर मरीज का हाथ थामे रहते हैं, मानो कह रहे हों बस थोड़ी देर और।

आज जब सरकारी सिस्टम पर सवाल उठते हैं, मो. गालिब जैसे लोग जवाब बनकर खड़े हैं।

यौन उत्पीड़न रोकथाम पर सेमिनार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। गया अभियंत्रण महाविद्यालय, गया में कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम अधिनियम, 2013 के अंतर्गत शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों को उनके अधिकारों एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक दिवसीय जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन संस्थान की आंतरिक शिकायत समिति द्वारा किया गया।

सेमिनार का मुख्य उद्देश्य संस्थान में एक सुरक्षित, सम्मानजनक एवं समान कार्य वातावरण सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं संस्थान के प्राचार्य डॉ. राजन सरकार के स्वागत भाषण से हुई।

सेमिनार की मुख्य अतिथि अधिवक्ता अदिति कुमारी गुप्ता ने अधिनियम के कानूनी प्रावधानों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि यौन उत्पीड़न केवल शारीरिक संपर्क तक सीमित नहीं है, बल्कि मौखिक टिप्पणी, आपत्तिजनक व्यवहार, इशारे, संदेश अथवा अनुचित मांग भी इसके अंतर्गत आते हैं। उन्होंने महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने एवं किसी भी प्रकार की उत्पीड़न की स्थिति में शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। संस्थान की आंतरिक शिकायत समिति की पीठासीन अधिकारी डॉ. श्वेत निशा ने कछु के

सदस्यों का परिचय देते हुए शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया को सरल भाषा में समझाया। उन्होंने कहा कि ढडरल्ल कानून महिलाओं को यह अधिकार प्रदान करता है कि वे कार्यस्थल पर बिना भय एवं गरिमा के साथ कार्य कर सकें।

सेमिनार के अंत में प्रश्न-उत्तर सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समाधान किया गया। कार्यक्रम का समापन ह्यसुरक्षित कार्यस्थलह्ल की शपथ के साथ हुआ। इस अवसर पर संस्थान के डीन प्रो. आलोक मिश्रा, डॉ. एम. इकबाल, डॉ. मृणाल रंजन, श्री रितेश कुमार, डॉ. सना परवीन, सुश्री देवलीना पारई, श्री अनिल कुमार, श्री रविकांत भारती एवं श्री ओम प्रकाश रजक सहित कई शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

संपादकीय

कोहरे और प्रदूषण के बीच बढ़ी लापरवाही

गहराते प्रदूषण संकट के बीच ठंड बढ़ने के साथ ही कोहरे की मार पड़ने लगी है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर आए दिन गाड़ियों के टकराने की खबरें आ रही हैं। मंगलवार को धुंध के कारण यमुना एक्सप्रेसवे पर आगरा से नोएडा के बीच सात बसों और तीन गाड़ियों के टकराने एवं कई अन्य शहरों में भी इसी तरह की दुर्घटनाओं में 25 लोगों की जान जाने के बाद यह बहस तेज हो गई है कि जवाबदेही कौन लेगा और कैसे रोकथाम के लिए कोई रास्ता निकलेगा।अभी तक तो प्रदूषण एवं धुंध के कारण बढ़ते संकट के बीच राजनीतिक बयानबाजी भर सामने आती रही है और जिम्मेदारी से बचने की कोशिश में सत्ता प्रतिष्ठान एवं प्रशासन दिखा है। हालात ये हैं कि सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणियों का कोई असर नहीं पड़ रहा है। दिल्ली और आसपास के इलाकों में प्रदूषण की समस्या धीरे-धीरे गंभीर होती है और धुंध बढ़ने के साथ राजमार्गों पर दुर्घटनाएं बढ़ने लगती हैं। राजमार्गों पर धुंध के बीच रफ्तार पर लगाम को लेकर न कोई चेतावनी है, न कोई अंकुश।दरअसल, प्रदूषण का गहराता संकट मौसम की मार तो है ही, सरकार की अनदेखी और लापरवाही से समस्या में कई गुना बढ़ोतरी हुई है। इस तरह की दिक्कतों को लेकर चर्चा होती है, लेकिन सरकार की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते। हाल में खबर आई कि दिल्ली दुनिया की सर्वाधिक प्रदूषित राजधानी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, देश के सर्वाधिक प्रदूषित 32 शहरों में ग्यारह हरियाणा के पाए गए।स्पष्ट है कि दिल्ली और आसपास के इलाकों में आसमान में धुएं की परत के आगे बेबसी है। सरकारी स्तर पर कवायद घोषणाओं और आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित दिखती है। यही वजह है कि पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र व राज्य सरकारों को फटकार लगाई कि प्रदूषण रोकने के लिए जमीनी स्तर पर प्रयास न के बराबर हैं।दरअसल, हर साल ठंड शुरू होते ही हवा की दशा-दिशा में बदलाव के साथ ही आसमान में धुएं की परत जमने लगती है। यही वजह है कि पराली संकट व अन्य कारणों से बढ़ते प्रदूषण से चिंतित सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा कि प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहना नागरिकों का मौलिक अधिकार है।हालत यह है कि बहुत सारे लोगों के सामने सांस से संबंधित परेशानियों सहित कई तरह की मुश्किलें पैदा हो रही हैं, लेकिन अब भी प्रदूषण को कम या दूर करने के लिए कोई ईमानदार इच्छाशक्ति नहीं दिखती। जवाबदेही तय होनी चाहिए।बंपर पैदावार का श्रेय लेने वाले नेता तब कहां चले जाते हैं, जब पराली जलाने का संकट पैदा होता है? यह भी हकीकत है कि प्रदूषण संकट के मूल में सिर्फ पराली समस्या ही नहीं है।

मोदी के ओमान दौरे का बड़ा असर, खाड़ी में रणनीतिक बढ़त हासिल कर भारत ने जमाई अपनी धाक

पीएम मोदी को यह सम्मान ऐसे समय मिला है जब भारत और ओमान अपने कूटनीतिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे कर रहे हैं। पीएम मोदी की यह यात्रा उनके तीन देशों के दौरे यानि जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान की अंतिम कड़ी थी, लेकिन महत्व के लिहाज से शायद यह यात्रा सबसे भारी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ओमान की राजधानी मस्कट में उस समय ऐतिहासिक सम्मान मिला, जब सुल्तान हैथम बिन तारिक ने उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ ओमान' से अलंकृत किया। यह केवल एक सम्मान नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक हैसियत पर मुहर थी। हम आपको बता दें कि पीएम मोदी यह सम्मान पाने वाले दुनिया के उन गिने-चुने नेताओं में शामिल हो गए हैं, जिनमें महारानी एलिज़ाबेथ, नेल्सन मंडेला और जापान के सम्राट अकिहितो जैसे नाम शामिल हैं।यह सम्मान ऐसे समय मिला है जब भारत और ओमान अपने कूटनीतिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा उनके तीन देशों के दौरे यानि जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान की अंतिम कड़ी थी, लेकिन महत्व के लिहाज से शायद यह यात्रा सबसे भारी थी। मस्कट पहुंचने पर प्रधानमंत्री को औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया, जो भारत के प्रति ओमान के सम्मान और भरोसे को साफ दर्शाता है।

(नीरज कुमार दुबे)

इस दौरे की सबसे बड़ी उपलब्धि रही भारत-ओमान व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता जिसने द्विपक्षीय संबंधों को एक नई ऊंचाई दी। यह समझौता इसलिए भी ऐतिहासिक है क्योंकि इसमें पहली बार भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों यानि आयुष को औपचारिक रूप से शामिल किया गया है। ओमान ने आयुष सेवाओं और उत्पादों के लिए अपने बाजार के दरवाज़े खोल दिए हैं, जिससे खाड़ी क्षेत्र में भारत की सॉफ्ट पावर को जबरदस्त बल मिलेगा।

इसके अलावा, दोनों देशों ने संयुक्त दृष्टि दस्तावेज़ को अपनाया और समुद्री विरासत, वैज्ञानिक अनुसंधान, कौशल विकास, कृषि, नवाचार और व्यापार जैसे क्षेत्रों में कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। 'मैत्री पर्व' कार्यक्रम में प्रवासी भारतीयों और छात्रों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने भारत को तेज़ फैसले लेने वाला, समयबद्ध परिणाम देने वाला और वैश्विक मॉडल बनता देश बताया।

देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी को मिला 'ऑर्डर ऑफ ओमान' सिर्फ एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, यह उस नए भारत की अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति है जो अब झिझकता नहीं, बल्कि शर्तें तय करता है। बीते एक दशक में मोदी सरकार ने विदेश नीति को औपचारिकताओं से निकालकर रणनीति, व्यापार और सामरिक हितों की ठोस जमीन पर उतारा है। ओमान इसका ताज़ा उदाहरण है। हम आपको बता दें कि ओमान भले ही आकार में छोटा देश हो, लेकिन उसका सामरिक महत्व विशाल है। अरब सागर और हिंद महासागर के संगम पर स्थित ओमान, हॉर्मुज जलडमरूमध्य के पास है, जहां से दुनिया के एक बड़े हिस्से का तेल व्यापार गुजरता है। ऐसे में भारत और ओमान के रिश्ते केवल व्यापारिक नहीं, बल्कि गहरे सामरिक और सुरक्षा आयाम रखते हैं।

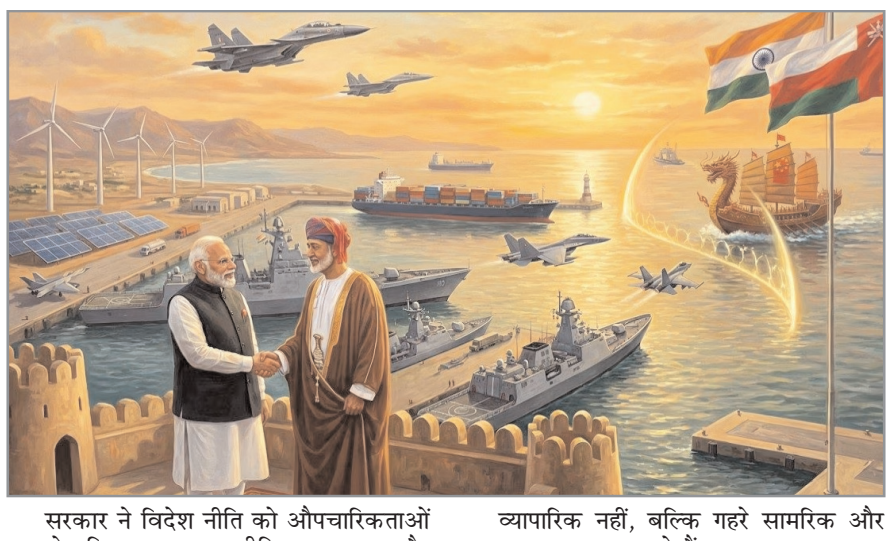

इसके अलावा, सीईपीए के ज़रिये भारत ने साफ संकेत दिया है कि वह खाड़ी क्षेत्र में केवल ऊर्जा का उपभोक्ता बनकर नहीं रहना चाहता, बल्कि निवेश, स्वास्थ्य, तकनीक और नवाचार का भागीदार बनना चाहता है। आयुष को समझौते में शामिल करना भारत की सभ्यतागत ताकत का प्रदर्शन है। यह संदेश है कि भारत अब केवल दवाइयाँ नहीं, जीवनशैली भी निर्यात करेगा।

इसके अलावा, रक्षा और समुद्री सुरक्षा के मोर्चे पर ओमान भारत का भरोसेमंद साथी रहा है। भारतीय नौसेना को ओमान के बंदरगाहों तक रणनीतिक पहुंच, हिंद महासागर में भारत की निगरानी क्षमता को कई गुना बढ़ाती है। चीन जिस तरह से इस क्षेत्र में 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' रणनीति के तहत अपने पैर पसार रहा है, उसके मुकाबले भारत-ओमान साझेदारी एक सटीक और संतुलित जवाब है।

बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा एक और संदेश देता है कि भारत अब अपनी प्रवासी भारतीय आबादी को केवल भावनात्मक पूंजी नहीं, बल्कि कूटनीतिक शक्ति मानता है। ओमान में बसे भारतीय दशकों से दोनों देशों के बीच सेतु का काम कर रहे हैं और मोदी सरकार ने इस सेतु को नीति का हिस्सा बनाया है। कुल मिलाकर, ओमान में मिला सम्मान, ष्ट्रअक्र पर हस्ताक्षर और रणनीतिक संवाद, तीनों मिलकर यह साबित करते हैं कि भारत अब वैश्विक मंच पर अनुगामी नहीं, निर्णायक भूमिका में है। यह कूटनीति दिखावे की नहीं, परिणाम देने वाली है। और यही वजह है कि आज जब प्रधानमंत्री मोदी को सम्मान मिलता है, तो वह केवल व्यक्ति का नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास का सम्मान होता है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जेहादी आतंकवाद की कोई सीमा नहीं होती

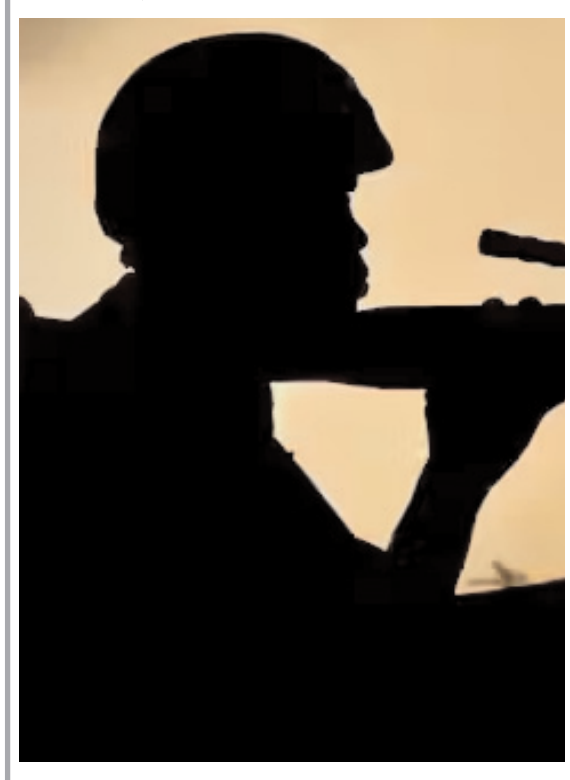

(विभूति बुपक्या)

ऑस्ट्रेलिया में यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर किया गया आतंकवादी हमला केवल एक देश या समुदाय पर हमला नहीं था, बल्कि यह आधुनिक विश्व के लिए एक खौफनाक चेतावनी है कि जेहादी आतंकवाद किसी भौगोलिक सीमा को नहीं मानता। हनुक्का पर्व के अवसर पर जब यहूदी परिवार उत्सव और आस्था के साथ समुद्र तट पर एकत्रित थे, तभी उन पर सुनियोजित ढंग से हमला किया गया। हमलावरों की पहचान सामने आने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि वे कट्टरपंथी इस्लामी विचारधारा से प्रेरित थे।

यह घटना इस बात का प्रमाण है कि धार्मिक घृणा और वैश्विक कट्टरपंथ किस हद तक मानवता के खिलाफ खड़ा हो चुका है। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने इस हमले को आतंकवादी कृत्य घोषित किया, पर उस पर यह आरोप भी लगे कि उसने पहले से सक्रिय चरमपंथी इस्लामी गुटों को हल्के में लिया। यह हमला गाजा में हमास और इजरायल के बीच चले लंबे संघर्ष की प्रतिक्रिया के रूप में भी देखा जा रहा है, जिससे साफ होता है कि मध्य-पूर्व की आग अब पश्चिमी देशों की सड़कों तक पहुंच चुकी है। दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य यह है कि वैश्विक समुदाय आज भी आतंकवाद की एक सर्वमान्य परिभाषा तय नहीं कर पाया है और इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि आतंकवादी संगठनों को संरक्षण, फंडिंग और वैचारिक समर्थन देने वाले देशों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई नहीं की जाती। ऐसे देशों में पाकिस्तान का नाम बार-बार सामने आता है, जहां आतंकवाद को कभी 'रणनीतिक संपत्ति', तो कभी 'राजनीतिक हथियार' के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है।

आतंकवाद की सबसे खतरनाक सच्चाई यह है कि इसके सहयोगी केवल जंगलों या सीमापार ठिकानों में छिपे नहीं होते, बल्कि समाज के भीतर बैठे रसूखदार लोग, धनदाता, वैचारिक समर्थक और राजनीतिक संरक्षक भी होते हैं। केवल हमलों की निंदा करने से आतंकवाद नहीं रुक सकता। इसके लिए विश्व समुदाय को दिखावटी नैतिकता से बाहर निकलकर ठोस इच्छाशक्ति दिखानी होगी, आतंक को पालने वाले देशों को अलग-थलग करना होगा और उनके खिलाफ वास्तविक आर्थिक व कूटनीतिक कार्रवाई करनी होगी। इतना ही नहीं, जनता को भी सजग रहने की जरूरत है, क्योंकि कट्टरपंथ की पहली पहचान अक्सर आसपास के व्यवहार, भाषा और सोच में दिखाई देती है। जब तक आतंकवाद के समर्थकों, संरक्षकों और विचारधारात्मक पोषकों को चिह्नित करके कुचला नहीं जाएगा, तब तक ऑस्ट्रेलिया जैसी घटनाएं मानवता को शर्मसार करती रहेंगी।

डायबिटीज के मरीजों के लिए अमृत हैं ये फल, दिल की बीमारियां रहेंगी दूर

(अनन्या मिश्रा)

फलों के चुनाव को लेकर डायबिटीज के मरीजों में कंफ्यूजन बना रहता है कि कौन सा फल उनके लिए सुरक्षित है और कौन सा नहीं। ऐसे में आज हम आपको ऐसे 6 फलों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका प्राकृतिक रूप से ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है।

पके हुए ताजे फल खाने से शरीर पर वैसा असर नहीं होता है, जैसा प्रोसेस्ड और शुगर से भरपूर फूड आइटम जैसे पेस्ट्री और केक जैसी चीजों को खाने से पड़ता है। बता दें कि फलों में फाइबर और पानी की एक सुरक्षा परत होती है। फल विटामिन्स, पॉलीफेनॉल एंटीऑक्सीडेंट और मिनरल्स से भरपूर होते हैं। साबुत और ताजे फलों का सेवन करने से डायबिटीज के मरीजों में ब्लड ग्लूकोज काफी हद तक कम हो जाता है। हालांकि फलों के चुनाव को लेकर डायबिटीज के मरीजों में कंफ्यूजन बना रहता है कि कौन सा फल उनके लिए सुरक्षित है और कौन सा नहीं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ऐसे 6 फलों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका प्राकृतिक रूप से ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है।

जानिए क्या है फलों का सुरक्षित डोज: एक स्टडीज के अनुसार, डायबिटीज से पीड़ित जो मरीज फल खाते हैं, उनको दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है। इसके बाद भी इन मरीजों को एक तय मात्रा में फल खाने की सलाह दी जाती है।

एक्सपर्ट के अनुसार, एक बारे में ढेर सारा फल खाने की बजाय पूरे दिन में इसको तीन हिस्सों में बांटे। फिर इनके खाने के समय के बीच में गैप रखें। एक बारे में दो बड़े चम्मच से लेकर एक चौथाई कप तक फल खाना सुरक्षित होता है।

सेब: सेब का सेवन करने से न सिर्फ ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है। बल्कि सेब में घुलनशील फाइबर, विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

नाशपाती: नाशपाती में 84 प्रतिशत तक पानी पाया जाता है। वहीं इस फल में काफी सारा विटामिन और फाइबर भी पाया जाता है, जोकि ब्लड शुगर के लेवल को कंट्रोल करने में मदद करता है। लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स होने के साथ यह शरीर इंसुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाता है।

एवोकोडो: एवोकाडो हेल्दी फैट्स और पोटेशियम से भरपूर होता है। यह फल डायबिटीज के मरीजों के लिए लाभकारी होता है। यह बैड कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड के लेवल को कम करता है। इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स डायबिटीज मरीजों के लिए कम और सुरक्षित माना गया है।

अनार: डायबिटीज के मरीजों के लिए अनार काफी फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि अनार ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में सहायता करता है।

पपीता: पपीता में ढेर सारे पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो इसको डायबिटिक के लिए हेल्दी बनाते हैं। बल्कि हार्ट डिजीज से बचाव करने के लिए भी यह फायदेमंद है। पपीता में एंजाइम पाया जाता है, जो फ्री रेडिकल से बचाता है।

संतरा: संतरा डायबिटीज के अलावा भी कई बीमारियों में फायदेमंद माना जाता है। संतरा में फाइबर, विटामिन सी और बी1 पाया जाता है और इसमें शुगर की मात्रा भी कम होती है। जिससे ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है। संतरा में 87 प्रतिशत तक पानी होता है और ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी कम होता है। इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें।

उच्च शिक्षा को विश्व स्तरीय बनाने का गंभीर प्रयास

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने संसद में 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बिल-2025' पेश कर दिया है। यह बिल अभी संसदीय विमर्श की प्रक्रियाओं से गुजर रहा है, इसलिए इसके प्रभावों पर विचार करने का यही उचित समय है। इसे पेश करते वक्त इसके अनेक सकरात्मक परिणामों की चर्चा की गई, पर शिक्षा जगत में इसे लेकर कुछ उलझनें भी हैं, जिनकी थोड़ी अभिव्यक्ति मीडिया विमर्शों में दिख रही है। समाज जैसे-जैसे जटिल होता जाता है, शिक्षा के संचालन की प्रक्रियाएं भी जटिल होती जाती हैं, इसलिए जरूरी होता है कि समय-समय पर इसके ढांचों में जरूरी परिवर्तन किए जाएं। गुलाम भारत में शिक्षा संचालन का एक ढांचा था। आजादी के बाद एक नया ढांचा विकसित किया गया, जो एक प्रकार से औपनिवेशिक ढांचे से देश को मुक्त करने की कोशिश थी। मगर यह मकसद एक बार के सुधारों से पाना मुश्किल था, इसलिए समय और जरूरतों के हिसाब से भारतीय शिक्षा व्यवस्था में बदलाव किए जाते रहे हैं। नई शिक्षा नीति-2020 इसी क्रम में भारतीय शिक्षा को औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त करने के एक बड़े प्रयास के रूप में सामने आई।

(बद्री नारायण)

साफ है, भारत की उच्च शिक्षा अभी कई बड़े रूपांतरणों से गुजर रही है। इसे एक प्रकार से भारतीय युवा वर्ग की आकांक्षाओं के प्रति-उत्तर के रूप में भी देखा जा सकता है। भारतीय युवा वर्ग की, जिनकी संख्या 37 करोड़ के आस-पास है और जो देश के विकास का सबसे प्रभावी उत्तोलक भी है, क्षमता-वृद्धि और ज्ञान के विकास की जिम्मेदारी हमारी उच्च शिक्षा पर है। यह वर्ग अब ऐसी शिक्षा व्यवस्था चाहता है, जो त्वरित, आसान और गुणात्मक हो।

दूसरी बात, भारत दुनिया की एक बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में विकसित हो रहा है। ऐसे में, हमें ऐसी शिक्षा व्यवस्था की जरूरत है, जिसमें प्रक्रियाओं का संजाल न हो और शिक्षा से जुड़ी सूचनाएं हम तक आसानी से पहुंच सकें। विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बिल-2025 ऐसी ही व्यवस्था बनाने का प्रस्ताव है, जिसमें शिक्षा व्यवस्था को भ्रम संजाल, कई जरूरी प्रस्तावों में विलंब की परिपाटी और अनेक खंडों में खंडित संचालन-व्यवस्था से मुक्ति मिल सकेगी।

अभी जो शिक्षा व्यवस्था है, उसमें अनेक नियामक संस्थाएं कार्यरत हैं। संचालन, मानकीकरण और गुणात्मकता अवलोकन के लिए कार्यरत संस्थाओं में ऑर्गेनिक संबंधिता की कमी है। लिहाजा, इस बिल से

जो ढांचा उभरेगा, उसमें शिक्षा व्यवस्था की जटिल प्रक्रियाओं को सरल बनाना संभव हो सकेगा। यूजीसी, एआईसीटीई जैसी कई नियामक संस्थाओं के संजाल से मुक्ति दिलाकर एक अत्यंत पारदर्शी तकनीक-आधारित नियामक ढांचा विकसित किया जाएगा, जिससे भारतीय उच्च शिक्षा व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन संभव है। फंडिंग से लेकर उच्च शिक्षा संस्थाओं के मूल्यांकन, नामांकन, संस्थानों को खोलने की अनुमति तक- सबमें अभी जो विलंब होता है, उससे छुटकारा मिल सकेगा। इस अधिनियम के तहत तीन स्वतंत्र परिषदें बनाने का प्रस्ताव है, जो मानकीकरण, विनियमीकरण और मान्यता देने का काम करेगी। इन संस्थाओं को फंडिंग, वितरण एवं संचालन जैसे कामों से दूर रखा जाएगा। यह एक सुचिंतित कदम है, क्योंकि हम लोगों ने महसूस किया है कि यूजीसी का ज्यादा समय वित्त संचालन में जाया होता था। नए बिल से जो व्यवस्था बनेगी, उससे अति केंद्रीकरण की प्रवृत्ति बढ़ने की आशंका जरूर जताई गई है, पर इससे अनेक स्तरों पर अनुमति के संजाल, शिक्षा के संचालन में निहित भ्रम के तत्व और प्रशासनिक जटिलताओं को सरल बनाने में ही मदद मिलेगी। इससे छात्रों के शैक्षिक जीवन में विलंब तो खत्म होगा ही, डिजिटली शक्तिवान युवाओं के लिए उच्च शिक्षा से जुड़ी सूचनाएं बिना किसी दोष के सुलभ रहेंगी। यह उन्हें गुणवत्तापूर्ण रोजगार से जोड़ पाएगा। जाहिर है, यह बिल अगर संवेदनशील और प्रभावी ढंग से व्यवहार में उतारा जाए, तो इससे ऐसी शिक्षा व्यवस्था बन सकेगी, जो देश में कार्य शक्ति, ज्ञान शक्ति एवं विचार शक्ति, तीनों को विकसित करेगी। विकसित भारत के लक्ष्य को पाने के लिए यह किया जाना जरूरी है। (लेखक कुलपति, टीआईएसएस है)(ये लेखक के अपने विचार हैं)

प्रमुख सड़कों से हटाया गया अतिक्रमण, वसूला गया जुर्माना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार नगर। शहर को जाम की समस्या से मुक्ति दिलाने और सड़कों को व्यवस्थित करने के लिए नगर निगम प्रशासन लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम मे शुक्रवार को व्यापक स्तर पर अतिक्रमणमुक्त अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान शहर के सबसे व्यस्त इलाकों में शामिल सदर अस्पताल रोड से लेकर न्यू मार्केट तक प्रशासन का सख्त रुख देखने को मिला।

नगर निगम की टीम ने शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों पर धावा बोला। सदर अस्पताल रोड, विनोदपुर व गर्ल्स स्कूल रोड तथा एमजी रोड व न्यू मार्केट के सड़कों तक फैली अतिक्रमण को निगम कर्मियों की मदद से हटाया गया। अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ निगम अधिकारियों ने स्वच्छता मानकों की भी जांच की। अभियान के दौरान कई दुकानों में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग और भंडारण पाया गया। पर्यावरण नियमों के उल्लंघन पर नगर निगम ने कड़ा रुख अपनाते हुए मौके पर ही दुकानदारों से जुमार्ना भी वसूला। नगर आयुक्त संतोष कुमार ने कहा कि शहर की सड़कों पर अवैध कब्जा किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। फुटपाथ विक्रेताओं को निर्धारित जोन में ही दुकान लगाने के निर्देश दिए गए हैं। यह अभियान आने वाले दिनों में भी निरंतर जारी रहेगा ताकि शहरवासियों को जाम से स्थायी निजात मिल सके। मौके पर दो दर्जन से अधिक नगर निगम के अधिकारी व कर्मी मौजूद रहे।

कोहरे का सितम : कनकनी बढ़ने से जनजीवन अस्त-व्यस्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

स्कूली बच्चों की भी बढ़ी मुश्किलें

कटिहार नगर। जिले में पिछले दो दिनों से मौसम ने अचानक करवट ली है। घने कोहरे और पछुआ हवा के कारण कनकनी में भारी इजाफा हुआ है, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। आलम यह है कि पिछले तीन-चार दिनों तक खिली धूप के बाद अब लोग सुबह-शाम ठिठुरने को मजबूर हैं।

घने कोहरे का सबसे ज्यादा असर यातायात पर पड़ा है। अहले सुबह से लेकर सुबह 10 बजे तक दृश्यता इतनी कम रहती है कि सड़कों पर वाहनों की रफ्तार पर मानो ब्रेक लग गया हो। वाहन चालक हेडलाइट और इंडिकेटर जलाकर रेंगने को मजबूर हैं। घने कोहरे के कारण आए दिन दुर्घटनाओं का अंदेशा भी बना रहता है, जो वाहन चालकों के लिए बड़ी परेशानी का सबब बन रहा है।बतादे कि पछुआ हवा के बहने से वातावरण में कनकनी बढ़ गई है। सुबह और शाम के वक्त हाड़ कपाने वाली ठंड महसूस की जा रही है। लोग ठंड से बचने के लिए अलाव और गर्म कपड़ों का सहारा ले रहे हैं। अचानक बढ़ी इस ठंड ने दैनिक मजदूरों और राहगीरों की मुश्किलों को दोगुना कर दिया है। भीषण ठंड और कोहरे के बीच विद्यालय जाने वाले छोटे-छोटे बच्चों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सुबह के समय घने कोहरे के कारण बच्चों को स्कूल पहुँचने में असुरक्षा और अत्यधिक ठंड का सामना करना पड़ रहा है।

भूमिका विहार की ओर से एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। भूमिका विहार की ओर से शहर के एक निजी होटल सभागार में एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अभिलाषा परिवार स्वयंसेवी संस्था ने स्थानीय आयोजक की भूमिका निभाई। कार्यशाला में सीमांचल क्षेत्र के कटिहार, पूर्णिया, अररिया एवं किशनगंज जिलों से लगभग 100 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता की। जिनमें स्थानीय संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं दुर्गा जत्था की किशोरियाँ प्रमुख रूप से शामिल रहीं।कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य मानव तस्करी, बदलते स्वरूप में हो रही डिजिटल माध्यमों से तस्करी, एआई कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दुरुपयोग, तथा इसके बच्चों एवं युवाओं के जीवन पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों पर गंभीर चर्चा करना रहा।कार्यक्रम का संचालन राजेश कुमार सिंह सचिव अभिलाषा परिवार स्वयंसेवी संस्था सह अध्यक्ष बाल कल्याण समिति कटिहार ने की।

भूमिका विहार की निदेशक शिल्पी सिंह ने कार्यक्रम के उद्देश्यों, वर्तमान सामाजिक चुनौतियों और सामुदायिक जागरूकता की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर खुशबू और नंदनी को उनके समाज में रोल मॉडल बनने तथा परिवार की पहली स्नातक होने के लिए दस हजार 10,000 का प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया। अतिथियों का स्वागत पारंपरिक रूप से तुलसी के पौधे भेंट कर किया गया।बाल अधिकार विशेषज्ञ सुनील झा ने अपने संबोधन में कहा कि कभी नौकरी का झूठा ऑफर देकर तो कभी फर्जी पहचान फेक आईडी बनाकर ये दलाल बेहद आसानी से बच्चों, लड़कियों और युवाओं को अपने जाल में फँसा लेते हैं। डिजिटल दुनिया में बढ़ती सक्रियता के साथ सतर्कता और सही जानकारी ही सबसे बड़ा बचाव है। डालसा सचिव कमलेश देवू ने सरकार द्वारा संचालित बाल विवाह मुक्त अभियान आशा की जानकारी साझा की। एडीसीपी श्री रवि शंकर तिवारी ने मोबाइल और सोशल मीडिया के माध्यम से दोस्ती के नाम पर होने वाली ठगी से सावधान रहने का संदेश दिया और यह पहचानने की आवश्यकता पर जोर दिया कि कौन बहला-फुसला रहा है।

डीपीओ माध्यमिक शिक्षा रवि रंजन ने बच्चों की शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए कहा कि विद्यालयों में भी इन विषयों पर खुली चर्चा होनी चाहिए।पुलिस इंस्पेक्टर एमडी सैयद आलम ने बताया कि कई मामलों में बच्चे केवल ऑनलाइन बातचीत के आधार पर घर छोड़ देते हैं। उन्होंने कानूनी व सामाजिक प्रयासों के साथ-साथ अभिभावकों को भी डिजिटल ठगों से सतर्क करने की आवश्यकता पर जोर दिया। पंचायती राज अधिकारी मित्तल कुमार ने आम सभा बैठकों में इन मुद्दों को उठाकर लोगों को जागरूक करने की जरूरत बताई। जिला पारिषद अध्यक्ष श्रीमती रश्मि सिंह ने कहा कि गाँव-गाँव जाकर बच्चों के साथ-साथ ग्रामीणों को भी जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति कटिहार के सदस्य अरुण कुमार चौबे, अभिलाषा परिवार के विनोद पोद्दार सहित भूमिका बिहार के रविश कुमार, आशुतोष कुमार सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने अपनी बातों को रखा। कार्यक्रम में नेहा, रिया, सुमन, अंजली, जयंती, खुशी, चाँदनी, पार्वती, अनुराधा, ब्यूटी, ज्योति, ऋतु, शोभा, डिम्पल सहित अनेक दुर्गा जत्था की बेटियों ने सक्रिय भागीदारी की और अपने अनुभव साझा किए। कार्यशाला का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि समुदाय, संस्थाएँ और प्रशासन मिलकर बच्चों एवं युवाओं को तस्करी और डिजिटल शोषण से सुरक्षित रखने हेतु निरंतर प्रयास करेंगे।

मनरेगा कानून खत्म करने के विरोध में प्रखंड मुख्यालय में धरना प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही/कटिहार। मनसाही प्रखंड मुख्यालय के मैदान में मनरेगा कानून खत्म करने के विरोध में मनसाही प्रखंड के विभिन्न पंचायत के मनरेगा मजदूरों ने जॉब कार्ड के साथ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। पर्ची जलाकर विरोध जताया। इस मौके पर प्रदर्शन का नेतृत्व जन जागरण शक्ति संगठन के प्रतिनिधि सह चित्तौड़िया पंचायत के मुखिया दीप नारायण पासवान एवं पूर्व सरपंच चितौड़िया जितेंद्र पासवान ने किया।

इस मौके पर मजदूरों ने कहा कि मनरेगा के तहत उन्हें कई लाभ मिल रहे थे जो इस कानून के खत्म होने से वे सभी लाभ बंद हो जाएगें। मजदूरों ने कहा कि सरकार के द्वारा 100 दिन का रोजगार का गारंटी, तय समय पर मजदूरी भुगतान, सरकारी कार्य मनरेगा मजदूरों से ही लिए जाते थे। मगर नए कानून आने के बाद मजदूरों का काम का अधिकार छीन लिया जाएगा। एक साल में 60 दिन काम बंद रहेगा, राज्यों के ऊपर बोझ बढ़ने से मजदूरों को काम मिलना मुश्किल होगा, नए कानून में केंद्र की मनमर्जी चलेगी, नए कानून में महात्मा गांधी का नाम हटाना शर्मनाक हैं। इस अवसर पर पूर्व सरपंच सह जन जागरण शक्ति संगठन के प्रतिनिधि जितेंद्र पासवान, चितौड़िया मुखिया दीप नारायण पासवान, समाजसेवी भोला साह, अरुण यादव, नीला देवी आदि ने जनहित एवं मजदूरों से जुड़े मनरेगा कानून को खत्म ना करने एवं जी राम जी कानून संसद में पारित नहीं होने देने की मांग की। धरना प्रदर्शन के बाद मजदूरों का एक शिष्टमंडल, प्रखंड विकास पदाधिकारी मनसाही सुमन कुमारी को एक मांग पत्र भी सौंपा। इस अवसर पर मजदूर विवेक कुमार, सुनील परिहार, रघुनंदन कुमार, मोहम्मद मुदिण मियां, शंभू कुमार, अमन सिंह, दीपक कुमार आदि सैकड़ों महिला पुरुष मजदूर मौजूद रहे ।

स्कूल में छात्रा के बेहोश होने पर अस्पताल में भर्ती कराया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार नगर। नगर क्षेत्र स्थित एनबीटी इस्लामिया विद्यालय में गुरूवार को छात्रा साहिबा परवीन अचानक बेहोश होकर गिर पड़ी। ?छात्रा के बेहोश होते ही विद्यालय प्रबंधन ने तत्परता दिखाते हुए स्थिति को संभाला।

प्रबंधन द्वारा तुरंत एम्बुलेंस बुलाई गई और छात्रा को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया। साथ ही, स्कूल प्रशासन ने सहिबा के परिजनों को घटना की तत्काल सूचना दी, जिसके बाद परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। सहिबा के परिजनों ने बताया कि वह हर दिन की तरह सामान्य रूप से घर से स्कूल के लिए निकली थी। घर से निकलते समय उसे कोई स्वास्थ्य संबंधी परेशानी नहीं थी। अचानक हुई इस घटना से परिवार के सदस्य चिंतित हो गए थे, लेकिन समय पर इलाज मिलने से उन्होंने राहत की सांस ली है।?अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने छात्रा की स्थिति को 'सामान्य' और 'खतरे से बाहर' बताया है। डॉक्टरों का कहना है कि शुरूआती जांच में ऐसा प्रतीत होता है कि क्षेत्र में बढ़ रही अत्यधिक ठंड और शीतलहर की वजह से छात्रा की तबीयत बिगड़ी और वह बेहोश हो गई। सर्दियों में बच्चों को खास सावधानी बरतने की जरूरत है।

अभाविप डीएस कॉलेज इकाई का हुआ गठन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार नगर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से संगठनात्मक विस्तार करते हुए स्थानीय डीएस कॉलेज इकाई का पुनर्गठन किया गया। संगठन की मजबूती और छात्र हितों के लिए समर्पित सक्रिय कार्यकताओं को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इकाई गठन के दौरान छात्र नेताओं ने संकल्प लिया कि वे परिसर में शैक्षणिक माहौल को बेहतर बनाने और छात्रों की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। प्रणव यादव को कॉलेज अध्यक्ष, शिवम यादव को उपाध्यक्ष, जितेंद्र पासवान को उपाध्यक्ष, प्रिंस श्रीवास्तव को कॉलेज मंत्री तथा कइ अन्य लोगो को विभिन्न जिम्मेदारियां दी गई है। कार्यकारिणी की घोषणा के बाद कार्यकताओं में हर्ष का माहौल है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेताओं ने नवमनोनीत पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन के सिद्धांतों पर चलने की प्रेरणा दी।

पूर्व शिक्षक ने विद्यालय में दिया 'तिथि भोज'

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आजमनगर/कटिहार। शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक और शिष्य का रिश्ता अटूट होता है। इसकी बानगी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत अरिहाना स्थित मध्य विद्यालय में देखने को मिली। विद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षक विवेकानंद राय ने बच्चों के साथ अपना समय साझा करते हुए 'तिथि भोज' का आयोजन किया।

इस दौरान उन्होंने बच्चों को अपने हाथों से पूड़ी, सब्जी, खीर और जलेबी परोसी।इस अवसर पर विवेकानंद राय ने कहा, "रिटायरमेंट के बाद भी बच्चों के बीच आना मुझे आत्मिक संतोष देता है। इन बच्चों से जो स्नेह मिला, वही मेरी असली पूंजी है।" कार्यक्रम में मौजूद प्रखंड समन्वयक जयजीव मंडल और मुखिया विजय प्रकाश केवट ने इस पहल को अनुकरणीय बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है और बच्चों में अपनत्व की भावना बढ़ती है।इस दौरान विद्यालय के प्रधानाध्यापक रंजन कुमार विश्वास, वरीय शिक्षक श्यामा दिवस, शिक्षक विप्लव कुमार, राजकपूर कुशवाहा, अर्जुन विश्वास, सुबोध कुमार,आदित्य राज, जयंत मंडल, मुरारी कुमार, पूजा सिंह,अनुजा भारती सहित अन्य मौजूद रहे।

कोढ़ा पुलिस की बड़ी कार्रवाई : हरियाणा से चोरी हुए 12 लाख रुपये बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोढ़ा /कटिहार। जिला पुलिस ने अंतरराज्यीय समन्वय का बेहतरीन उदाहरण पेश करते हुए हरियाणा में हुई एक बड़ी चोरी का खुलासा किया है। कोढ़ा थाना पुलिस ने मुजेर थाना, फरीदाबाद हरियाणा में दर्ज चोरी के एक मामले में कार्रवाई करते हुए 12 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। हरियाणा के फरीदाबाद जिले के मुजेर थाने में चोरी का एक मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान इसके तार कटिहार से जुड़े पाए गए। कोढ़ा थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद अभियुक्त रब्बो यादव के पैतृक आवास नया टोला जुराबगंज पर विधिवत छापेमारी की। इस छापेमारी के दौरान पुलिस ने चोरी की गई पूरी राशि यानी 12 लाख रुपये सफलतापूर्वक बरामद कर लिया। कटिहार पुलिस ने सभी कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करते हुए बरामद की गई राशि को विधिवत रूप से हरियाणा पुलिस की टीम के सुपुर्द कर दिया है।

डाटा एंट्री ऑपरेटर की ओर से अवैध रुपया मांगने की शिकायत, वार्ड सदस्य ने जिला पदाधिकारी से की बात

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही/कटिहार। प्रखंड मुख्यालय में कार्यरत पेंशन के डाटा एंट्री ऑपरेटर मनोज कुमार जो की विकलांग पेंशन, विधवा पेंशन, वृद्ध जन पेंशन, पारिवारिक लाभ, कबीर अंत्येष्टि आदि पेंशन पास करने के एवज में पांच सौ से एक हजार रुपए की मांग को लेकर साहेबनगर पंचायत के वार्ड संख्या तीन के वार्ड सदस्य मो. खुशबूर ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मनसाही प्रखंड मुख्यालय में पेंशन देख रहे मनोज कुमार अक्टूबर माह में प्रखंड में योगदान किए हैं, तब से लेकर अब तक बगैर चढ़ावा लिए किसी का भी पेंशन पास नहीं करते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रखंड के लोग ऑनलाइन पेंशन के लिए आवेदन कर देते हैं लेकिन जो लोग प्रखंड मुख्यालय जाकर पांच सौ से एक हजार नहीं देते हैं, उनका पेंशन चालू नहीं किया जाता हैं, जो व्यक्ति पेंशन के लिए पांच सौ से एक हजार रुपए दे देते हैं। बगैर कोई कागजात जांच किए ही उनका पेंशन चालू हो जाता हैं। ऑनलाइन किए आवेदक अपना स्टेटस चेक करते हैं उसमें सभी कागजात देने के बावजूद भी ऑनलाइन आवेदन को बिना बेवजह निरस्त कर देते हैं। इस बाबत जब डाटा एंट्री ऑपरेटर मनोज कुमार से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हमें ऊपर भी खर्चा पानी देना पड़ता हैं।नहीं दोगे तो आवेदन रद्द किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मनसाही प्रखंड में जब से प्रखंड विकास पदाधिकारी ने योगदान किया हैं। भ्रष्टाचार चरम सीमा पर हैं। इससे प्रखंड के जनप्रतिनिधि परेशान हैं।साथ ही विकास का कार्य रुका हुआ हैं। उन्होंने कहा कि लगातार छः सात माह से एक भी व्यक्ति का पेंशन चालू नहीं हुआ हैं,कागजात सही रहने के बाद भी सभी को रद्द किया जाता हैं, प्रखंड के डाटा एंट्री ऑपरेटर की मनमानी चरम सीमा पर हैं, उन्होंने कहा कि इस बाबत मैंने जिला पदाधिकारी कटिहार को आवेदन सौंपने गए जिस पर जिला पदाधिकारी छुट्टी में रहने के कारण जिला पदाधिकारी का प्रभार देख रहे डीडीसी कटिहार को डाटा एंट्री ऑपरेटर की मनमानी के खिलाफ आवेदन सौंप कर कार्रवाई की मांग किए हैं। वहीं वार्ड सदस्य प्रतिनिधि वार्ड संख्या 9 भोपाल पासवान ने भी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं डाटा एंट्री ऑपरेटर पर मनमानी करने की बात कही। इस अवसर पर मनसाही संवाददाता ने जब प्रखंड विकास पदाधिकारी सुमन कुमारी से दूरभाष से इस बात की जानकारी ली तो उन्होंने बताया कि आवेदक से रुपए की मांग की जाती हैं तो आवेदक लिखित आवेदन करें,डाटा एंट्री ऑपरेटर के ऊपर कारवाई की जाएगी। इस अवसर पर साहेबनगर पंचायत के वार्ड संख्या तीन के वार्ड सदस्य मो. खुशबूर,वार्ड संख्या नौ के वार्ड सदस्य प्रतिनिधि भोपाल पासवान,पंच सदस्य वार्ड संख्या नौ धर्मदेव पासवान,वार्ड संख्या 14 पंचायत मोहनपुर के पंच सदस्य अबू सुफियान सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

जयमाला शिक्षा निकेतन विद्यालय में हाउस स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। शहर के जयमाला शिक्षा निकेतन विद्यालय में चल रहे टैलेंट हंट कार्यक्रम में शैक्षणिक गतिविधियों के अंतर्गत हाउस-स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में स्वामी विवेकानंद हाउस, डॉ. कलाम हाउस, गांधी हाउस एवं नायडू हाउस के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

क्विज प्रतियोगिता में सामान्य ज्ञान, विज्ञान, गणित, समसामयिक विषयों एवं नैतिक मूल्यों से संबंधित प्रश्न पूछे गए, जिनका विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास और त्वरित सोच के साथ उत्तर दिया। प्रतियोगिता का माहौल अत्यंत रोचक और प्रतिस्पर्धात्मक रहा।इस अवसर पर संबोधित करते हुए विद्यालय के अकादमिक इंचार्ज एजिकल संगमा ने कहा कि टैलेंट हंट का उद्देश्य केवल सांस्कृतिक प्रतिभाओं को ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता, तर्कशक्ति और टीम भावना को भी विकसित करना है। उन्होंने बताया कि क्विज प्रतियोगिता जैसे आयोजन बच्चों में ज्ञानवर्धन के साथ-साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ाते हैं।सभी शिक्षक इस मौके पर किए गए सहयोग के धन्यवाद दिया सिर्फ शिक्षक ही नहीं बल्कि विद्यालय के सभी टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ का सहयोग कबीले तारीफ है साथ ही बच्चों के उत्साह सबसे अधिक मनमोहक है और अभिभावकों का सहयोग और समर्थन दिल को छू लिया। श्री संगमा ने कहा कि हाउस सिस्टम के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सहयोग की भावना विकसित होती है। उन्होंने सभी प्रतिभागी छात्रों की सराहना की तथा शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

कर्ज में फंसी कंपनी को राहत, 3300 करोड़ का हुआ इंतजाम

नईदिल्ली, एजेंसी। वोडाफोन आइडिया के शेयर कल शुक्रवार को कारोबार के दौरान फोकस में रह सकते हैं। दरअसल, कंपनी ने आज गुरुवार को कहा कि उसकी सब्सिडियरी वीआईटीआईएल ने गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर जारी कर 3,300 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने कहा कि इस रकम का इस्तेमाल वीआईटीआईएल वोडाफोन आइडिया को अपने भुगतान दायित्व चुकाने के लिए करेगी और इससे दूरसंचार परिचालक को अपने पूंजी व्यय को बढ़ाने और व्यवसाय विकास को समर्थन करने में मदद मिलेगी। वोडाफोन आइडिया के शेयर आज गुरुवार को करीबन 2 पर्सेंट तक चढ़कर 11.33 रुपये पर बंद हुए। बयान में कहा गया है, ''वोडाफोन आइडिया ने आज अपनी अनुषंगी कंपनी वोडाफोन आइडिया टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा जारी गैर-सूचीबद्ध, गैर-वर्गीकृत, सुरक्षित गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) के माध्यम से 3,300 करोड़ रुपये सफलतापूर्वक जुटाने की घोषणा की।'' इधर, एयरटेल में मैनजमेंट लेवल पर बड़ा बदलाव हुआ है। कंपनी के मौजूदा प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) गोपाल विट्टल आगामी एक जनवरी से पदोन्नत होकर कार्यकारी उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालेंगे। एयरटेल ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि विट्टल की जगह शाश्वत शर्मा कंपनी के नए एमडी एवं सीईओ की जिम्मेदारी संभालेंगे। वह विट्टल को रिपोर्ट करेंगे। इसके अलावा कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) सोमेन रॉय पूरे भारती समूह के मुख्य वित्तीय अधिकारी की जिम्मेदारी संभालेंगे। वह चार साल से अपने मौजूदा पद पर हैं। उनकी जगह मौजूदा वित्त नियंत्रक एयरटेल के नये सीएफओ होंगे। भारती एयरटेल के अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल ने कहा, मैं एयरटेल में नेतृत्व के उत्तराधिकार और परिवर्तन से अत्यंत प्रसन्न हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि गोपाल और शाश्वत दोनों इस गति को आगे बढ़ाते रहेंगे।

भारत-अमेरिका ने घटाई, जापान के सेंट्रल बैंक ने बढ़ाई ब्याज दरें

नई दिल्ली, एजेंसी। जापान के सेंट्रल बैंक बैंक ऑफ जापान ने ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। इससे देश में ब्याज दरें तीन दशक में सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई हैं। बैंक ने साथ ही यह भी संकेत दिया है कि वह अगले साल के बाद भी ब्याज दरें बढ़ा सकता है। यह कदम दशकों से चल रहे बड़े मौद्रिक समर्थन और लगभग शून्य उधार लागत को खत्म करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे पहले आरबीआई और फिर अमेरिका के फेड रिजर्व ने हाल ही में ब्याज दरों में कटौती की थी। जापान दुनिया की पांचवीं बड़ी इकॉनमी है। बैंक ऑफ जापान का मानना है कि जापान अब स्थिर रूप से अपने 2 प्रतिशत महंगाई लक्ष्य को हासिल करने की राह पर है। यह वेतन वृद्धि के कारण संभव हुआ है। इसलिए, बैंक मौद्रिक नीति को सामान्य बनाने के लिए तैयार है। बैंक ने एक बयान में कहा, नीति में बदलाव के बाद भी वास्तविक ब्याज दरें काफी नकारात्मक रहने की उम्मीद है और आसान वित्तीय स्थितियां आर्थिक गतिविधियों को मजबूती से समर्थन देना जारी रखेंगी। जैसा कि उम्मीद थी, बैंक ऑफ जापान ने अल्पकालिक ब्याज दरों को 0.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.75 प्रतिशत कर दिया है। यह बढ़ोतरी जनवरी के बाद पहली बार हुई है। इस फैसले पर सभी सदस्यों ने एकमत से सहमति जताई। यह बढ़ोतरी ब्याज दरों को उस स्तर पर ले गई है।

'जी राम जी' से मिलेगी देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को रफ्तार?

नई दिल्ली, एजेंसी। विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) विधेयक, 2025 गुरुवार को लोकसभा में पास हो गया। यह 20 साल पुराने मनरेगा की जगह लेगा। वीबी-जी राम जी विधेयक का उद्देश्य 125 दिनों के वेतन रोजगार की वैधानिक गारंटी प्रदान करके विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप ग्रामीण विकास ढांचा स्थापित करना है। उम्मीद की जा रही है कि इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सीन चेंज हो जाएगा। इसका फायदा पूरे देश को मिलेगा। आइए, यहां इसके तमाम पहलुओं को समझते हैं। 125 दिनों के गारंटीकृत रोजगार का अधिकार मिलेगा। एक बड़ा बदलाव एग्री-पॉज के रूप में आया है। इसमें बुवाई और कटाई के पीक सीजन के दौरान साल में कुल 60 दिनों तक सरकारी काम बंद रहेगा। इसका उद्देश्य कृषि कार्यों के लिए मजदूरों की कमी को रोकना है ताकि खेती और सरकारी रोजगार के बीच टकराव न हो। मजदूरों को उनकी मजदूरी का भुगतान साप्ताहिक आधार पर या अधिकतम 15 दिनों के भीतर करना अनिवार्य होगा। इस योजना के तहत होने वाले कार्यों को चार मुख्य क्षेत्रों में बांटा गया है: जल सुरक्षा, ग्रामीण सड़कें, बाजार व भंडारण जैसे आजीविका इन्फ्रास्ट्रक्चर और जलवायु परिवर्तन से निपटने वाले काम। इन सभी संपत्तियों का रिकॉर्ड विकसित भारत नेशनल रूरल इन्फ्रास्ट्रक्चर स्टैक नाम के नेशनल डेटाबेस में रखा जाएगा।

मनरेगा की जगह जी राम जी, 100 के बदले 125 दिन का रोजगार

विकसित भारत-जी राम जी 2005 से चले आ रहे मनरेगा कानून की जगह लेगा। सरकार का तर्क है कि पिछले दो दशकों में ग्रामीण भारत की आर्थिक स्थिति, डिजिटलीकरण और कनेक्टिविटी में भारी बदलाव आया है। ऐसे में पुराने ढांचे में सुधार के बजाय एक नया वैधानिक ढांचा जरूरी था। यह बिल ग्रामीण रोजगार को विकसित भारत 2047 के विजन से जोड़ता है। इसका उद्देश्य केवल गड्ढे खोदना नहीं बल्कि टिकाऊ बुनियादी ढांचा तैयार करना है।

स्मगलिंग वाली या नकली सिगरेट बेच रहे थे

कोरियाई कंपनी ईएसएसई की शिकायत पर देश भर में छापेमारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली एनसीआर के पान एवं सिगरेट शॉप पर आप आसानी से कोरियाई सिगरेट ब्रांड ईएसएसई को पा सकते हैं। चाहे नई दिल्ली का कनॉट प्लेस हो या नोएडा की फिल्म सिटी, कोरिया के इस सिगरेट ब्रांड की बिक्री खुले आम हो रही है। ये सिगरेट वैध रूप से नहीं बल्कि अवैध रूप से बिक रहे हैं। ये या तो अवैध हैं या स्मगल कर लाए गए हैं।

आपको पता है कि पान शॉप पर बिक रहे कोरयाई ईएसएसई सिगरेट लीगल रूप से नहीं बिक रहे हैं। यह सिगरेट या तो स्मगलिंग के जरिये लाई गई है या ये नकली हैं। जी हां, अब इस कोरियाई सिगरेट कंपनी के ब्रांड के नाम पर हो रही नकली सिगरेट की बिक्री को रोकने के लिए देश भर में छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। कल ही दिल्ली एनसीआर में 14 थोक विक्रेताओं के यहां छापा मारा गया और लाखों सिगरेट जब्त किए गए। कल यानी गुरुवार, 18 दिसंबर को दिल्ली और एनसीआर में कुल 14 स्थानों पर एकसाथ छापेमारी कर नकली सिगरेट के सप्लाई चेन को ब्रेक करने

का प्रयास किया गया। दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश पर कोरिया की कंपनी केटी एंड जी तथा उसके भारतीय पार्टनर एसएस राणा एंड कंपनी ने एनफोर्समेंट अधिकारियों संग मिलकर 14 थोक विक्रेताओं के ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान नकली ईएसएसई ट्रेडमार्क वाले सभी उत्पादों को जब्त कर लिया गया। विक्रेताओं के पास इन नकली उत्पादों से संबंधित कोई रिकार्ड ही नहीं था। कोरियन कंपनी ने दिल्ली समेत एनसीआर में उसके ट्रेडमार्क का दुरुपयोग कर नकली उत्पादों की सप्लाई करने वाले कुल 14 आरोपियों के खिलाफ हाई कोर्ट में केस दायर किया था।

अन्य स्थानों पर भी पड़ेंगे छापे

एसएस राणा एंड कंपनी की तरफ से बताया गया कि इसी मामले में कोर्ट के निर्देश पर ही दिल्ली समेत एनसीआर में छापेमारी की कार्रवाई की गई। नकली तंबाकू उत्पादों के बढ़ते प्रसार को देखते हुए अब जल्द ही मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई और हैदराबाद में भी ऑपरेशन चलाए जाएंगे। केटी एंड जी एचक्यू के आईपी डिवीजन के निदेशक यंग-हुन किम ने कहा कि हम ईएसएसई ट्रेडमार्क का दुरुपयोग करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करना जारी रखेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि उपभोक्ता भारत में असली ईएसएसई उत्पादों पर भरोसा कर सकें। एसएस राणा एंड कंपनी के मैनेजिंग पार्टनर विक्रांत राणा ने कहा कि भारत में गैर-कानूनी और नकली सिगरेट का बढ़ना एक गंभीर चुनौती है जो सरकारी रेवेन्यू को कम करता है।

सरकार से हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के लिए 1700 करोड़ की डील

नई दिल्ली, एजेंसी। इंफ्रास्ट्रक्चर-कंस्ट्रक्शन कंपनी पटेल इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयर आज गुरुवार को कारोबार के दौरान 2 पर्सेंट तक चढ़ गए और 31.32 रुपये पर पहुंच गए थे। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ी डील है। दरअसल, कंपनी ने अरुणाचल प्रदेश सरकार के साथ 144 मेगावॉट के गोंगरी हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट को दोबारा शुरू करने के लिए समझौता किया है। कंपनी के मुताबिक, इस हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट पर करीब 1,700 करोड़ की लागत आएगी और इसके निर्माण में लगभग चार साल का समय लगेगा।

कंपनी ने गुरुवार, 18 दिसंबर को बताया कि यह प्रोजेक्ट पहले रद्द कर दिया गया था, लेकिन अब राज्य सरकार की नई नीति अरुणाचल प्रदेश में विशेष परिस्थितियों में समाप्त की गई वृहद जलविद्युत नीति की बहाली, 2025 के तहत इसे फिर से मंजूरी मिली है। खास बात यह है कि गोंगरी प्रोजेक्ट इस नई नीति के तहत बहाल होने वाला राज्य का पहला हाइड्रो प्रोजेक्ट है, जिसे राज्य कैबिनेट की भी मंजूरी मिल चुकी है। कंपनी की मैनेजिंग डायरेक्टर कविता शिरवाइकर ने कहा कि यह साझेदारी कंपनी की रिन्यूएबल एनर्जी और सस्टेनेबल डेवलपमेंट के प्रति प्रतिबद्धता को दिखाती है। उन्होंने बताया कि इस प्रोजेक्ट से न सिर्फ इलाके की

जलविद्युत क्षमता का बेहतर इस्तेमाल होगा, बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार और आर्थिक फायदे भी मिलेंगे।

क्या है डील

समझौता ज्ञापन के तहत पटेल इंजीनियरिंग इस प्रोजेक्ट की पूरी जिम्मेदारी संभालेगी। इसमें डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करना, इंजीनियरिंग और डिजाइन, जरूरी मशीनरी की खरीद, डैम और पावरहाउस का निर्माण, टर्बाइन और जनरेटर की इंस्टॉलेशन, साथ ही ट्रांसमिशन लाइन तैयार करना शामिल है। यह प्रोजेक्ट बूट मॉडल यानी बिल्ड-आन-ऑपरेट-ट्रांसफर के तहत बनेगा, जिसमें 40 साल तक कंपनी इसे चलाएगी और उसके बाद यह संपत्ति अरुणाचल प्रदेश सरकार को सौंप दी जाएगी। अरुणाचल प्रदेश सरकार हाइड्रोपावर सेक्टर को राज्य की अर्थव्यवस्था का बड़ा आधार बनाना चाहती है।

टाटा के शेयर को मिला डबल अपग्रेड

1500 रुपये के पार जा सकता है शेयर, एक्सपर्ट बोले- खरीदो

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी वोल्टॉस लिमिटेड के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिल रही है। वोल्टॉस के शेयर गुरुवार को बीएसई में 2 पर्सेंट से ज्यादा के उछाल के साथ 1418.35 रुपये पर पहुंच गए हैं। ब्रोकरेज फर्म बीओएफए सिक्योरिटीज ने टाटा ग्रुप की इस कंपनी के लिए डबल अपग्रेड जारी किया है और कंपनी के शेयरों का टारगेट प्राइस 24 पर्सेंट बढ़ा दिया है। बीओएफए सिक्योरिटीज, बैंक ऑफ अमेरिका की ग्लोबल कॉरपोरेट और इनवेस्टमेंट बैंकिंग डिवीजन है। वोल्टॉस के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1859.65 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 1135.55 रुपये है।

टाटा ग्रुप की कंपनी वोल्टॉस लिमिटेड के शेयर पिछले कुछ समय से दबाव में हैं। वोल्टॉस लिमिटेड के शेयर

इस साल अब तक 22 पर्सेंट से अधिक लुढ़क गए हैं। वोल्टॉस लिमिटेड के शेयर 1 जनवरी 2025 को 1826.95 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 18 दिसंबर 2025 को 1418.35 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। पिछले एक साल में कंपनी के शेयरों में 19 पर्सेंट से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। हालांकि, पिछले 6 महीने में वोल्टॉल के शेयरों में करीब 10 पर्सेंट का उछाल आया है। वोल्टॉस लिमिटेड का मार्केट कैप गुरुवार को 46,930 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।

वोल्टॉस के शेयरों को दिया 1555 का टारगेट

ब्रोकरेज फर्म बीओएफए सिक्योरिटीज ने अब वोल्टॉस लिमिटेड के शेयरों के लिए बाय रेटिंग दी है। यानी, ब्रोकरेज फर्म ने कंपनी के शेयर खरीदने को कहा है। पहले, बीओएफए सिक्योरिटीज ने वोल्टॉस के शेयरों को अंडरपरफॉर्म रेटिंग दी थी। बीओएफए सिक्योरिटीज ने वोल्टॉस के शेयरों का टारगेट प्राइस भी बढ़ाकर 1555 रुपये कर दिया है। ब्रोकरेज हाउस ने पहले टाटा ग्रुप की इस कंपनी के लिए 1254 रुपये का टारगेट दिया था। वोल्टॉस का कवरेज करने वाले 41 एनालिस्ट्स में से 17 ने कंपनी के शेयरों को खरीदने की सलाह दी है। होल्ड रेटिंग और 6 ने कंपनी के शेयर बेचने की सलाह दी है।

मुकेश अंबानी की झोली में एक और कंपनी, रिलायंस ने इस कंपनी में खरीदी बड़ी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज की स्वस्थ्य कंपनी रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने तमिलनाडु की जानी-मानी फूड कंपनी उदयम्स एग्रो फूड्स प्राइवेट लिमिटेड में बहुमत हिस्सेदारी खरीद ली है। कंपनी ने गुरुवार को इस डील की आधिकारिक घोषणा की। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया था कि चेन्नई स्थित उदयम्स में कंट्रोलिंग स्टेक लेने को लेकर रिलायंस कंज्यूमर के साथ बातचीत अंतिम चरण में है। हालांकि इस सौदे की वित्तीय शर्तों का खुलासा नहीं किया गया है। तीन दशक से भी ज्यादा समय पहले शुरू हुई उदयम्स एग्रो फूड्स आज करीब 668 करोड़ के कारोबार वाली कंपनी मानी जाती है। कंपनी का मजबूत दखल स्टेपल फूड, स्नैक्स और रेडी-टू-कुक ब्रेकफास्ट प्रोडक्ट्स में है। इसके पोर्टफोलियो में चावल, दालें, मसाले, स्नैक्स और इडली बैटर जैसे प्रोडक्ट शामिल हैं। तमिलनाडु और आसपास के राज्यों में उदयम्स का वितरण नेटवर्क काफी मजबूत है और ब्रांड की पहचान घर-घर तक बनी हुई है। जॉइंट वेंचर के तहत रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के पास कंपनी की कंट्रोलिंग हिस्सेदारी होगी, जबकि उदयम्स के मौजूदा प्रमोटर्स अल्पांश हिस्सेदारी अपने पास रखेंगे।

सरकार चीनी का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने पर कर रही विचार, उद्योग की चिंता पर बोले खाद्य सचिव

नई दिल्ली, एजेंसी। जनवरी महीने के दौरान गन्ने के बकाया भुगतान में इजाफे की आशंका को देखते हुए सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य को बढ़ाने और अन्य उपायों पर विचार कर रही है। उद्योग की ओर से चिंता जाहिर किए जाने के बाद खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने गुरुवार को यह बात कही।

इंडियन शुगर एंड बायो-एनर्जी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईएसएमए) ने कहा है कि गन्ने का बकाया बढ़ता जा रहा है और 30 नवंबर तक महाराष्ट्र में यह 2,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। आईएसएमए के अनुसार बचे हुए स्टॉक, उत्पादन की ऊंची लागत, इथेनॉल का कम आवंटन, घरेलू कीमतों में गिरावट और वैश्विक स्तर पर अधिक आपूर्ति के कारण मिलें नकदी संकट से जूझ रही हैं।

आईएसएमए की वार्षिक आम बैठक के दौरान चोपड़ा बोले, उन्होंने (आईएसएमए) हमें बताया है कि गन्ने के बकाया भुगतान से जुड़ी समस्या जनवरी के मध्य से शुरू होगी। हम इस समयसीमा से अवगत हैं और इस पर काम कर रहे हैं। अगले एक महीने में हम कुछ ऐसे फैसले लेंगे जिनसे उद्योग को मदद मिलेगी और किसानों

को समय पर भुगतान भी सुनिश्चित होगा। सरकार किसानों को राहत देने के लिए सभी विकल्पों पर विचार कर रही है। इन उपायों में एमएसपी में संशोधन, 15 लाख टन के मौजूदा स्तर से अधिक निर्यात की अनुमति देना और इथेनॉल के लिए अधिक आवंटन शामिल है।

फरवरी 2019 से चीनी का एमएसपी 31 रुपये प्रति किलोग्राम से नहीं बदला है। आईएसएमए ने इसे संशोधित करके 41.66 रुपये प्रति किलोग्राम करने की मांग की है। यह स्वीकार करते हुए कि अतिरिक्त चीनी इस वर्ष एक चुनौती है, चोपड़ा ने कहा, हम सक्रिय रूप से उन सभी पर विचार कर रहे हैं और उम्मीद है कि सभी हितधारकों के हित में, हम ऐसे समाधान लेकर आएंगे जो यह सुनिश्चित करेंगे कि चीनी उद्योग के सभी हितधारकों को उनका उचित हक मिले।

देश में गन्ने की अधिक पैदावार के चलते 2025-26 के सीजन (अक्टूबर-सितंबर) में चीनी का उत्पादन 34.3 मिलियन टन रहने का अनुमान है। गन्ने या चीनी से बने गुड़ से इथेनॉल का आवंटन केवल 28 प्रतिशत रहा है, इसलिए लगभग 3.4 मिलियन टन चीनी को इथेनॉल उत्पादन के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।

उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, हमने सोचा था कि यह अधिक होगा, लेकिन अब हमारे सामने ऐसी स्थिति है जहां यह केवल 34 लाख टन है। सरकार ने उद्योग की मदद के लिए पहले ही 15 लाख टन निर्यात की अनुमति दे दी है। चोपड़ा ने कहा कि निर्यात समता फिलहाल एक मुद्दा है, लेकिन अगले महीने ब्राजील में चीनी उत्पादन का सीजन खत्म होने के बाद इसमें सुधार होने की उम्मीद है, जिससे मिलें लाभप्रद रूप से स्टॉक बेच सकेंगी।

उन्होंने कहा, हम इस बात से भली-भांति अवगत हैं कि अतिरिक्त स्टॉक जमा नहीं होना चाहिए। हम यह भी जानते हैं कि अगला गन्ना सीजन और भी बेहतर होगा। इसलिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि स्टॉक जमा होने से यथासंभव रोका जाए और गन्ना किसानों को उनका हक समय पर मिले।

दावा निपटान में लापरवाही पड़ी महंगी, केयर हेल्थ पर इरडा का एक करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। बीमा दावों के निपटान में पारदर्शिता और समयबद्धता को लेकर नियामक सख्त हो गया है। पॉलिसीधारकों के हितों की अनदेखी और गंभीर खामियां सामने आने पर भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण यानी इरडा ने केयर हेल्थ इंश्योरेंस पर एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई निरीक्षण के बाद सामने आई कमियों के आधार पर की गई है। इरडा की जांच में पाया गया कि केयर हेल्थ इंश्योरेंस ने दावा निपटान, शिकायत निवारण और सूचना देने की प्रक्रिया में नियमों का पालन नहीं किया। कई मामलों में पॉलिसीधारकों को उनके अधिकारों की पूरी जानकारी नहीं दी गई। नियामक ने कंपनी को चेतावनी और सुधार के निर्देश भी जारी किए हैं। जांच में सामने आया कि जब पॉलिसीधारकों की शिकायतें उनके पक्ष में हल नहीं हुईं, तब भी कंपनी ने उन्हें बीमा लोकपाल के पास जाने के अधिकार की जानकारी नहीं दी। लोकपाल का नाम और पता भी साझा नहीं किया गया। इससे पॉलिसीधारकों को उचित मंच तक पहुंचने में दिक्कत हुई। इरडा ने पाया कि शिकायत निवारण और दावा अस्वीकृति पत्रों में केवल ग्राहक सेवा का संपर्क विवरण, ईमेल आईडी और एक अस्पष्ट हाइपरलिंक दिया गया था। स्पष्ट दिशा-निर्देश न होने से पॉलिसीधारकों पर अतिरिक्त बोझ पड़ा और वे प्रभावी शिकायत तंत्र तक नहीं पहुंच सके। निरीक्षण के दौरान साइबर सुरक्षा, पुनर्बीमा लेखांकन और बिना दावे वाली राशियों के प्रबंधन में भी कमियां पाई गईं। केयर हेल्थ ने तय समय में साइबर सुरक्षा से जुड़ी खामियों को दूर नहीं किया। इरडा ने साफ कहा कि दावों में पारदर्शिता और पॉलिसीधारकों से समय पर संवाद अनिवार्य है। नियामक के मुताबिक, इस तरह की रणनीति से पॉलिसीधारकों के अधिकार प्रभावित होते हैं और भरोसा कमजोर पड़ता है। बीमा कंपनियों की जिम्मेदारी है कि वे ग्राहकों को सही जानकारी दें और शिकायतों का निष्पक्ष समाधान करें। नियमों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

वरुण धवन ने की दिलजीत दोसांझ की तारीफ

अभिनेता वरुण धवन की अपकमिंग फिल्म बॉर्डर 2 सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। ऐसे में वरुण ने अपने को-स्टार, पंजाबी सिंगर और अभिनेता दिलजीत दोसांझ की जमकर तारीफ की। वरुण ने बताया कि आने वाली फिल्म के लिए दिलजीत ने खूब मेहनत की है। वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ दोनों कलाकार बहुप्रतीक्षित देशभक्ति फिल्म में साथ नजर आएंगे। फिल्म 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के निर्माताओं ने हाल ही में बॉर्डर-2 का शानदार टीजर लॉन्च किया, जिसमें देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत कहानी की झलकियां दिखाई गईं। टीजर लॉन्च इवेंट में वरुण धवन मौजूद थे, लेकिन दिलजीत दोसांझ किसी कारणवश शामिल नहीं हो सके थे।

वरुण धवन ने दिलजीत की सराहना करते हुए कहा, दिलजीत ने हमारी फिल्म बॉर्डर 2 के लिए खूब मेहनत की और अपना खून-पसीना बहाया है। वह फिल्म में परम वीर चक्र विजेता का किरदार निभा रहे हैं। मैं शानदार एक्टर का धन्यवाद करता हूं। बॉर्डर 2 1997 की सुपरहिट फिल्म बॉर्डर की सीक्वल है, जो 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध पर आधारित है। इस फिल्म में सनी देओल लीड रोल में हैं, जबकि वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं। वहीं, विजय दिवस के मौके पर सामने आए टीजर में चारों अभिनेता देश की रक्षा के लिए डटकर लड़ते हुए नजर आते हैं। वरुण भारतीय थलसेना (आर्मी), दिलजीत नौसेना (नेवी) और अहान वायुसेना (एयर फोर्स) के अधिकारी की भूमिका में दिखाई देंगे। टीजर में सनी देओल के दमदार डायलॉग्स भी हैं, जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। एक डायलॉग में वो पड़ोसी देश से कहते हैं, तुम जहां से भी घुसने की कोशिश करोगे, आसमान से जमीन से, समंदर से सामने एक हिंदुस्तानी फौजी खड़ा पाओगे जो आंखों में आंखें डालकर सीना ठोक कर कहेगा, हिम्मत है तो आ... ये खड़ा है हिन्दुस्तान। अनुराग सिंह के निर्देशन में तैयार फिल्म युद्ध की वास्तविक घटनाओं से प्रेरित है। बॉर्डर 2 के साथ वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ पहली बार बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे।

कृति सेनन ने कॉकटेल 2 को लेकर दी अपडेट

कृति सेनन मौजूदा वक्त में इंडस्ट्री की लीडिंग एक्ट्रेस में शामिल हैं। वो लगातार बड़ी फिल्मों का हिस्सा बन रही हैं। उनकी हालिया रिलीज फिल्म 'तेरे इश्क में' ने भी बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ से ऊपर की कमाई की। अब अभिनेत्री इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बीच अब अभिनेत्री ने फिल्म की शूटिंग से जुड़े किस्सों को साझा किया। साथ ही अपने साथी कलाकारों शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना को लेकर भी बात की।

मैं कुछ मजेदार और ताजा करना चाहती थी

जूम के साथ बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने फिल्म को लेकर बात करते हुए कहा कि यह एक बहुत ही प्यारी फिल्म है। मुझे लगता है कि कभी-कभी जीवन में जो कुछ भी होता है, उसके पीछे कोई न कोई कारण होता है। तेरे इश्क में एक इंटेंस और इमोशनली थका देने वाली फिल्म थी। मुझे लगता है कि मैं तुरंत कोई और इंटेंस फिल्म नहीं कर सकती थी। मुझमें वह क्षमता नहीं थी। मैं पूरी तरह से थक चुकी थी। मैं कुछ मजेदार, ताजा, कुछ ऐसा करना चाहती थी जो मैंने पहले कभी नहीं किया हो, कुछ ऐसा जिसका मैं आनंद ले सकूं।

'कॉकटेल 2' में दिखेगी ये कहानी

कृति ने कहा कि 'कॉकटेल 2' बिल्कुल सही समय पर बनी, मुझे इसकी बहुत चाह थी। मैं एक नई, शहरी और मजेदार रोमांटिक कॉमेडी में काम करना चाहती थी। यह बहुत मजेदार रहा है, हमने लगभग दो बड़े शेड्यूल शूट कर लिए हैं। अभी मुंबई में एक और शुरू करने जा रहे हैं। इसमें शानदार संगीत है और मुझे लगता है कि मैं पहले से बिल्कुल अलग दिख रही हूं। यह रिश्तों को नए तरीके से दिखाएगी। जो कुछ भी यह फिल्म कह रही है, वह बहुत प्रासंगिक है। हर कोई उससे जुड़ पाएगा।

कृति ने की शाहिद और रश्मिका की तारीफ

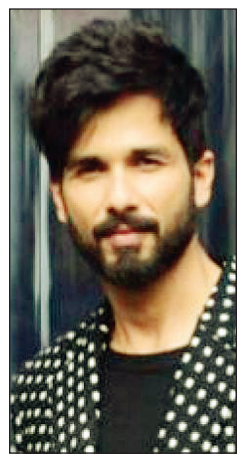

कॉकटेल 2 के अपने को-एक्टर्स शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना के बारे में भी कृति ने बात की। उन्होंने कहा कि शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना के साथ शूटिंग करना बहुत मजेदार रहा। निर्देशक होमी अदजानिया तो बिल्कुल पागल हैं। उनकी मस्ती ही हम सबको एक मजेदार सफर पर ले जाती है। 'कॉकटेल 2' में कृति शाहिद के साथ तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया (2024) के बाद दूसरी बार काम कर रही हैं। शाहिद को लेकर एक्ट्रेस का कहना है कि वह कहते हैं, आपसे एक इंसान के तौर पर मिलकर अच्छा लगा। आपको इंसान न होने की वजह से बंधे रहने की जरूरत नहीं है।

कृति का वर्कफंट

कृति सेनन की पाइपलाइन में कई फिल्में हैं। 'कॉकटेल 2' के अलावा उनके रणवीर सिंह के साथ 'डॉन 3' में भी नजर आने की चर्चाएं हैं। हालांकि, मेकर्स ने अभी इसको लेकर पुष्टि नहीं की है। कृति की आखिरी रिलीज 'तेरे इश्क में' बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। आनंद एल राय द्वारा निर्देशित इस फिल्म में कृति के साथ धनुष प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं।

तान्या मित्तल संग अफेयर की अफवाहों पर अमाल मलिक ने लगाया विराम

सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस 19 का समापन होने के बाद भी इसके कंटेस्टेंट्स चर्चा में बने हुए हैं। संगीतकार अमाल मलिक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर तान्या मित्तल संग अफेयर की अफवाहों पर विराम लगाया। अमाल ने फैंस से खास अपील भी की। अमाल ने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए कहा कि उन्हें और साथी कंटेस्टेंट तान्या मित्तल को लेकर अफेयर की अफवाहें उड़ाना बंद करें। अमाल ने स्पष्ट किया कि शो में हुई उनकी नजदीकियां सिर्फ टास्क का हिस्सा थीं और इसे किसी बेवकूफाना रोमांस में बदलना गलत है। अमाल ने पोस्ट में लिखा, शो में होस्ट या गेस्ट के कहने पर टास्क के लिए जोड़ी बनाना या डांस करना पड़ता है। यह चैनल का क्रिएटिव फैसला होता है, लेकिन दर्शक और फैंस इसे लगातार रोमांस की अफवाहों में बदल रहे हैं। मैं तान्या मित्तल का शुक्रिया अदा करता हूं कि उन्होंने सीजन में मेरी बहुत देखभाल की और ख्याल रखा। उन्होंने कहा कि गुस्से में या उन्हें चिढ़ाने के लिए कही गई कुछ बातों से तान्या और उनके फैंस को दुख पहुंचा होगा, इसके लिए वे सच में माफी मांगते हैं। लिखा, मैं तान्या से इसके लिए माफी भी मांगता हूं। अमाल ने आगे बताया कि

ऐसी बातें शो में होती रहती हैं, इससे इंसान अपनी कमियों को समझता है और उन पर काम करता है। लेकिन वे फैंस से अनुरोध करते हैं कि अब उन्हें और तान्या को एक-दूसरे से जोड़ना बंद करें। लगातार ऐसा करने से तान्या की इमेज खराब हो रही है, जो किसी भी लड़की के साथ नहीं होना चाहिए। अमाल ने स्वीकार किया कि दर्शकों को उनकी दोस्ती और यारी पसंद आई, लेकिन दोनों तरफ के फैंस को लोगों की पर्सनल स्पेस का सम्मान करना सीखना चाहिए। अमाल ने अपने फैंस से अपील करते हुए कहा कि अब कीचड़ उछालना बंद करें और उन्होंने तान्या के फैंस से भी सम्मानजनक व्यवहार करने का अनुरोध किया। बिग बॉस 19 में अमाल और तान्या की केमिस्ट्री काफी चर्चा में रही थी। शो के फिनाले में गौरव खन्ना विजेता बने, जबकि अमाल टॉप 5 में पहुंचे थे।

एआई डीपफेक पर फूटा श्रीलीला का गुस्सा

श्रीलीला ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए एआई द्वारा बनाए गए डीपफेक को लेकर आवाज उठाई है। डीपफेक के जरिए महिलाओं की गरिमा को बहुत ठेस पहुंचाई जा रही है। इस बात से श्रीलीला काफी गुस्से में हैं। उन्होंने इस समस्या को लेकर एक लंबी-चौड़ी पोस्ट इंस्टाग्राम पर शेयर की है।

एआई से बनी बकवास को सपोर्ट ना करें

श्रीलीला ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें वह लिखती हैं, 'मैं हाथ जोड़कर हर सोशल मीडिया यूजर से रिक्वेस्ट करती हूं कि एआई से बनी बकवास को सपोर्ट न करें। टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने और उसका गलत इस्तेमाल करने में फर्क होता है। मेरी राय में टेक्नोलॉजी की तरक्की से जिंदगी आसान होनी चाहिए ना कि मुश्किल।' श्रीलीला पोस्ट आगे लिखती हैं, 'हर लड़की किसी की बेटी, पोती, बहन, दोस्त या कुलीग होती है। फिर चाहे वह आर्ट के प्रोफेशन को चुने, फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा बने। हमें उसके लिए ऐसा माहौल बनाना चाहिए, जो सुरक्षित हो। मैं अपने शेड्यूल की वजह से ऑनलाइन चीजों पर नजर नहीं रख पाती हूं। लेकिन मेरे शुभचिंतकों ने मुझे इस बारे में बताया है। मैं उनकी शुक्रगुजार हूं। मैंने हमेशा चीजों को हल्के में लिया है और अपनी दुनिया में मस्त रही। लेकिन एआई डीपफेक बहुत परेशान करने वाला मामला है। मैं अपनी साथी कुलीग्स को भी इसी दौर से गुजरते हुए देख रही हूं। मैं सभी की तरफ से बात कर रही हूं। गरिमा और सम्मान के साथ और अपने दर्शकों पर भरोसा करते हुए, मैं रिक्वेस्ट करती हूं कि प्लीज हमारा साथ दीजिए। अब अथॉरिटीज आगे की कार्रवाई करेंगी।'

मैंने टीवी पर बहुत काम किया, खुद को एक चैलेंज देने के लिए फिल्मों और ओटीटी पर आई

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस कृतिका कामरा अब छोटे पर्दे से ज्यादा फिल्मों और ओटीटी पर ध्यान दे रही हैं। हाल ही उनकी द ग्रेट शमसुद्दीन फैमिली फिल्म भी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई है। पॉपुलर एक्ट्रेस कृतिका कामरा ने छोटे पर्दे पर कितनी मोहब्बत है और कुछ तो लोग कहेंगे से खूब नाम कमाया। अनुभव सिन्हा की फिल्म भीड़ में विधि के उनके किरदार की खूब तारीफ हुई। इसी तरह ओटीटी पर तांडव जैसी वेब सीरीज में भी उनके काम की खूब सराहना हुई। बरेली में पैदा हुई कृतिका उन कलाकारों में से है, जिन्होंने टीवी, फिल्मों और डिजिटल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, तीनों पर अपनी धमक दिखाई है। इन दिनों वह ओटीटी पर रिलीज अपनी नई फिल्म द ग्रेट शमसुद्दीन फैमिली को लेकर चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर कृतिका कामरा अक्सर अपने घूमने-फिरने और खाने-पीने से जुड़े फोटोज-विडियोज शेयर करती रहती हैं।

ट्रैवल के दौरान अलग जोश होता है

खाने के साथ ही कृतिका घूमने की भी शौकीन हैं। वह कहती हैं, ऐसा नहीं है कि मैं कुछ खाने के लिए ही ट्रैवल प्लान करूंगी। मगर हां, अगर मैं कहीं जा रही हूं तो मेरे पास पहले से ही लिस्ट होती है कि मुझे फलाना जगह जाकर ये खाना है, वहां का रिजर्वेशन कर लूंगी। मेरे साथ यह भी होता है कि जैसे कभी किसी खास जगह के ट्रिप पर मुझे जाना होता है, लेकिन प्लान फेल हो जाता है। मैं तीन-चार बार अमेरिका जाने का प्लान बना चुकी हूं, लेकिन हर बार किसी ना किसी वजह से प्लान धरा का धरा रह जाता था। हालांकि फिर कुछ साल बाद मैं वहां गई और कुछ रेस्टोरेंट में जाकर मैंने वहां का स्वाद लिया। (हंसते हुए) ट्रैवल करते वक्त मेरे अंदर एक अलग जोश आ जाता है सोशल मीडिया के लिए, जो बाकी वक्त सो रहा होता है।

हर भारतीय परिवार ग्रेट होता है

कृतिका इन दिनों अपनी फिल्म द ग्रेट शमसुद्दीन फैमिली को लेकर चर्चा में हैं। वह कहती हैं, हर भारतीय परिवार ग्रेट होता है, क्योंकि ये एक हिंदुस्तानी फैमिली है। हमारे यहां यह खास बात है कि हम परिवार को बहुत ऊंचा दर्जा देते हैं। इसकी हम बहुत इज्जत भी करते हैं। ऐसा ही कुछ मेरे किरदार बानी के साथ भी है। इस फिल्म के अंदर मेरी एक डेड लाइन है, पर मेरी फैमिली मुझे अकेला नहीं छोड़ रही है। वैसे तो मैं अकेले रहती हूं पर मेरे घर में सुबह से ही घंटी बजनी शुरू होती है। जब-जब घंटी बजती है, परिवार का कोई एक सदस्य वहां आ जाता है और अपनी प्रॉब्लम लेकर बैठ जाता है। लगभग पूरा ही परिवार मेरे घर में है और हमारे पास सॉल्व करने के लिए बहुत सारी समस्याएं हैं।

जिस काम में जल्दी हो उसी में दिक्कतें आने लगती हैं

जब किसी काम की डेडलाइन पास में हो तो कुछ ना कुछ उथल-पुथल वाली चीजें होती रहती हैं। कृतिका के साथ भी क्या ऐसा कुछ होता है? वह कहती हैं, ऐसा होता ही है कि जब आपको कोई चीज तुरंत करनी होती है, तो सारी बाधाएं उस दिन आएंगी। मेरे साथ जो सबसे कॉमन चीज होती है, वो यह है कि अगर मुझे कहीं पहुंचना है और मैं निकलते हुए लेट हो जाऊं, उसके बाद एक के बाद एक सब कुछ गलत होता जाता है। जैसे टाइम पर लिफ्ट नहीं आएगी, गाड़ी के सामने बार-बार रेड लाइट आएगी, कभी टायर पंचर हो जाता है। तब लगता है कि जो चीज आप जल्दी से करना चाहो तो पूरी कायनात उस चीज के लिए रुकावटें खड़ी करने में लग जाती है। हालांकि, शाहरुख की फैन हूं तो मैं ऐसा नहीं मानती हूं।

एक्टर प्लेटफॉर्म को महत्व नहीं देते

टीवी से ओटीटी में आने का निर्णय लेना कृतिका कामरा के लिए कितना बड़ा कदम रहा है, इस सवाल के जवाब में वह कहती हैं, मैंने टीवी पर बहुत साल काम किया। मेरे जीवन में और सीखने के लिहाज से टीवी ने काफी अहम रोल अदा किया। जब मैंने छोटे पर्दे पर बहुत साल काम कर लिया था, तब मैं एक ऐसे पॉइंट पर पहुंच चुकी थी, जब मुझे लगने लगा था कि मुझे खुद को एक चैलेंज देना है, कुछ नया करना है, मुझे एक नई दिशा में देखना होगा। तब मैंने फिल्म और वेब शोज के लिए ऑडिशन देना शुरू किया। लेकिन एक्टर के दिमाग में इतना अंतर नहीं होता है कि वह किस मीडियम में काम कर रहा है। मैं कभी ये नहीं देखती कि ओटीटी पर काम करूंगी तो मुझे कौन-सी ऑडियंस मिलेगी।

भारतीय टीम के कोच नहीं मैनेजर हैं गौतम गंभीर

कपिल देव ने हेड कोच पर की तीखी टप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा कि आजकल हेड को का काम खिलाड़ियों को कोचिंग देने के बजाय उन्हें मैनेज करना ज्यादा होता है।

भारत को नवंबर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार मिली थी और इससे पहले भारत को न्यूजीलैंड ने साल 2024 में 0-3 से हराया था। टेस्ट सीरीज में इस तरह की हार के बाद गंभीर के ऊपर काफी दवाब है। कपिल देव ने इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स आईसीसी शताब्दी सेशन में कहा कि आज कोच नाम का जो शब्द है...कोच आज बहुत आम शब्द है। गौतम गंभीर कोच नहीं हो सकते वो टीम के मैनेजर हो सकते हैं। कोच वो होते हैं जिनसे हम स्कूल या कॉलेज में सीखते हैं। वो लोग मेरे कोच थे क्योंकि वो मुझे मैनेज कर सकते थे।

लेग-स्पिनर या विकेटकीपर के कोच कैसे हो सकते हैं गंभीर-कपिल देव ने आगे कहा कि आप कोच कैसे हो सकते हैं जब उन्होंने किसी को मान लीजिए लेग स्पिनर का नाम दिया है। गौतम एक लेग स्पिनर या विकेटकीपर के कोच कैसे हो सकते हैं। मुझे लगता है कि आपको मैनेज करना होगा और ये ज्यादा जरूरी है। एक मैनेजर के तौर पर आप उन्हें हिम्मत देते हैं कि आप यह कर सकते हैं क्योंकि जब आप मैनेजर बनते हैं तो युवा लड़के आपकी तरफ देखते हैं।

- **जो अच्छा नहीं खेल रहे उनका आत्मविश्वास बढ़ाएं**-

कपिल ने कहा कि कप्तान के तौर पर उनकी अपनी फिलॉसफी यह थी कि खराब दौर से गुजर रहे खिलाड़ियों को सपोर्ट किया जाए। मुझे लगता है कि जो लोग अच्छा नहीं खेल रहे हैं, उन्हें आपको दिलासा देना चाहिए। अगर किसी ने सेंचुरी बनाई है तो मैं उसके साथ ड्रिंक और डिनर नहीं करना चाहता। वहां बहुत सारे लोग हैं, लेकिन एक कप्तान के तौर पर मैं उन लोगों के साथ ड्रिंक करना चाहूंगा या उन लोगों के साथ डिनर करना चाहूंगा जो अच्छा परफॉर्म नहीं कर रहे हैं। आपको उन्हें कॉन्फिडेंस देना होता है और यही होता है।

रेसिंग जगत में शोक की लहर

- विमान हादसे में दिग्गज NASCAR ड्राइवर और उनके परिवार का दुखद निधन

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तरी कैरोलिना के स्टेट्सविले रीजनल एयरपोर्ट के पास गुरुवार सुबह एक हृदयविदारक विमान हादसा हुआ,

जिसने न केवल रेसिंग की दुनिया बल्कि पूरे अमेरिका को स्तब्ध कर दिया है। रिटायर्ड ह्रस्ट्क्र ड्राइवर ग्रेग बिफल, उनकी पत्नी और दो बच्चों सहित कुल सात लोगों की इस भीषण दुर्घटना में मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ जब उनका निजी बिजनेस जेट उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद वापस एयरपोर्ट की ओर लौट रहा था और अचानक जमीन से टकराकर आग की लपटों में घिर गया।

एक हंसता-खेलता परिवार और दोस्तों का अंत

इस त्रासदी में 55 साल ग्रेग बिफल के साथ उनकी पत्नी क्रिस्टीना, उनके 5 साल के बेटे राइडर और 14 साल की बेटी एम्मा ने अपनी जान गंवाई। उनके साथ विमान में डेनिस डटन, उनके बेटे जैक और बिफल के करीबी दोस्त क्रेज वाड्सवर्थ भी सवार थे। परिवार की ओर से जारी एक अत्यंत भावुक संयुक्त बयान में कहा गया कि ये सभी उनके लिए पूरी दुनिया थे और उनकी अनुपस्थिति ने जीवन में एक ऐसा खालीपन पैदा कर दिया है जिसे कभी भरा नहीं जा सकेगा। बिफल का परिवार न केवल अपनी खुशहाली बल्कि अपने परोपकारी कार्यों के लिए भी जाना जाता था।

कबड्डी भारत से ऐसी नफरत!

- पड़ोसी देश की टीम के लिए खेलने पर पाकिस्तान करेगा अपने ही खिलाड़ी पर कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान कबड्डी महासंघ के सचिव राना सरवर ने बताया कि 27 दिसंबर को आपात बैठक बुलाई गई है, जिसमें उबैदुल्लाह राजपूत और कुछ अन्य खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा।

पाकिस्तानी अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी उबैदुल्लाह राजपूत मुश्किल में फंस गए हैं। भारत की निजी टीम की ओर से खेलने के कारण उनके खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है। यह मामला 16 दिसंबर को बहरीन में आयोजित जीसीसी कप से जुड़ा है।

भारतीय टीम से खेलने पर अपने ही खिलाड़ी पर कार्रवाई करेगा पाकिस्तान

दरअसल, सोशल मीडिया पर उबैदुल्लाह के कुछ वीडियो और तस्वीरें वायरल हुईं थीं, जिनमें वह भारतीय जर्सी पहने और भारतीय झंडा लहराते हुए नजर आए थे। इसके बाद पाकिस्तान कबड्डी महासंघ (पीकेएफ) ने मामले को गंभीरता से लिया है। पाकिस्तान कबड्डी महासंघ के सचिव राना सरवर ने बताया कि इस मुद्दे पर 27 दिसंबर को आपात बैठक बुलाई गई है, जिसमें उबैदुल्लाह राजपूत और कुछ अन्य खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा। राना सरवर ने कहा, 'मैं पुष्टि करता हूं कि यह एक निजी टूर्नामेंट था, जिसमें आयोजकों ने टीमों के नाम भारत, पाकिस्तान, कनाडा, ईरान आदि रखे थे। लेकिन सभी टीमों में अपने-अपने देशों के खिलाड़ी थे। भारतीय निजी टीम में भारतीय खिलाड़ी खेले, लेकिन उबैदुल्लाह का उनके लिए खेलना मौजूदा परिस्थितियों में स्वीकार्य नहीं है।

उबैदुल्लाह ने दी सफाई

वहीं, उबैदुल्लाह राजपूत ने इस मामले में माफी मांगते हुए सफाई दी है। उन्होंने कहा कि उन्हें बहरीन में खेलने का निमंत्रण मिला था और उन्हें एक निजी टीम में शामिल किया गया था। उबैदुल्लाह ने कहा, 'मुझे बाद में पता चला कि टीम का नाम भारतीय टीम रखा गया है। मैंने आयोजकों से भारत और पाकिस्तान के नाम इस्तेमाल न करने को कहा था। इससे पहले भी निजी प्रतियोगिताओं में भारतीय और पाकिस्तानी खिलाड़ी एक साथ खेले हैं, लेकिन कभी भारत या पाकिस्तान के नाम से नहीं।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे शुरू में यह एहसास नहीं था कि मुझे भारतीय टीम के खिलाड़ी के रूप में दिखाया जाएगा। मौजूदा हालात में मैं ऐसा करने के बारे में सोच भी नहीं सकता।'

जोश इंग्लिस ने पंजाब को दिया धोखा!

- शादी के बहाने रिलीज, 8.6 करोड़ में बिकते ही हनीमून टाला

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के लिए जोश इंग्लिस की उपलब्धता को लेकर विवाद पैदा हो गया है। मिनी ऑक्शन से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने जानकारी दी थी कि ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर अगले सीजन में सिर्फ चार मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे। इंग्लिस अप्रैल 2026 में शादी करने वाले हैं और इसके बाद उनके हनीमून पर जाने की योजना थी। लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ 8.6 करोड़ रुपये में जुड़ते ही खबर आई कि इंग्लिस हनीमून टाल सकते हैं।

इसके बाद से यह सवाल उठ रहा है कि क्या इंग्लिस की उपलब्धता को लेकर कोई गलतफहमी हुई या उन्होंने आखिरी मिनट में अपनी योजनाएं बदल दीं। इंग्लिस की पुरानी फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स ठगा हुआ महसूस कर रही है।

बीसीसीआई से संपर्क करेगी पंजाब किंग्स

सूत्रों के हवाले से बताया कि इंग्लिस ने पंजाब को बताया कि उनकी शादी हो रही है और इसलिए अगले सीजन में उनकी उपलब्धता सीमित रहेगी। खास तौर पर उन्होंने संबंधित पंजाब किंग्स के अधिकारियों को बताया था कि उनकी शादी 18 अप्रैल को है और वह उसके तुरंत बाद हनीमून पर जाएंगे। वह मई के आखिर में सिर्फ 10-14 दिनों के लिए ही उपलब्ध रहेंगे। इस बातचीत के आधार पर पंजाब के अधिकारियों ने उन्हें रिलीज कर दिया।

भारतीय कुश्ती महासंघ ने राष्ट्रीय शिविर में भागीदारी अनिवार्य की

- इन पहलवानों को अब भी मिलेगी छूट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कुश्ती महासंघ ने नई चयन नीति बनाई है जिसके तहत सभी पहलवानों को राष्ट्रीय शिविर में शामिल होना होगा। हालांकि, महासंघ ने कुछ छूट भी दी है। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने नई चयन नीति लागू की है जिसके तहत अब सभी के लिए राष्ट्रीय शिविर में शामिल होना अनिवार्य है। व्यक्तिगत अभ्यास कर रहे पहलवानों को इससे छूट रहेगी। इसके साथ ही ओलंपिक खेलों में कोटा जीतने वाले पहलवानों को एक दौर के

अंतिम चयन ट्रायल में भाग लेना होगा। डब्ल्यूएफआई की आम परिषद की हाल ही में अहमदाबाद में हुई बैठक में इस नीति को मंजूरी दी गई। इसे फीडबैक और समीक्षा लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) को भी दिया गया है। नीति में कहा गया, राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों में भागीदारी सभी पहलवानों के लिए अनिवार्य होगी जिसमे एलीट और दिग्गज पहलवान शामिल हैं। शिविर में भाग लेने के लिए राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पदक जीतना जरूरी है। एक बार चुने जाने पर पहलवानों को राष्ट्रीय शिविर में अभ्यास करना होगा। किसी को दूसरे किसी स्थान पर व्यक्तिगत अभ्यास की अनुमति नहीं होगी।

विनेश को घरेलू स्तर पर करना होगा अच्छा प्रदर्शन

इसके मायने हैं कि हाल ही में संन्यास से वापसी का फैसला लेने वाली विनेश फोगाट को राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए घरेलू स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करना होगा। नीति में स्पष्ट है कि शिविर में भाग नहीं लेने पर पहलवान चयन ट्रायल में भाग नहीं ले सकेंगे।

न्यूजीलैंड- वेस्टइंडीज टेस्ट

कॉनवे ने ठोका दोहरा शतक

- करियर का सबसे बड़ा स्कोर बनाया, डेब्यू के बाद पहली बार किया...

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के ओपनर डेवन कॉनवे ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट की पहली पारी में दोहरा शतक जड़ा है. ऐसा करते हुए उन्होंने अपने करियर का सबसे बड़ा स्कोर भी बनाया है. डेवन कॉनवे ने वेस्टइंडीज के गेंदबाजों की जमकर पिटाई की. पहले दिन के खेल में तो वो आउट ही नहीं हुए और फिर दूसरे दिन उन्होंने कुछ ऐसा किया, जैसा 4 साल पहले खेली अपनी डेब्यू इनिंग पर किया था. डेवन कॉनवे ने टेस्ट डेब्यू पर जमाए दोहरे शतक के बाद पहली बार डबल सेंचुरी जड़ी. मतलब, उन्होंने अपने टेस्ट करियर का दूसरा दोहरा शतक जड़ा. डेवन कॉनवे ने अपने टेस्ट करियर का दूसरा दोहरा शतक 318 गेंदों पर पूरा किया, जिसमें बाउंड्रीज के नाम पर 28 चौके शामिल रहे. वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट में खेली इनिंग के दौरान उन्होंने 319वीं गेंद पर सिंगल लेते ही, अपने टेस्ट करियर का सबसे बड़ा स्कोर भी हासिल कर लिया. कॉनवे ने साल 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू करते हुए पूरे 200 रन की पारी खेली थी, जो कि टेस्ट में उनका पहला दोहरा शतक था. वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले जा रहे तीसरे टेस्ट में डेवन कॉनवे की कुल इनिंग 227 रन की रही.

टी20 वर्ल्ड कप 2026

इस दिन होगा टीम इंडिया का ऐलान, न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भी सेलेक्श

नई दिल्ली, एजेंसी। अगले साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए भारतीय खिलाड़ियों का सेलेक्शन 20 दिसंबर को होगा. खिलाड़ियों का सेलेक्शन मुंबई में बीसीसीआई हेडक्वार्टर में किया जाएगा.

टी20 वर्ल्ड कप 2026 और न्यूजीलैंड सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान 20 दिसंबर को होगा, इसे लेकर रिपोर्ट्स पहले से थी. लेकिन, अब बीसीसीआई ने उस खबर पर

अपनी आधिकारिक मुहर लगा दी है. भारतीय टीम का सेलेक्शन दोपहर डेढ़ बजे होगा, जिसके बाद टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव और चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करेंगे. न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत को घरेलू व्हाइट बॉल सीरीज खेलनी है. ये सीरीज टी20 वर्ल्ड कप 2026 के शुरू होने से पहले होगी. इस सीरीज में कुल 8 मैच होंगे, जिसमें 3 वनडे और 5 टी20 शामिल हैं. पहले वनडे सीरीज खेली जाएगी, जिसके मुकाबले 11 जनवरी, 14 जनवरी और 18 जनवरी को वडोदरा, राजकोट और इंदौर में खेले जाएंगे

सौरव गांगुली ने दर्ज कराया? 50 करोड़ का मानहानि केस...

- लियोनेल मेसी के इवेंट से है कनेक्शन

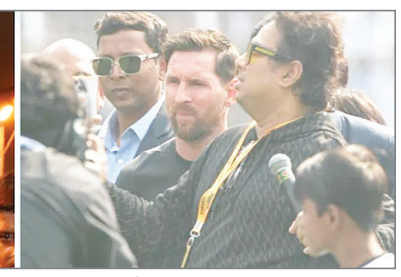

नई दिल्ली, एजेंसी। लियोनेल मेसी के कोलकाता वाले इवेंट में सौरव गांगुली भी शरीक हुए थे. गांगुली का नाम सॉल्ट लेक स्टेडियम में हुई घटना में घसीटा गया, जिसके बाद टीम इंडिया के पूर्व कप्तान ने एक्शन लेते हुए उत्तम साहा के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है. टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के मौजूदा अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कोलकाता के लालबाजार में उत्तम साहा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है. गांगुली का आरोप है कि साहा ने उन्हें युवा भारती स्टेडियम (सॉल्ट लेक स्टेडियम) घटना में जानबूझकर फंसाया और उनके खिलाफ झूठे, दुर्भावनापूर्ण और अपमानजनक बयान देकर उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाया. साहा अर्जेंटीना फैन क्लब के अध्यक्ष हैं. बता दें कि दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी के इवेंट के दौरान सॉल्ट लेक स्टेडियम में अफरातफरी मच गई थी. गांगुली ने अपनी शिकायत में कहा कि उत्तम साहा ने उनके बारे में लगातार झूठे और मानहानिक आरोप लगाए, जो न केवल उनके व्यक्तिगत सम्मान को ठेस पहुँचाते हैं, बल्कि सार्वजनिक रूप से भी उनके किरदार और प्रतिष्ठा को बदनाम करते हैं.

सौरव गांगुली ने कहा कि उत्तम साहा ने यह सब जानबूझकर और उद्देश्यपूर्वक किया है. पूर्व भारतीय कप्तान ने साहा को कानूनी नोटिस भेजा और अब उन्होंने ?50 करोड़ की मानहानि का मुकदमा दायर किया है. गांगुली का कहना है कि इन आरोपों का कोई भी वास्तविक आधार नहीं है और उन्हें गलत तरीके से सार्वजनिक किया गया है.

टाटा स्टील वर्ल्ड 25के:

ओलंपिक पदक विजेता बेनडनरेक भारत की रनिंग संस्कृति से प्रभावित, रेस के लिए उत्साहित

कोलकाता, एजेंसी। ओलंपिक पदक विजेता स्प्रिंटर केनी बेडनरेक टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता के इंटरनेशनल इवेंट एम्बेसडर के रूप में जुड़े हैं और वह इस रेस के लिए काफी उत्साहित हैं। ओलंपिक रजत पदक विजेता और अमेरिका के स्टार स्प्रिंटर केनी बेडनरेक ने टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता के इंटरनेशनल इवेंट एम्बेसडर के रूप में जुड़ने पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि इस तरह की वैश्विक स्तर की दौड़ प्रतियोगिताएं लोगों को फिटनेस को जीवनशैली के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और अगर सही कोचिंग, ट्रेनिंग स्ट्रक्चर और रिकवरी सिस्टम मिले, तो भारतीय खिलाड़ी वैश्विक मंच पर बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं।

उन्होंने युवा खिलाड़ियों से अपने लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध रहने की अपील की। एलीट स्तर पर प्रदर्शन को लेकर बात करते हुए बेडनरेक ने मानसिक मजबूती को सबसे अहम बताया। उन्होंने कहा कि शारीरिक तैयारी और प्रतिभा के बावजूद अगर रेस के दिन मानसिक रूप से मजबूत नहीं हैं, तो कुछ भी मायने नहीं रखता। उनके अनुसार स्प्रिंटिंग लगभग 90 प्रतिशत मानसिक खेल है, जिसमें अनुशासन, जिम्मेदारी, आत्मविश्वास और

रिकवरी की अहम भूमिका होती है। अपने करियर के अनुभव साझा करते हुए बेडनरेक ने निरंतर सीखने और सुधार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वह हर साल खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करते हैं और जीत के बाद भी अपनी टीम के साथ यह सोचते हैं कि आगे क्या सुधार किया जा सकता है। उनके मुताबिक पूर्णता जैसी कोई चीज नहीं होती, केवल निरंतर प्रगति ही मायने रखती है। यह बातें उन्होंने जीडी बिड़ला सेंटर फॉर एजुकेशन के छात्रों से बातचीत के दौरान कहीं।

भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं

भारतीय एथलेटिक्स को लेकर बेडनरेक ने सकारात्मक रुख जताया। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और अगर सही कोचिंग, ट्रेनिंग स्ट्रक्चर और रिकवरी सिस्टम मिले तो भारतीय खिलाड़ी वैश्विक मंच पर बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। उन्होंने युवा खिलाड़ियों से अपने लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध रहने की अपील की। भारत के खेल जगत से लंबे समय तक जुड़ाव को लेकर बेडनरेक ने कहा कि वह इंटरैक्शन, मेंटरशिप और अनुभव साझा करने के जरिए सार्थक योगदान देने के लिए हमेशा तैयार हैं।

कोलकाता 25के केवल रन नहीं, उत्सव है

टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता को लेकर बेडनरेक ने कहा कि यह सिर्फ एक रेस नहीं, बल्कि उत्सव है। उन्होंने कहा कि एक ही सड़क पर एलीट एथलीट्स, शौकिया धावकों और पहली बार दौड़ने वालों को साथ देखना प्रेरणादायक है और वह रविवार को होने वाली रेस को करीब से देखने और धावकों का उत्साह बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं।

टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में जीते हैं पदक

केनी बेडनरेक दुनिया के शीर्ष स्प्रिंटर्स में गिने जाते हैं। उन्होंने पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में टोक्यो ओलंपिक 2020 और पेरिस ओलंपिक 2024 में रजत पदक जीता है। इसके अलावा वह विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के भी रजत पदक विजेता हैं।

संक्षिप्त समाचार

नकदी के बदले सवाल मामले में महुआ मोइत्रा को बड़ी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद में सवाल के बदले नकदी मामले में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा को दिल्ली हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है। कोर्ट ने सीबीआई को उनके खिलाफ आरोपपत्र दाखिल करने की अनुमति देने वाले भारत के लोकपाल के आदेश को रद्द कर दिया है। जस्टिस अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की खंडपीठ याचिका पर फैसला सुनाया है। इससे पहले पीठ ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। मोइत्रा ने लोकपाल के 12 नवंबर के आदेश को चुनौती दी है, जिसमें सीबीआई को उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मंजूरी दी गई है। सुनवाई खत्म होने पर मोइत्रा की तरफ से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता निधेश गुप्ता ने सीबीआई की कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगाने की मांग की थी। हालांकि, पीठ ने उस स्तर पर कोई अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया था। मोइत्रा ने कहा है कि लोकपाल ने उनकी लिखी हुई बातों पर ठीक से विचार किए बिना कार्रवाई की मंजूरी दे दी, जबकि उनसे जवाब मांगा गया था। मौखिक बहस की भी इजाजत दी गई थी।

यमुना सिटी के 6 सेक्टरों में 130 औद्योगिक भूखंडों का आवंटन निरस्त करने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना सिटी में 130 औद्योगिक भूखंडों का आवंटन निरस्त करने की तैयारी है। इनके आवंटियों ने यमुना विकास प्राधिकरण (यीडा) द्वारा नोटिस जारी करने के बावजूद अब तक भूखंड की रजिस्ट्री नहीं कराई। उन्हें 10 दिन का समय दिया गया था। प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि सेक्टर-24, 24ए, 28, 29, 32, 33 के करीब 366 औद्योगिक भूखंडों के आवंटियों को 21 नवंबर को नोटिस जारी किए गए थे। इन आवंटियों को 10 दिनों का समय देते हुए भूखंडों की रजिस्ट्री कराने के लिए कहा गया था। इसके बाद सिर्फ 76 आवंटियों ने ही अपने औद्योगिक भूखंड की रजिस्ट्री कराई, जबकि 58 आवंटियों ने नोटिस का जवाब दिया, लेकिन अभी तक दस्तावेज जमा नहीं कराए। 48 आवंटियों ने रजिस्ट्री न कराने के पीछे भूमि विवाद और जीरो पीरियड समेत अन्य कारण बताए, लेकिन 130 आवंटियों ने न तो अभी तक प्राधिकरण के नोटिस का कोई जवाब दिया और ना ही दस्तावेज जमा कराए। ऐसे में प्राधिकरण ने इन आवंटियों के भूखंडों का आवंटन निरस्त करने की तैयारी शुरू कर दी है। सीईओ आरके सिंह की अध्यक्षता में बैठक कर जल्द ही कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा। यमुना एक्सप्रेसवे उद्यमी संघ के अध्यक्ष रिषभ निगम ने कहा कि प्राधिकरण से नोटिस मिले हैं, लेकिन इसके पीछे सबसे बड़ा कारण अभी तक नो ड्यूज सर्टिफिकेट प्राप्त न होना है। सेक्टर-32 और 33 में पहली औद्योगिक भूखंड योजना वर्ष 2013 में आई थी, लेकिन 12 वर्ष बाद भी करीब 115 आवंटियों को आज तक उनके भूखंड नहीं मिल सके। यमुना सिटी में आवंटन के बावजूद 94 फीसदी औद्योगिक भूखंड खाली हैं। कई वर्ष बाद भी इकाइयां शुरू नहीं हो पाईं। औद्योगिक विकास विभाग उत्तर प्रदेश के सर्वे में यह तथ्य सामने आ चुके हैं। यीडा क्षेत्र में 3476 भूखंडों का सर्वे हुआ, जिसमें 3,264 यानी करीब 94 प्रतिशत भूखंड आवंटन के बाद भी खाली पड़े मिले। हालांकि, सर्वे अभी पूरा नहीं हुआ है। यमुना सिटी के औद्योगिक सेक्टरों में तीन हजार से अधिक औद्योगिक भूखंडों का आवंटन हो चुका है, लेकिन वर्तमान में सिर्फ 14 कंपनियां ही संचालित हो पाई हैं।

जब जज ने रेप केस की सुनवाई से खुद को किया अलग

दिल्ली हाई कोर्ट में नया ट्विस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली हाईकोर्ट में एक गंभीर रेप केस की सुनवाई के दौरान गुरुवार को नया ट्विस्ट आया। जस्टिस अमित महाजन ने खुद को इस मामले से अलग कर लिया। आरोपी एक 51 साल का वरिष्ठ वकील है, जिस पर 27 साल की महिला वकील ने बार-बार रेप और मारपीट का आरोप लगाया है। जज ने कहा कि वे पहले ही आरोपी की अग्रिम जमानत रद्द कर चुके हैं, इसलिए दोबारा सुनवाई करना अपने फैसले की समीक्षा जैसा होगा।

कोर्ट में जस्टिस महाजन ने आरोपी के वकील विकास पाहवा से कहा, मेरा मन पहले ही बन चुका है। नवंबर में मैंने जमानत रद्द की थी और परिस्थितियों में कोई बदलाव नहीं हुआ। पाहवा ने दलील दी कि अब हालात बदल गए हैं। पीड़िता और आरोपी के बीच 29 नवंबर को समझौता हो गया, जिसमें महिला ने कहा कि उसकी कोई शिकायत नहीं बची। जांच पूरी हो चुकी है, चार्जशीट दाखिल है और हिरासत में पूछताछ की जरूरत नहीं है।

जज ने दोनों याचिकाएं खारिज करने का संकेत दिया, लेकिन आरोपी को दूसरी बेंच में सुनवाई का मौका देने का फैसला किया। अगली तारीख 22 दिसंबर रखी गई है।

इससे पहले 15 दिसंबर को ट्रायल कोर्ट ने आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने 20 पेज के आदेश में कहा कि गंभीर आरोपों के बावजूद पीड़िता के बयानों में बड़ा विरोधाभास है। 26 नवंबर को उन्होंने प्रोटेस्ट पिटिशन दाखिल करने के लिए समय मांगा था, लेकिन तीन दिन बाद ही समझौता कर लिया। बाद में कोर्ट को बता दिया कि प्रोटेस्ट आगे नहीं बढ़ाएंगी।

ये मामला नवंबर के उस फैसले से जुड़ा है, जब जस्टिस महाजन ने आरोपी की जमानत रद्द की और सरेंडर के लिए एक हफ्ते का समय दिया। उसी आदेश में दो जिला जजों पर प्रशासनिक जांच के निर्देश दिए गए। उन पर पीड़िता को आरोप वापस लेने का दबाव बनाने का इल्जाम था। कोर्ट ने इसे न्याय व्यवस्था पर गंभीर हमला बताया। इसके बाद अगस्त में हाईकोर्ट की फुल कोर्ट मीटिंग में जज संजीव कुमार सिंह को सस्पेंड कर दिया गया। दूसरे जज अनिल कुमार के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश हुई। पीड़िता की शिकायत पर ऑडियो रिकॉर्डिंग्स भी सबूत बने थे।

पीड़िता का एक और गंभीर आरोप

महिला ने ये भी कहा कि जनवरी 2025 में आरोपी के वकील ने उन्हें एक तत्कालीन हाईकोर्ट जज से मिलवाया था। वादा किया गया था कि लॉ रिसर्चर की नौकरी दिलवाई जाएगी। ये केस अब दूसरी बेंच के सामने जाएगा। कानूनी हलकों में चर्चा है कि समझौता कितना स्वैच्छिक है। अगली सुनवाई में नए खुलासे हो सकते हैं।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के फेज-5 का काम पिछड़ा, एनएचएआई ने बताई नई डेडलाइन

करीब 80 फीसदी काम पूरा होने का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के पांचवें फेज का काम पिछड़ा गया है। यह फेज इस साल दिसंबर तक पूरा होना था। माना जा रहा है कि खंड का काम पूरा होने में अभी पांच से छह महीने का समय और लग सकता है। मेरठ एक्सप्रेसवे के पांचवें चरण के कार्य का शुभारंभ कई साल पहले हुआ था। दावा है कि पांचवें फेज का काम लगभग 80 फीसदी पूरा हो गया है।

यह खंड शाकरपुर, नरहैड़ा, ढकौली, सलेमपुर, चंदसारा, खानपुर, नगलापातू, चूड़ियाला, तल्हैटा और जैनुद्दीनपुर गांवों के पास से निकल रहा है। पांचवां खंड दिसंबर-2023 तक कार्य पूरा होने का समय तय किया गया था, लेकिन किसानों के विरोध के चलते निर्माण कार्य कई माह बंद रहा। इसके बाद वर्ष 2024 तक निर्माण कार्य पूरा होने का लक्ष्य रखा गया, मगर मुआवजे का विवाद नहीं सुलझने के कारण गाजियाबाद और मेरठ क्षेत्र में किसानों ने काम शुरू नहीं दिया।

एनएचएआई के अधिकारी इस साल दिसंबर तक पांचवें फेज को शुरू करने का दावा कर रहे थे। अभी तक भी काफी काम बचा हुआ है। ऐसे में पांचवें फेज का काम पिछड़ गया है। एनएचएआई के अधिकारी का कहना है कि कार्य की रफ्तार तेज करा दी है। गाजियाबाद और मेरठ में कुछ समस्याएं थीं, जिनका समाधान करा दिया है। गाजियाबाद और मेरठ में कुछ किसानों की जमीन की पैमाइश होनी है। निर्माण कार्य अगले साल अप्रैल तक पूरा हो जाएगा। मेरठ एक्सप्रेसवे के पांचवें फेज को मेरठ में गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ा जाएगा। इससे दिल्ली के अलावा गाजियाबाद, नोएडा और समेत अन्य जनपद के लोग गंगा एक्सप्रेसवे पर प्रवेश कर सकेंगे। गंगा एक्सप्रेसवे से प्रयागराज जा सकेंगे। बड़ी संख्या में लोगों को राहत मिल सकेगी।

निर्माण एजेंसी का दावा है कि करीब 80त्न काम पूरा कर लिया है। 10 बड़े और 12 छोटे अंडरपास के साथ 35 पुलिया बन गई हैं। 10 किलोमीटर सड़क तैयार है। शेष 4.6 किलोमीटर सड़क पर भी काम चल रहा है। किसानों के साथ जो विवाद थे उन्हें सुलझा लिया है। निर्माण कार्य की रफ्तार बढ़ाने के लिए अतिरिक्त मशीन और मजदूर लगाने की तैयारी है। बता दें कि दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे का पांचवां चरण कुल 14.600 किलोमीटर का है। मेरठ में 9.130 किलोमीटर और गाजियाबाद में 5.470 किलोमीटर का हिस्सा है। मेरठ के सात और गाजियाबाद के तीन गांवों के बीच से पांचवां चरण गुजरेगा।

अरविन्द कुमार, परियोजना निदेशक एनएचएआई, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के पांचवें फेज का काम तेजी से कराया जा रहा है। यह खंड अप्रैल तक बनकर तैयार हो जाएगा। इस खंड को मेरठ में गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ा जाएगा। इससे लोगों को राहत मिलेगी।

कर्मचारियों की कमी से जूझ रहा दिल्ली का चिड़ियाघर, बंदर के हमले में दैनिक कर्मी बुरी तरह घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के राष्ट्रीय प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर लापरवाही का मामला सामने आया है। यहां काम करने वाले दैनिक वेतन भोगी भैरों प्रताप सिंह को बोनट बंदर ने बुरी तरह घायल कर दिया। वहीं कर्मचारी के परिवार का आरोप है कि चिड़ियाघर प्रशासन की तरफ से केवल प्राथमिक उपचार करके उसे बेहोशी की हालत में ही घर छोड़ दिया गया। हालांकि बाद में राम मनोहर लोहिया अस्पताल में इलाज करवाया गया है। बंदर के हमले की वजह से पीड़ित के हाथ और पैर में गंभीर घाव हो गए हैं। पीड़ित के परिवार का कहना है कि शुक्रवार को एक बार फिर इलाज के लिए चिड़ियाघर प्रशासन भैरों प्रताप सिंह को अस्पताल ले गया है। पीड़ित की पत्नी पूजा सिंह ने घटना को लेकर हजरत निजामुद्दीन पुलिस थाने में शिकायत भी दी थी। इसमें उन्होंने चिड़ियाघर प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बताया था कि 2016 में भी एक बार इसी तरह की घटना हो चुकी है। उस समय शेर के बाड़े में खाना देते वक्त शेर ने हमला कर दिया था जिसमें पीड़ित को एक उंगली गंवानी पड़ी थी। उस समय चिड़ियाघर प्रशासन की ओर से कोई मुआवजा नहीं मिला था। वहीं ईएसआई की तरफ से दो हजार रुपये की मासिक पेंशन का इंतजाम किया गया था। इसके बाद कहीं और काम मिलने में बेहद मुश्किल हो रही है। मजबूर होकर उन्होंने कुछ महीने पहले ही दैनिकभोगी कर्मचारी के तौर पर चिड़ियाघर में काम करना शुरू किया। पीड़ित की पत्नी का कहना है कि डॉ. मनोज नाम के शख्स ने उन्हें काम पर लगवाया था। उन्होंने कहा कि चिड़ियाघर में स्टाफ की बेहद कमी है और चार आदमी का काम एक को ही करना पड़ता है। पीड़ित भैरो प्रताप सिंह को भी एक साथ तीन-तीन बीट पर काम करना पड़ता था।

बेटे को मरने देने की अर्जी लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे पिता, केस देखकर जज दुखी; खुद करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पिछले 12 साल से मरणासन्न स्थिति में पड़े 31 साल के युवक को हम इस हालत में नहीं छोड़ सकते। शीर्ष अदालत ने एम्स की ओर से युवक चिकित्सा रिपोर्ट को दुखद बताते हुए शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी की है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ ने युवक के पिता की ओर से इलाज रोककर यानी जीवन रक्षक सपोर्ट हटाकर प्राकृतिक रूप से मरने के लिए छोड़ देने की अनुमति देने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रही है। एम्स के डॉक्टरों की सेकेंडरी मेडिकल बोर्ड द्वारा पेश मेडिकल हिस्ट्री वाली रिपोर्ट पर विचार करने के बाद पीठ ने कहा कि 'यह बहुत दुखद रिपोर्ट है। हम इस लड़के को इस हालत में नहीं रख सकते।' हालांकि पीठ ने कहा कि इस मामले में कोई भी अंतिम आदेश पारित करने से पहले, हम युवक के माता-पिता से मिलना चाहेंगे। इसके साथ ही पीठ ने युवक के माता-पिता को 13 जनवरी को दोपहर 3 बजे मीटिंग तय की। वर्ष 2013 में एक मकान के चौथी मंजिल से गिरने के बाद 31 साल के हरीश राणा पिछले करीब 12 साल से वेजिटेटिव स्टेट में है। यह एक ऐसी अवस्था है, जिसमें व्यक्ति जाग तो रहा होता है (आंखें खुली होती हैं), लेकिन उसमें जागरूकता या सचेत प्रतिक्रियाओं का अभाव होता है। यह कोमा से अगल होता है।

30 साल बाद जापान में बड़ा फैसला- ब्याज दरों पर होने जा रहा है ऐतिहासिक बदलाव

टोक्यो, एजेंसी।
लगभग तीन दशकों तक बेहद कम ब्याज दरों की नीति अपनाने के बाद अब जापान की सेंट्रल बैंकिंग व्यवस्था एक बड़े बदलाव की ओर बढ़ती दिख रही है। बढ़ती महंगाई और मजबूत वेतन वृद्धि के बीच बैंक ऑफ जापान ब्याज दरों को 30 साल के सबसे ऊंचे स्तर तक ले जाने की तैयारी में है, जो न सिर्फ देश की अर्थव्यवस्था बल्कि वैश्विक बाजारों के लिए भी एक अहम संकेत माना जा रहा है।

ब्याज दरों में फिर बढ़ोतरी की तैयारी

बैंक ऑफ जापान की दो दिवसीय बैठक के बाद शुक्रवार को शॉर्ट-टर्म ब्याज दरों को 0.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.75 प्रतिशत किए जाने की उम्मीद है। अगर ऐसा होता है, तो यह जनवरी के बाद पहली बढ़ोतरी होगी और दरें 1995 के बाद सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच जाएंगी। उस समय जापान एसेट बबल फूटने के बाद गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा था। हालांकि वैश्विक स्तर पर यह दर अभी भी कम मानी जाती है, लेकिन जापान के लिए यह एक

ऐतिहासिक कदम है, जो यह दिखाता है कि देश अब लंबे समय तक चली आसान मौद्रिक नीति से बाहर निकलने को तैयार है।

महंगाई पर बैंक को भरोसा

गवर्नर काजुओ उएदा का मानना है कि वेतन में लगातार हो रही बढ़ोतरी महंगाई को 2 प्रतिशत के लक्ष्य के आसपास टिकाए रखेगी। यही भरोसा बैंक को आगे और दरें बढ़ाने के संकेत देने के लिए प्रेरित कर रहा है, भले ही वह फिलहाल यह साफ न करे कि अगली बढ़ोतरी कब और कितनी होगी। विशेषज्ञों का कहना है कि बैंक यह संदेश देना चाहता है कि दरें बढ़ने के बावजूद वास्तविक ब्याज दरें अभी भी कम रहेंगी और आर्थिक हालात निवेश के लिए अनुकूल बने रहेंगे।

आगे और बढ़ सकती हैं दरें

रॉयटर्स के एक सर्वे के अनुसार, 90 प्रतिशत अर्थशास्त्री मानते हैं कि दिसंबर में दरें 0.75 प्रतिशत तक जाएंगी, जबकि दो-तिहाई से ज्यादा विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगले साल सितंबर तक ब्याज दरें 1 प्रतिशत या उससे ऊपर पहुंच सकती हैं। बाजार अब उएदा की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर नजर लगाए हुए हैं, क्योंकि वहीं से यह संकेत मिल सकता है कि आगे दरें किस रफ्तार से बढ़ेंगी। इसका असर सिर्फ जापान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि येन की सस्ती फंडिंग वाली भूमिका बदलने से वैश्विक बाजार भी प्रभावित हो सकते हैं। हालांकि बैंक के अनुमान के मुताबिक अर्थव्यवस्था के लिए न्यूट्रल ब्याज दर 1 प्रतिशत से 2.5 प्रतिशत के बीच मानी जाती है, लेकिन बैंक इस बैठक में इसे लेकर कोई नया आंकड़ा जारी नहीं करेगा। इसके बजाय, बैंक सिर्फ यह दोहराएगा कि जरूरत पड़ने पर वह आगे भी सख्ती करने को तैयार है।

यूके की अदालत में एनआरआई महिला की जंग

बीमारी के बावजूद लड़ रही बराबरी के हक की लड़ाई

लंदन, एजेंसी।
यूके की एक अदालत में एक एनआरआई महिला पिछले छह साल से अपने कार्यस्थल पर इंसाफ और बराबरी के अधिकार के लिए लड़ रही है। यह मामला सिर्फ एक नौकरी से जुड़ा विवाद नहीं है, बल्कि उन लाखों महिलाओं की आवाज है, जो गंभीर बीमारी के बावजूद काम करती हैं और कॉरपोरेट सिस्टम की कठोर नीतियों का शिकार होती हैं। पश्चिम बंगाल की संजु पाल की यह लड़ाई अब हाईकोर्ट अपील ट्रिब्यूनल तक पहुंच चुकी है। लंदन में चल रहे इस मामले में संजु पाल ने यूके के समानता कानून 2010 और रोजगार अधिकार अधिनियम 1996 के तहत अपने अधिकारों की मांग की है। संजु पाल एंडोमेट्रियोसिस नाम की गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। उनका कहना है कि इस बीमारी के कारण उन्हें कार्यस्थल पर भेदभाव झेलना पड़ा और अप या आउट जैसी कॉरपोरेट नीति के तहत उन्हें नौकरी से बाहर कर दिया गया।

एंडोमेट्रियोसिस एक पुरानी बीमारी है, जिससे यूके में करीब 15 लाख महिलाएं प्रभावित बताई

जाती हैं। इस बीमारी में तेज दर्द और शारीरिक कमजोरी होती है। संजु पाल का कहना है कि नौकरी से निकाले जाने से पहले वह इसी बीमारी से जूझ रही थीं। इसके बावजूद ट्रिब्यूनल ने पहले यह मानने से इनकार कर दिया कि यह बीमारी कानूनी रूप से विकलांगता की श्रेणी में आती है। अब इसी फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। संजु पाल को एक कंसल्टिंग कंपनी में सीनियर मैनेजर पद पर पदोन्नति नहीं मिलने के बाद कथित खराब प्रदर्शन के आधार पर नौकरी से हटा दिया गया। कंपनी की नीति के अनुसार यदि कोई कर्मचारी तय समय में अगली पोस्ट के लिए तैयार नहीं माना जाता, तो उसे बाहर किया जा सकता है। संजु पाल का तर्क है कि कानून मौजूदा पद पर कामकाज के आधार पर ही आकलन की अनुमति देता है, न कि भविष्य की भूमिका के आधार पर। रोजगार ट्रिब्यूनल ने वर्ष 2022 में संजु पाल के पक्ष में आंशिक फैसला सुनाया और उन्हें अनुचित बर्खास्तगी के लिए मुआवजा दिया। हालांकि, विकलांगता से जुड़े दावे को खारिज कर दिया गया। इसके बाद हाईकोर्ट अपील की अनुमति मिली। दिसंबर में सुनवाई पूरी हो चुकी है और आने वाले हफ्तों में फैसला आने की उम्मीद है। संजु पाल ने इस लड़ाई के लिए ऑनलाइन अभियान के जरिए आर्थिक मदद भी जुटाई।

व्यापक असर और उम्मीद

संजु पाल का कहना है कि यह लड़ाई सिर्फ उनकी नहीं है। अगर फैसला उनके पक्ष में आता है, तो इससे कंसल्टिंग सेक्टर और दूसरे कॉरपोरेट क्षेत्रों में काम करने वाली बीमार महिलाओं को मजबूती मिलेगी। उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कार्यस्थल पर गैरकानूनी और अमानवीय नीतियां खत्म हों और गंभीर बीमारी से जूझ रहे कर्मचारियों के अधिकार सुरक्षित रहें।

पूर्व पीएम ओली ने तीसरी बार पार्टी अध्यक्ष का जीता पद

1663 वोट मिले; ईश्वर पोखरेल को 564 मत

काठमांडू, एजेंसी।
नेपाल के पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली ने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल- यूनिफाइड मार्क्सिस्ट लेनिनिस्ट (सीपीएन-यूएमएल) के 11वें सम्मेलन में लगातार तीसरी बार पार्टी अध्यक्ष का पद जीता। ओली को 1663 वोट मिले, जबकि प्रतिद्वंद्वी ईश्वर पोखरेल को 564 मत ही मिले। कुल मतदान 98.40 प्रतिशत दर्ज किया गया।

ओली के करीबी शंकर पोखरेल दूसरी बार महासचिव पद के लिए चुनाव लड़े। ओली के पैनल से पोखरेल दूसरी बार पार्टी के महासचिव चुने गए। उन्होंने पूर्व वित्त मंत्री सुरेंद्र पांडे को हराया। ओली-पोखरेल ने अपने प्रत्याशियों के पैनल तैयार किए।

ओली पैनल से 17 पदाधिकारी

पार्टी के 19 पदाधिकारियों में से 17 ओली के पैनल से चुने गए, जबकि दो पोखरेल के पैनल से चुने गए। पृथ्वी सुब्बा गुरुंग, बिष्णु पौडेल, रघुजी पंत, राम बहादुर थापा और गोकर्ण बिष्टा उपाध्यक्ष पद के

लिए चुने गए हैं। इसी प्रकार, तीन उप महासचिवों में से राज भट्टा और रघुबीर महासेठ - भी ओली की टीम से हैं। सीपीएन-यूएमएल के भीतर 11वें महाधिवेशन में बुधवार को मतदान शुरू हुआ। मतदान प्रक्रिया सोमवार से कई बार स्थगित होने के बाद शुरू हुई, जो तकनीकी गड़बड़ी के कारण एक घंटे देरी से शुरू हुई। पार्टी के चुनाव ईवीएम से हुए हैं। अध्यक्ष पद पर ओली को वरिष्ठ नेता ईश्वर पोखरेल से चुनौती मिली। बता दें, प्रधानमंत्री कार्की ने 12 सितंबर को शपथ ली थी।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पहले ही दे दिया बड़ा झटका

कंडोम समेत कई चीजें सस्ती करना चाहता था पाकिस्तान

इस्लामाबाद , एजेंसी।
पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से उस वक्त बड़ा झटका लगा, जब सस्ते कंडोम और अन्य गर्भनिरोधक सामग्री को लेकर की गई सरकार की मांग को खारिज कर दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने स्पष्ट कर दिया है कि गर्भनिरोधक वस्तुओं पर लगने वाले 18 प्रतिशत जीएसटी में किसी तरह की कटौती फिलहाल संभव नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का तर्क है कि टैक्स में छूट देने से पाकिस्तान के राजकोष पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

कर्ज और अंतरराष्ट्रीय मदद के सहारे चल रही पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था काफी

हद तक अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोषकी शर्तों पर टिकी हुई है। इन शर्तों से हटने की स्थिति में देश को डिफॉल्ट का सामना करना पड़ सकता है, जिससे विदेशी सहायता रुकने और आर्थिक अराजकता पैदा होने का खतरा है।

डांवाडोल अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए पाकिस्तान को आइएमएफ की 37 महीने की एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी और रेजिलिएंस एंड सस्टेनेबिलिटी फैसिलिटी के तहत कर्ज मिला है। इन पैकेजों का मकसद आर्थिक विकास, राजकोषीय स्थिरता और जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुकसान को कम करना बताया गया है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोषअब तक पाकिस्तान को करीब 3.3 अरब डॉलर जारी कर चुका है, जबकि हाल ही में 1.2 अरब डॉलर की अतिरिक्त राशि भी मंजूर की गई है।

हालांकि यह बेलआउट पैकेज सख्त शर्तों के साथ दिया जा रहा है, जिसमें शासन सुधार, राजस्व बढ़ाने और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने पर खास जोर है। इसी कड़ी में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोषने कंडोम, सैनिटरी पैड और अन्य जरूरी वस्तुओं पर टैक्स में राहत देने से इनकार कर दिया है।

शहबाज शरीफ के निर्देश पर पाकिस्तान के फेडरल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू ने गर्भनिरोधक वस्तुओं से 18 प्रतिशत हटाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोषसे औपचारिक अनुमति मांगी थी। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोषअधिकारियों ने साफ कर दिया कि मौजूदा बेलआउट प्रोग्राम के बीच किसी भी तरह की टैक्स छूट संभव नहीं है। इस मुद्दे पर केवल वित्त वर्ष 2026-27 के बजट के दौरान ही विचार किया जा सकता है।

विकास योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से सुनिश्चित किया जाए : उप विकास आयुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला परिषद की सामान्य बैठक आज जिला परिषद सभागार में सम्पन्न हुई, जिसकी अध्यक्षता जिला परिषद अध्यक्षा सुनीता देवी ने की। बैठक में जिले के समग्र विकास से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने सभी सदस्यों को कहा कि अगली बैठक तीन माह में ससमय सम्पन्न करा लिया जाएगा। उन्होंने कसमार प्रखंड की सुपरवाइजर को स्पष्टीकरण करने का निर्देश दिया। मौके पर जिला परिषद उपाध्यक्ष बबीता देवी, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, निदेशक डीपीएलआर मेनका, सांसद प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधि, सभी जिला परिषद सदस्यगण, सभी प्रखंड प्रमुख एवं सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं अन्य उपस्थित थे। बैठक के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता, ग्रामीण विकास, सड़क निर्माण, विद्युत आपूर्ति, कृषि, अनाज वितरण , आंगनबाड़ी केंद्र, आपूर्ति विभाग, पैक्स का मामला, बंद स्वास्थ्य केंद्र, कंबल वितरण, नल जल योजना तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। सदस्यों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को सदन के समक्ष रखा गया, जिस पर संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

आपसी समन्वय के साथ कार्य करने एवं योजनाओं को गुणवत्ता के साथ धरातल पर उतारने का निर्देश-

जिला परिषद अध्यक्षा सुनीता देवी ने कहा कि पंचायत स्तर तक विकास योजनाओं का लाभ समय पर पहुँचाना प्राथमिकता है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने एवं योजनाओं को गुणवत्ता के साथ धरातल पर उतारने का निर्देश दिया।

विकास योजनाओं की समन्वय पूरा करने पर उप विकास आयुक्त ने दिया जोर

उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने कहा कि जिला परिषद की सामान्य बैठक जिले के समग्र एवं संतुलित विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए सुझावों एवं समस्याओं को गंभीरता से लिया गया है। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिया है कि सभी विकास योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से सुनिश्चित किया जाए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि पंचायत एवं ग्रामीण स्तर पर संचालित योजनाओं की नियमित समीक्षा की जाएगी, ताकि आम जनता को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिल सके। उन्होंने सभी विभागों से आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करने तथा लंबित कार्यों का शीघ्र निष्पादन करने का अनुरोध किया। बैठक में लंबित विकास कार्यों के शीघ्र निष्पादन तथा ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर भी चर्चा की गई तथा सदस्यों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया गया।

स्टेकहोल्डर मीटिंग में सरकारी योजनाओं से जोड़ने पर विशेष जोर

कसमार (बोकारो)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कसमार प्रखंड के खैराचातर तथा टांगटोना पंचायत भवन में सहयोगिनी द्वारा बाल विवाह एवं बाल हिंसा तथा घरेलू हिंसा की रोकथाम एवं किशोरियों एवं महिलाओं को सरकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से दोनों पंचायत भवन में महत्वपूर्ण स्टेकहोल्डर मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता पंचायत के मुखिया विजय कुमार जायसवाल तथा सुमित्रा कुमारी ने की। बैठक में पंचायत प्रतिनिधि, उपमुखिया, वार्ड सदस्य, सेविका-सहिया, महिला समूह की सदस्याएँ एवं अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस दौरान मुखिया विजय कुमार जायसवाल ने कहा कि बाल विवाह और महिलाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा को रोकना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के सभी वर्गों को

इसके लिए एकजुट होकर आगे आना होगा। टांग टोना की मुखिया सुमित्रा कुमारी ने कहा कि किशोरियों एवं महिलाओं को शिक्षा, सुरक्षा तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर ही उन्हें सशक्त और आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। उपमुखिया अनिल कपरदार ने कहा कि बाल विवाह समाज के विकास में सबसे बड़ी बाधा है। उन्होंने सभी से अपील की कि यदि कहीं भी बाल विवाह या हिंसा की कोई घटना सामने आती है तो तुरंत पंचायत प्रतिनिधि या प्रशासन को इसकी सूचना दें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

संक्षिप्त समाचार

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में दंत जांच चिकित्सा शिविर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9डी , बोकारो के तत्वावधान में इंडियन डेंटल एसोसिएशन द्वारा दंत जांच चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया । जिसमें करीब सात सौ छात्रों ने दंत जांच कराया। यह शहर के जाने-माने दंत चिकित्सक डॉक्टर प्रशांत कुमार, नासिर हुसैन, अमित कुमार एवं उनके सहयोगियों द्वारा किया गया ।

उन्होंने बताया कि यहां जांच में जिनको दिक्कत आई है उनको सलाह के साथ-साथ अस्पताल में भी देखने हेतु सलाह दी गई है। विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र कामत ने अपने संदेश में चिकित्सक दल को साधुवाद देते हुए कहा कि यह दंत जांच शिविर बालकों में उनके दांतों की देखरेख के प्रति जागरूकता बढ़ाती है।विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सचिव गुप्तेश्वर प्रसाद सिंह जी ने कहा कि वर्ष में एक बार सभी बालकों का विद्यालय के द्वारा इस प्रकार से दांत जांच कराया जाता है और आगे भी कराया जाएगा । इस अवसर पर विद्यालय के प्रभारी आचार्य चंदन सरकार, श्रीमती नेहा कुमारी तथा सभी आचार्य जी एवं दीदीजी उपस्थित रहे ।

अभाविप गोमिया नगर इकाई का पुनर्गठन

गोमिया/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) गोमिया नगर इकाई का पुनर्गठन कार्यक्रम आज गोमिया डिग्री कॉलेज, गोमिया परिसर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम बोकारो जिला संयोजक पवन कुशवाहा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र नेता विवेक पाठक एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रोशन जायसवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान गोमिया नगर की नवगठित कार्यकारिणी की घोषणा की गई। जिसमें नगर अध्यक्ष के रूप में दिलीप कुमार साह एवं नगर मंत्री के रूप में राहुल साह को दायित्व सौंपा गया। वहीं सह नगर मंत्री के रूप में विशाल कुमार, मधु कुमारी, अभिषेक यादव एवं सुमन साह को मनोनीत किया गया। इकाई के विभिन्न आयामों के अंतर्गत एस एफ डी प्रमुख मनीष कुमार एवं एस एफ डी सह प्रमुख खुशी कुमारी, एस एफ एस प्रमुख लव कुमार एवं एस एफ एस सह प्रमुख बलबंत कुमार, मीडिया प्रमुख विवेक कुमार एवं मीडिया सह प्रमुख रवि शंकर कुमार, सोशल मीडिया प्रमुख ओमप्रकाश कुमार एवं सह सोशल मीडिया प्रमुख सोनू कुमार को दायित्व प्रदान किए गए। इसके साथ ही कला मंच प्रमुख सूरज कुमार एवं कला मंच सह प्रमुख माही कुमारी को भी संगठनात्मक जिम्मेदारी सौंपी गई।

उपायुक्त ने किया जिला स्तरीय युवा महोत्सव का उद्घाटन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने आज न्यू टाउन हॉल में जिला स्तरीय युवा महोत्सव का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन जिला एवं राज्य के युवाओं को प्रेरित और प्रोत्साहित करेंगी। इससे जिले के युवा सामूहिक लोक नृत्य, सामूहिक लोक गायन, चित्रकला, भाषण एवं कविता लेखन में विकास कर आगे बढ़ सकेंगे। समारोह के

दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। तत्पश्चात उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतियोगियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त आदित्य रंजन, जिला खेल पदाधिकारी उमेश लोहरा के अलावा अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

उपायुक्त ने पीडीएस डीलरों के बीच ई-पोस मशीन का किया वितरण

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में पीडीएस डीलरों के बीच 4जी ई-पोस मशीन का वितरण किया गया। मौके पर मशीन की कार्यप्रणाली, उपयोगिता एवं तकनीकी विशेषताओं के संबंध

में विस्तृत जानकारी भी दी गई। एडीएम सप्लाई श्री जियाउल अंसारी ने बताया कि नगर निगम क्षेत्रों के कुल 721 डीलरों के बीच 4जी ई-पोस मशीनों का वितरण किया जाना है। वितरण के साथ-साथ डीलरों को मशीन के संचालन, लाभुक सत्यापन, लेन-देन प्रक्रिया एवं तकनीकी समस्याओं के समाधान से संबंधित आवश्यक प्रशिक्षण भी दिया गया। ताकि भविष्य में खाद्यान्न वितरण में किसी प्रकार की बाधा न उत्पन्न हो। मौके पर उपायुक्त आदित्य रंजन ने डीलरों को निर्देश देते हुए कहा कि 4जी ई-पोस मशीन का नियमित एवं सही उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने डीलरों को लाभुकों के साथ अच्छा व्यवहार बनाए रखते हुए ससमय खाद्यान्न एवं अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण करने का निर्देश दिया। मौके पर एडीएम सप्लाई जियाउल अंसारी तथा जिला आपूर्ति पदाधिकारी पंकज कुमार मौजूद रहे।

जन शिकायत के प्रभारी पदाधिकारी ने सुनी जनता की समस्याएं

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निदेशानुसार प्रभारी जन शिकायत पदाधिकारी नियाज अहमद ने समाहरणालय स्थित सभागार में जिले के विभिन्न क्षेत्र से आए लोगों की शिकायतों को सुना। लोगों के आवेदनों को प्राप्त कर उन्होंने संबंधित पदाधिकारी को शिकायत का निष्पादन करने के लिए निर्देशित किया। जनता दरबार में वार्ड नंबर 1 स्थित तेलियाबांध तालाब के जीर्णोद्धार तथा नाली निर्माण करने, झरिया मास्टर प्लान 2025 के तहत केंदुआडीह राजपूत बस्ती के एल्टीएच निवासियों के घर संपत्ति का मूल्यांकन करने, पंचमहली मुखिया द्वारा रैयती जमीन के मापी में व्यवधान डालने की शिकायत, शिक्षण प्रमाण पत्र निर्गत करने, राशन कार्ड में नाम जोड़ने, जबरन रह रहे लोगों से आवास खाली कराने, सरकारी रास्ता पर से कब्जा हटाने समेत मुआवजा, पुनर्वास, नियोजन, आपसी विवाद, व विभिन्न आवेदन प्राप्त हुए।उन्होंने लोगों को पूर्ण भरोसा दिलाया कि आपकी समस्याओं को दूर करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। जिला प्रशासन नियमानुसार आपकी हर समस्याओं को दूर करने का प्रयास करेगा।

बिना रजिस्ट्रेशन के डॉग ब्रीडरों पर कार्रवाई करने का निर्देश

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में आज पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने डोग बाइट कंट्रोल, पशु कल्याण एवं रैबीज उन्मूलन कार्यक्रमों के सुचारु क्रियान्वयन के निर्देश दिए। साथ ही जिले में बिना रजिस्ट्रेशन के डॉग ब्रीडरों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने एंटी रैबीज वेक्सीन का स्टॉक ओडिट कराने का भी निर्देश दिया। बैठक में जिला पशुपालन पदाधिकारी ने बताया कि डॉग ब्रीडर एवं पालतू जानवरों की बक्री करने वाले संस्थाओं को राज्य जीव जंतु कल्याण बोर्ड से निबंधन करना अनिवार्य है। बैठक में एनिमल बर्थ कंट्रोल कार्यक्रम, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960, पशु तस्करी रोकने, डॉग बाइट के हाई रिस्क जोन की पहचान करना, आवारा कुत्तों के लिए फीडिंग जॉन का निर्धारण सहित अन्य विषयों पर चर्चा की गई।

जिंदगी में कभी हार नहीं मानना है, संघर्ष करें- अपना बेस्ट दें : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शुक्रवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने नावाडीह स्थित सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं से भावनात्मक संवाद करते हुए कहा कि जीवन में असफलताएं आती हैं, लेकिन हार मान लेना सबसे बड़ी हार होती है। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी हार नहीं मानना है, संघर्ष करना है और स्वयं पर विश्वास रखना और अपना बेस्ट देना है। सफलता जरूर मिलेगी। उपायुक्त के शब्दों ने छात्राओं के मन में आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया।

देश का भविष्य शिक्षकों के हाथ में है - शिक्षकों से किया अपील

उपायुक्त ने शिक्षकों से सीधे संवाद में कहा कि आप केवल शिक्षक नहीं, बल्कि भविष्य के शिल्पकार हैं। शिक्षकों के कंधों पर समाज, राज्य और देश के भविष्य को गढ़ने की जिम्मेदारी है। उन्होंने भावुक शब्दों में कई उदाहरण देकर शिक्षकों के महत्व को विस्तार से बताया। कहा कि यदि शिक्षक अपने कर्तव्यों में लापरवाही बरतते हैं, तो उसका खामियाजा पूरी युवा पीढ़ी और आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ता है। उन्होंने शिक्षकों से समर्पण, संवेदनशीलता और ईमानदारी के साथ बच्चों का मार्ग दर्शन करने का आग्रह किया।

सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का निरीक्षण - अव्यवस्था देख जताई नाराजगी

विद्यालय निरीक्षण के दौरान उपायुक्त अजय नाथ झा ने कक्षाओं, आइसीटी लैब, पुस्तकालय और शौचालयों का निरीक्षण किया। कुछ स्थानों पर अव्यवस्था और साफ-सफाई की कमी देख उन्होंने गहरी नाराजगी और चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि विद्यालय मंदिर होता है, यहां किसी भी तरह की लापरवाही बच्चों के भविष्य के साथ समझौता है। उन्होंने विद्यालय प्रधानाध्यपक श्री प्रवीण कुमार रजवार को नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा एक माह के भीतर पुस्तकालय एवं अव्यवस्थित पड़ें बेंच

डेस्क आदि सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का सख्त निर्देश दिया।

दसवीं- बारहवीं की परीक्षा जीवन की दिशा तय करती है - छात्राओं से किया संवाद

उपायुक्त ने छात्राओं से संवाद करते हुए कहा कि आने वाले दसवीं झ बारहवीं की परीक्षा में अभी से फोकस करें। कहा कि यह केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि भविष्य की नींव है। उन्होंने बच्चों को सलाह दी कि परीक्षा से डरना नहीं है, अगर किसी विषय में कमजोर है, तो उसे दूर करें। दसवीं के सभी विषय इतिहास, नागरिक शास्त्र, अर्थशास्त्र, गणित, भूगोल और विज्ञान, अंग्रेजी आदि सभी विषय जीवन को समझने और सही निर्णय लेने में मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि इतिहास हमें बीती गलतियों से सीख लेकर गलती नहीं दोहराने झ आगे बढ़ने की नसिहत देता है।

संविधान और राष्ट्रप्रेम का पढ़ाया पाठ - बच्चों में भरा गर्व

उपायुक्त ने अपने संवाद में छात्राओं को संविधान के गठन, पूर्ण स्वराज की ऐतिहासिक मांग, गणतंत्र की अवधारणा और 26 जनवरी के महत्व को सरल शब्दों में समझाया। उन्होंने देश में विविधता में एकता की भावना पर जोर देते हुए कहा कि भारत की असली ताकत आपसी सामंजस्य, भाईचारा और एकता में है। बच्चों के चेहरे पर अपने देश को लेकर गर्व साफ झलक रहा था।

कोई भी बच्चा पीछे न रहे - सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की सोच

उपायुक्त ने कहा कि सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस राज्य सरकार की वह दूरदर्शी पहल है, जिसका उद्देश्य है कि हमारे बच्चे किसी से भी पीछे नहीं रहें। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर संसाधन और सकारात्मक माहौल के माध्यम से बच्चों को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, बीडीओ नावाडीह प्रशांत हेंब्रम, सीओ अभिषेक कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, श्रुति सहित अन्य उपस्थित थे।

आम नागरिकों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनका समयबद्ध समाधान करें सुनिश्चित : अपर समाहर्ता

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देश पर अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी द्वारा जनता दरबार का आयोजन समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में किया गया, जिसमें शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लगभग 20 लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं। अपर समाहर्ता ने सभी आवेदनों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए तथा कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन किया। जनता दरबार के दौरान अस्पताल का बिल माफ करने, भूमि विवाद से संबंधित, पेंशन, रोजगार की मांग, शिक्षा सहित अन्य विषयों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए।

आम नागरिकों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करे-

अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी ने कहा कि जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त आवेदनों का निष्पादन पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ निर्धारित समय सीमा के भीतर किया जाए।

उपायुक्त ने नावाडीह में आम बागवानी का किया निरीक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त अजय नाथ झा ने शुक्रवार को नावाडीह प्रखंड के सुरही गांव में 4.5 एकड़ में फैले आम बागवानी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने योजना के लाभुकों से सीधे संवाद कर बागवानी की प्रगति, उत्पादन एवं सिंचाई सुविधाओं की जानकारी ली। उपायुक्त ने योजना के लाभुकों श्री जगदीश महतो, शांति देवी सहित अन्य से बागवानी के रख-रखाव, उत्पादन की स्थिति तथा सिंचाई व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने लाभुकों को बागवानी को और सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने पंचायत के मुखिया श्री विश्वनाथ महतो एवं ग्रामीणों से संवाद कर पंचायत एवं गांव से जुड़ी समस्याओं को सुना। ग्रामीणों ने क्षेत्र में सिंचाई सुविधा सुदृढ़ करने के लिए चेक डैम

निर्माण कराने तथा स्थानीय विद्यालय में शिक्षकों की कमी को दूर करने की मांग रखी। उपायुक्त ने उपस्थित बीडीओ एवं सीओ को निर्देश दिया कि वे ग्रामीणों से समन्वय स्थापित कर पंचायत क्षेत्र में खाली पड़े उपयुक्त स्थानों पर आम बागवानी को बढ़ावा देने हेतु लोगों को प्रेरित करें, ताकि किसानों की आय में वृद्धि हो सके। मौके पर बीडीओ नावाडीह प्रशांत हेंब्रम, सीओ अभिषेक कुमार, नोडल पदाधिकारी मनरेगा पंकज दूबे, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, श्रुति सहित अन्य एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

डीसी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नावाडीह का किया निरीक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शुक्रवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) नावाडीह का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर, उपलब्ध सुविधाओं एवं मरीजों को दी जा रही सेवाओं की बारीकी से समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में डीसी ने लंबित मानदेय भुगतान को लेकर धरने पर बैठी स्वास्थ्यकर्मियों से संवाद किया। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य मुख्यालय से आवंटन प्राप्त होते ही सभी लंबित मानदेय का भुगतान एक सप्ताह के भीतर करा दिया जाएगा। डीसी के आश्वासन के बाद स्वास्थ्यकर्मियों ने धरना समाप्त कर पुनः अपने कार्य पर लौटने का निर्णय लिया। सीएचसी परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए

डीसी ने संतोष व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने अस्पताल भवन के रंग-रोगन एवं आवश्यक मरम्मत कार्य को शीघ्र अंजाम देने के लिए अंटाइड फंड से कार्य कराने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया। डीसी ने ओपीडी, ट्रॉमा सेंटर, दवा वितरण काउंटर, आयुष्मान भारत काउंटर, भंडार कक्ष, प्रयोगशाला एवं जनरल वार्ड का निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों से सीधे संवाद कर उपचार, दवा उपलब्धता एवं व्यवहारिक सुविधाओं की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं में और सुधार लाने के निर्देश दिए।

बीएसएल में सेल के हेड ऑफ प्रोजेक्ट्स मीट का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के तत्वावधान में 19 से 20 दिसंबर 2025 तक आयोजित दो दिवसीय हेड ऑफ प्रोजेक्ट्स (एचओपी) मीट का शुभारंभ आज दिनांक 19 दिसंबर 2025 को बोकारो निवास में किया गया. इस उच्चस्तरीय बैठक का आयोजन बोकारो स्टील प्लांट द्वारा किया जा रहा है, जिसमें सेल के कॉरपोरेट कार्यालय, एकीकृत इस्पात संयंत्रों, खदानों एवं विभिन्न इकाइयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया है. बैठक का उद्देश्य परियोजना क्रियान्वयन को सुदृढ़ करना, महत्वपूर्ण बाधाओं का समाधान करना तथा सेल की रणनीतिक विस्तार योजनाओं को गति प्रदान करना है. कार्यक्रम के प्रारंभ में बोकारो स्टील प्लांट के अधिशासी निदेशक (परियोजना) अनिष सेनगुप्ता ने विभिन्न सेल इकाइयों का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिशासी निदेशकों का अभिनंदन करते हुए सभी का स्वागत किया तथा विचार-विमर्श को लक्ष्यपरक एवं परिणामोन्मुख बनाए रखने पर बल दिया. इसके पश्चात सेल के मूल मूल्यों के अनुरूप कार्यक्रम की शुरूआत सुरक्षा शपथ के साथ की गई, जिसके माध्यम से सभी परियोजना स्थलों पर 'सुरक्षा प्रथम' संस्कृति के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता को पुनः रेखांकित किया गया. उपस्थित गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया गया. बोकारो स्टील प्लांट की अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी ने आगंतुक प्रतिनिधियों का स्वागत किया

तथा उद्घाटन सत्र में उपस्थित अधिशासी निदेशकों ने अपने विचार प्रस्तुत किए. एचओपी मीट में अधिशासी निदेशक प्रभारी (परियोजना) सुब्रत मुखोपाध्याय सहित सेल के विभिन्न संयंत्रों एवं इकाइयों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें बीएसपी के अधिशासी निदेशक (परियोजना) प्रवीर कुमार सरकार, डीएसपी के अधिशासी निदेशक (परियोजना) एस. के. गजभिये, आईएसपी के अधिशासी निदेशक (परियोजना) प्रवीण कुमार, आरएसपी के अधिशासी निदेशक (परियोजना) सुदीप पाल चौधरी, सीईटी के अधिशासी निदेशक एस. के. वर्मा, अधिशासी निदेशक (माइंस) विकास मनवती तथा अधिशासी निदेशक (एसआरयू) प्रसन्न कुमार रथ शामिल थे. बोकारो स्टील प्लांट की ओर से अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (सामग्रीप्रबंधन) सी. आर. मिश्रा, अधिशासी निदेशक (संकार्य) प्रिय रंजन, अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन्स) अनूप कुमार दत्त, अधिशासी निदेशक (एम एंड एचएस) बी. बी.करुणामय सहित मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) एवं उनकी टीम ने बैठक में सक्रिय सहभागिता निभाई. राउरकेला स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी एवं बोकारो स्टील प्लांट के लिंक निदेशक आलोक वर्मा ने ऑनलाइन माध्यम से अपने संबोधन में समयबद्ध अवसंरचना विकास और उत्पादन क्षमता वृद्धि के बीच के महत्वपूर्ण संबंध को रेखांकित किया. उन्होंने कहा कि चल रही एवं आगामी परियोजनाओं का समय पर निष्पादन, सेल की दीर्घकालिक क्षमता विस्तार योजनाओं एवं उत्पादन लक्ष्योंकी प्राप्ति के लिए अत्यंत आवश्यक है. बैठक के प्रथम दिन के प्रमुख एजेंडे में पिछली एचओपी मीट की कार्यवृत्त की विस्तृत समीक्षा शामिल रही. प्रतिभागियों ने विभिन्न पहलों की प्रगति की गहन समीक्षा की तथा मार्च 2026 तक सभी प्रमुख लंबित मुद्दों के समाधान हेतु सामूहिक सहमति व्यक्त की, जिससे उत्तरदायित्वएवं समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित हो सके. तकनीकी नवाचार की भूमिका को रेखांकित करते हुए बोकारो स्टील प्लांट के महाप्रबंधक

(परियोजना) श्री सुधीर कुमार ने डिजिटल प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग सिस्टम पर विस्तृत प्रस्तुति दी. इस सत्र में परियोजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की एकीकृत निगरानी को और अधिक प्रभावी बनानेपर विचार-विमर्श किया गया. इसके साथ ही डीपीएमएस को एसएपी प्रणाली से जोड़ने पर भी चर्चा हुई, जिससे डेटा का निर्बाध प्रवाह, वास्तविक समय में रिपोर्टिंग, संसाधन प्रबंधनमें सुधार तथा परियोजना जोखिमों की शीघ्र पहचान संभव हो सके. यह एचओपी मीट सेल की विभिन्न इकाइयों के बीच समन्वय को सुदृढ़ करने, परियोजना निष्पादन में गति लाने, सुरक्षा एवं गुणवत्ता अनुपालन को मजबूत करने, संसाधनों के इष्टतम उपयोग तथा परियोजना प्रबंधन प्रथाओं के मानकीकरण में सहायक सिद्ध होगी. यह मंच सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान एवं सामूहिक समस्या समाधान को प्रोत्साहित करते हुए परिचालन दक्षता और समयबद्ध परियोजना पूर्णता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. यह दो दिवसीय बैठक ठोस कार्ययोजनाओं के निर्धारण एवं सर्वोत्तम प्रथाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहायक सिद्ध होगी. इस एचओपी मीटके निष्कर्ष सेल को अपने विजन-2030 के अनुरूप संगठनात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करेंगे.

बीएसएल द्वारा साहित्यिक कवि गोष्ठी का आयोजन

बोकारो स्टील प्लांट एवं अखिल भारतीय चेतना दर्पण के संयुक्त तत्वावधान में बोकारो इस्पात पुस्तकालय, सेक्टरझ5 में एक साहित्यिक कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया. इस अवसर पर बोकारो महानगर के प्रतिष्ठित साहित्यकारों, कवियों एवं रचनाकारों ने अपनी सशक्त, भावपूर्ण एवं विचारोत्तेजक रचनाओं के माध्यम से श्रोताओं को भाव-विभोर किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाप्रबंधक (क्रय) श्रीमती नीरजा शतदल उपस्थित रहीं. उनके साथ विशिष्ट अतिथियों के रूप में महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) चौधरी रत्नेश कुमार सुधांशु, विहंगम योग के अंतरराष्ट्रीय प्रचारक सुखनन्दन सिंह 'सदय', विश्व हिंदू परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ कवि जगन्नाथ शाही सहित कई जाने-माने कवि एवं साहित्यकार उपस्थित रहे. मुख्य अतिथि श्रीमती नीरजा शतदल ने अपनी कविता का सस्वर पाठ करते हुए कहा कि साहित्य सृजन के माध्यम से व्यक्ति के अंतर्मन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जो समाज एवं राष्ट्र को सही दिशा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.

स्वत्वाधिकारी,
प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145865
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com